हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 12

शुभमन गिल ने टेस्ट क्रिकेट में पूरे किए 3000 रन, यह उपलब्धि हासिल ...

www.naisochlive.com | पटना, सोमवार, 24 अगस्त 2026, वर्ष- 09, अंक- 180, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

भारत में तेजी से उभर रहा निजी अंतरिक्ष क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के आकर्षण का केंद्रः पीएम

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर कहा, ''भारत का तेजी से उभरता निजी अंतरिक्ष क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के आकर्षण का केंद्र है। वहीं, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने चंद्रयान-3 की दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग, उससे मिले वैज्ञानिक डेटा और 140 करोड़ भारतीयों को प्रेरित करने को बड़ी उपलब्धि बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत का बढ़ता वैश्विक प्रभाव, खासकर निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की तेजी से बढ़ती भूमिका ने देश को दुनिया भर के निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना दिया है। उन्होंने कहा कि भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर लगातार अपनी मौजूदगी मजबूत कर रहा है और यह देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम की बढ़ती ताकत में साफ दिखाई देता है। उन्होंने नई तकनीक विकसित कर रही जेनरेशन जेड की भी जमकर सराहना की। उन्होंने अपने भाषणों का एक वीडियो साझा करते हुए कहा, ''मैंने अयोध्या में कहा था कि यह बदलाव के एक नए चक्र की शुरुआत

है। इस नए चक्र में भारत वैश्विक व्यवस्था में अपनी अंतरिक्ष उपस्थिति का लगातार विस्तार कर रहा है और यह हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है और इस लक्ष्य को हासिल करने में अंतरिक्ष क्षेत्र की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीक में भारत की बढ़ती क्षमता देश की व्यापक विकास यात्रा का अहम हिस्सा बन रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की उपलब्धियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा,''भारत की निजी अंतरिक्ष प्रतिभा दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रही है। आज भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है।'' उन्होंने कहा कि निजी कंपनियों और स्टार्टअप्स की बढ़ती भागीदारी से भारत के अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र को नई गति मिली है। इससे देश में अंतरिक्ष से जुड़ी तकनीकों, नवाचार और निवेश के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसरो की सफलता भारत की अगली पीढ़ी के वैज्ञानिकों को प्रेरित कर रही है। इसरो की उपलब्धियों को देखकर देश के कई बच्चे यह सपना देखने लगे हैं कि बड़े होकर वे भी वैज्ञानिक बनेंगे। अंतरिक्ष अभियानों की सफलता ने बच्चों और युवाओं के बीच विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान के प्रति रुचि को बढ़ाने का काम किया है। इस अवसर पर इसरो अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन ने भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए नवाचार, सहयोग और महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय करने पर जोर दिया। अहमदाबाद में तीसरे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह के दौरान उन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की साधारण शुरुआत से लेकर आज की उपलब्धियों तक के सफर को भी याद किया। उन्होंने कहा, 'जब हमने देश का अंतरिक्ष कार्यक्रम शुरू किया था, तब रॉकेट के पुर्जों को पुराने साइकिलों पर ले जाया जाता था। हमारे पास कोई दूसरा वाहन नहीं था।

तिरंगे की शान और 140 करोड़ देशवासियों के सपना ही अंतरिक्ष में भारत का संकल्पः प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर कहा कि तिरंगे की शान और 140 करोड़ देशवासियों के सपने ही अंतरिक्ष में भारत का संकल्प हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर जारी एक वीडियो में कहा, " मैंने अयोध्या में कहा था कि यह नए काल की शुरुआत है इस नए काल क्षेत्र में ग्लोबल ऑर्डर में भारतक अपना स्पेस लगातार बड़ा बना रहा है। हम सबने मिलकर 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया संकल्प को सिद्द तक पहुंचाने

में स्पेस सेक्टर की भूमिका बहुत बड़ी है। आज ये जेन जी इंजीनियर, जेन जी डिजाइनर और जेन जी वैज्ञानिक नई नई टेक्नोलॉजी बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'प्रपल्शन सिस्ट' 'कंपोजिट मटीरियल' या सैटेलाइट प्लेटफ़ॉर्म हों भारत का युवा आज उन क्षेत्रों में काम कर रहा है जिनकी कुछ साल पहले कल्पना भी संभव नहीं थी। भारत का प्राइवेट स्पेस टैलेंट पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रहा है। आज वैश्विक निवेशकों के लिए भारत का स्पेस सेक्टर एक आकर्षक केन्द्र बन रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रॉकेट का काउंटडाउन लाखों-लाख बच्चों को प्रेरित करता है। हर घर में कागज के हवाई जहाज उड़ाने वाला जो एरोनॉटिकल इंजीनियर है, बड़ा होकर आप जैसा इंजीनियर बनना चाहता है, वैज्ञानिक बनना चाहता है।

हिमाचल में मानसून का कहर जारी, 149 सड़कें बंद; अब तक 224 लोगों की मौत

एजेंसी। शिमला

- भारी बारिश से सड़क, बिजली और पेयजल व्यवस्था प्रभावित
- मानसून सीजन में 1,121 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान

हिमाचल प्रदेश में मानसून का कहर लगातार जारी है। प्रदेश के कई हिस्सों में हो रही भारी बारिश के चलते जनजीवन प्रभावित हुआ है। भूस्खलन, सड़क धंसने और बारिश से हुए नुकसान के कारण यातायात व्यवस्था पर असर पड़ा है, जबकि बिजली और पेयजल सेवाएं भी बाधित हुई हैं। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र की 23 अगस्त सुबह 10 बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 149 सड़कें बंद हैं। इसके अलावा 60 बिजली वितरण ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं और 35 पेयजल योजनाएं बाधित हैं। सबसे अधिक असर मंडी जिले में देखने को मिल रहा है, जहां 86 सड़कें बंद हैं। कुल्लू में 31, शिमला में 10, चंबा और कांगड़ा में आठ-आठ, ऊना में चार तथा बिलासपुर और लाहौल-स्पीति में एक-एक सड़क बंद होने की जानकारी दी गई है। किन्नौर, सिरमौर और सोलन जिलों में फिलहाल किसी सड़क के बंद होने की सूचना नहीं है। भारी बारिश का असर बिजली आपूर्ति पर भी पड़ा है। मंडी जिले में 25 और चंबा में 20 बिजली वितरण ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा शिमला में 11, कांगड़ा में तीन और कुल्लू में एक ट्रांसफार्मर बाधित है। पेयजल योजनाओं की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। हमीरपुर में सबसे अधिक 30 पेयजल योजनाएं प्रभावित हैं। शिमला की चार और कांगड़ा की एक योजना भी बाधित होने की जानकारी सामने आई है। प्रशासन प्रभावित सेवाओं को जल्द बहाल करने के प्रयास में जुटा है।

1,121 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान : मानसून की मार से हिमाचल प्रदेश को अब तक करीब 1,121.30 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। निजी और सार्वजनिक संपत्तियों के साथ मकानों, दुकानों, गौशालाओं और अन्य ढांचों को भी भारी क्षति पहुंची है। रिपोर्ट में 441 पशुओं की मौत दर्ज की गई है।

मानसून सीजन में अब तक 224 लोगों की मौत

राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र की 30 जून से 22 अगस्त तक की संचयी रिपोर्ट के अनुसार, इस मानसून सीजन में प्रदेश में अब तक 224 लोगों की मौत हो चुकी है। इस दौरान 330 लोग घायल हुए हैं, जबकि एक व्यक्ति अभी भी लापता बताया गया है। कुल मौतों में 91 लोगों की जान प्राकृतिक आपदा और उससे जुड़ी घटनाओं में गई है, जबकि 133 लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। आपदा से संबंधित घटनाओं में भूस्खलन, बाढ़, डूबने, पत्थर गिरने और अन्य हादसे शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-एनसीआर में तेज हवा के साथ बरसा पानी, 25 राज्यों को चेतावनी

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों के कुछ हिस्सों में मानसून फिर पूरी रफ्तार से सक्रिय है। इससे मैदानी इलाकों से लेकर पहाड़ी राज्यों तक मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में आज सुबह लगभग साढ़े चार बजे से बारिश हो रही है। बारिश के साथ तेज हवा भी चल रही हैं। भारत मौसम एवं विज्ञान विभाग ने आज दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर और मध्य भारत के कई राज्यों में भारी बारिश का ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश के नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा के गुरुग्राम और फरीदाबाद में आसमान में बादलों का डेरा है। विभाग ने कहा कि इन स्थानों पर ठंडी हवाओं के साथ दिनभर जोरदार बारिश होने की पूरी संभावना है। इससे तापमान में भारी गिरावट आएगी और लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिलेगी। मौसम एवं विज्ञान विभाग के अनुसार, आज देश के 25 राज्य उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, गुजरात, महाराष्ट्र, असम, त्रिपुरा, मेघालय, सिक्किम और नागालैंड में भारी बारिश-आंधी आने का पूर्वानुमान है।

दिल्ली में स्वाइन फ्लू का बढ़ता कहर, H1N1 के 1,777 से ज्यादा मामले; सरकार ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में H1N1 यानी स्वाइन फ्लू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

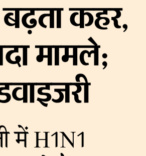

इसको लेकर दिल्ली सरकार ने स्वास्थ्य एडवाइजरी जारी कर लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। सरकार ने लोगों को सांस संबंधी स्वच्छता का पालन करने, भीड़भाड़ वाली जगहों से बचने और फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देने पर समय पर डॉक्टर से सलाह लेने की सलाह दी है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार तक इस साल दिल्ली में इन्फ्लुएंजा के कुल 2,602 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें 2,392 मामले इन्फ्लुएंजा-ए और 210 मामले इन्फ्लुएंजा-बी के हैं। इन्फ्लुएंजा-ए के मामलों में H1N1 के 1,777 से अधिक मामले शामिल हैं। अकेले गुरुवार को H1N1 के 114 मामले सामने आए, जिससे संक्रमण की बढ़ती रफ्तार का अंदाजा लगाया जा सकता है। दिल्ली सरकार की एडवाइजरी में लोगों को खांसते या छींकते समय मुंह और नाक ढकने तथा साबुन और पानी से बार-बार हाथ धोने की सलाह दी गई है। भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनने और सांस संबंधी बीमारी से पीड़ित लोगों के नजदीकी संपर्क से बचने को कहा गया है। इसके अलावा आंखों और नाक को बार-बार छूने से बचने, सार्वजनिक स्थानों पर न थूकने और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लेने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि बुखार, खांसी, गले में खराश, सांस लेने में परेशानी, शरीर में दर्द या सिरदर्द जैसे लक्षण दिखाई देने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

हाफिज सईद पर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी, भारत ने भेजा कोर्ट का समन

नई दिल्ली। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद पर कानूनी शिकंजा और कसने की तैयारी है। पाकिस्तान में बैठे हाफिज सईद को अब विदेश मंत्रालय के जरिए कोर्ट का समन भेजा जाएगा। जम्मू की एनआईए कोर्ट पहले ही उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर चुकी है। अगर वह कोर्ट में पेश नहीं होता है, तो उसकी गैरमौजूदगी में भी मुकदमा आगे बढ़ाया जा सकता है यानी पाकिस्तान में बैठकर भारतीय अदालत की कार्रवाई से बचना हाफिज सईद के लिए अब आसान नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पहलगाम आतंकी हमले के मामले में एनआईए ने हाफिज सईद को आरोपी बनाया है। उसके खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल किया है। अब कोर्ट की ओर से

उसे ट्रायल में शामिल होने के लिए समन भेजने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। चूंकि हाफिज सईद पाकिस्तान में है, इसलिए यह समन विदेश मंत्रालय के जरिए पाकिस्तान भेजे जाने की तैयारी चल रही है। हाफिज सईद के खिलाफ जम्मू की एनआईए अदालत पहले ही गैर-जमानती वारंट जारी कर चुकी है। इसी बीच पाकिस्तान के प्लानिंग मिनिस्टर अहसान इकबाल ने भारत के खिलाफ पानी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने भारत द्वारा सिंधु जल संधि को एबेयंस में रखने के फैसले पर चिंता जताते हुए कहा कि पाकिस्तान के सामने पानी को हथियार बनाए जाने का खतरा है। इकबाल का कहना है कि भारत भौगोलिक रूप से ऐसी स्थिति में है जहां से पाकिस्तान की ओर जाने वाली कई नदियां निकलती हैं।

रिपोर्ट में दावा- भारत की पेलोड लॉन्च लागत दुनिया की अंतरिक्ष शक्तियों में सबसे महंगी

एजेंसी। नई दिल्ली

कैम्ब्रिज और ट्यूरिन यूनिवर्सिटी के नए अध्ययन ने भारतीय अंतरिक्ष प्रतिष्ठान पर सवाल खड़े किए हैं। एक शोध के मुताबिक भारत की प्रति किलोग्राम पेलोड लॉन्च लागत दुनिया की प्रमुख अंतरिक्ष शक्तियों में सबसे अधिक ज्यादा है, जो अमेरिका की तुलना में करीब चार गुना ज्यादा है। हालांकि, इसरो के अध्यक्ष डॉ वी नारायणन ने रिसर्च के आंकड़ों को गलत बताते हुए इस रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्री की स्टडी के मुताबिक भारत के रॉकेट लॉन्चिंग प्रमुख अंतरिक्ष शक्तियों में सबसे महंगे हैं। जहां 2025 में वैश्विक औसत लॉन्च लागत 3,868 डॉलर प्रति किलोग्राम थी, वहीं अमेरिका में यह औसत 3,225 डॉलर प्रति किलोग्राम, जापान में 5,287 डॉलर, चीन में 5,809 डॉलर, रूस में 6,682 डॉलर और यूरोप में 9,897 डॉलर थी। इसमें भारत 13,302 डॉलर प्रति किलोग्राम के साथ सूची में सबसे ऊपर था। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्री और इटली के पॉलिटेक्निको के एक नए अध्ययन ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम से जुड़ी प्रचलित मान्यताओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस शोध में 1960 से 2025 के बीच हुए 6,740 से ज्यादा रॉकेट प्रक्षेपणों के डेटा का विश्लेषण किया गया है। शोधकर्ताओं का तर्क है कि जब कक्षा में पहुंचाए गए प्रति किलोग्राम की लागत के नजरिए से प्रक्षेपण अर्थशास्त्र की जांच की जाती है, तो भारत प्रमुख प्रक्षेपण प्रदाताओं में सबसे सस्ता नहीं बल्कि सबसे महंगा बनकर उभरता है। शोध पत्र में कहा गया है कि भारत के लिए यह बहुत ज्यादा आंकड़ा विरोधाभासी लग सकता है क्योंकि यह देश के मितव्ययी अंतरिक्ष कार्यक्रम की धारणा के बिल्कुल अलग है। इसरो के अध्यक्ष डॉ वी नारायणन ने इस शोधपत्र के निष्कर्षों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि रिसर्च में गलत आकड़े पेश किए गए हैं। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि कौन से विशिष्ट डेटासेट, मान्यताएं या गणनाएं गलत थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ एस सोमनाथ ने भी कैम्ब्रिज अध्ययन के निष्कर्षों को खारिज किया।

इसरो अध्यक्ष नारायणन ने रिसर्च के आंकड़ों को बताया गलत, दावे को किया खारिज

संवैधानिक व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिशः मायावती

राहुल गांधी और कांग्रेस पर भी साधा निशाना

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर आरक्षण के खिलाफ हुए प्रदर्शन और आर्थिक आधार पर आरक्षण को लेकर उठी मांग पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए संविधान में दिए गए

आरक्षण के खिलाफ किसी भी तरह की मुहिम देशहित में नहीं है। ऐसे कदम समतामूलक समाज की स्थापना और संवैधानिक व्यवस्था को कमजोर कर सकते हैं। मायावती ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले लोगों की मांग को खारिज करते हुए कहा कि एससी, एसटी और ओबीसी समाज को मिले संवैधानिक आरक्षण के विरुद्ध आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने की नई मांग उचित नहीं है। उन्होंने लोगों से आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दे पर ऐसे कदम न उठाने की अपील की, जिससे सामाजिक समानता और सम्मानजनक राष्ट्र निर्माण के संवैधानिक उद्देश्यों को नुकसान पहुंचे।

ओडिशा तट के पास बंगाल की खाड़ी में पनामा झंडे वाला मालवाहक जहाज डूबा, 24 क्रू मेंबर थे सवार

नई दिल्ली। ओडिशा के पारादीप तट से करीब 240 नॉटिकल मील (444 किलोमीटर) दूर बंगाल की खाड़ी में शनिवार को पनामा झंडे वाला मालवाहक जहाज एमवी ओशन विनर डूब गया। जहाज पर 24 क्रू सदस्य सवार थे, जिनमें 20 चीनी नागरिक, म्यांमार के तीन नागरिक और बांग्लादेश का एक नागरिक शामिल था। भारतीय तटरक्षक बल ने अब तक दो लोगों को सुरक्षित बचा लिया है, जबकि बाकी की तलाश जारी है। जहाज पारादीप पोर्ट से 1700 टन लौह अयस्क लेकर सिंगापुर जा रहा था। 20 अगस्त की रात जहाज रवाना हुआ था और समुद्र में आगे बढ़ते समय उसका संपर्क टूट गया। इसके बाद भारतीय तटरक्षक बल और नौसेना ने संयुक्त खोज और बचाव अभियान शुरू किया। श्री

विजयपुरम (पूर्व में पोर्ट ब्लेयर) से दो जहाज रवाना किए गए हैं। आसपास मौजूद अन्य जहाजों को भी अलर्ट किया गया है। केंद्रीय पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने एक्स पर लिखा कि इस घटना से वे काफी चिंतित हैं। सभी एजेंसियां मिलकर बचाव अभियान चला रही हैं। दो लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है और उन्हें चिकित्सकीय देखभाल दी जा रही है। पारादीप पोर्ट अथॉरिटी के डिप्टी कंजरवेटर कैप्टन अलेखा चरण साहू ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वह जहाज पर सवार सभी लोगों की सलामती की उम्मीद कर रहे हैं।

भाजपा की राष्ट्रीय संगठनात्मक बैठक में संगठन विस्तार और जनसेवा पर जोर

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नई राष्ट्रीय टीम की पहली बड़ी संगठनात्मक बैठक के दूसरे दिन भी रविवार को चुनावी राज्यों की तैयारियों, संगठनात्मक मजबूती, बूथ स्तर तक पार्टी के विस्तार और देश भर आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई। पार्टी मुख्यालय में रविवार को आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने की। बैठक में महामंत्री बी एल संतोष, तरुण चुग, विनोद तावड़े, स्मृति ईरानी, सहित कई पदाधिकारियों के साथ राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी भी मौजूद

रहे। बैठक में बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी और प्रदेश संगठन महामंत्री भीखूभाई दलसानिया ने भी सहभागिता की। सूत्रों के मुताबिक बैठक में वरिष्ठ नेताओं ने संगठनात्मक गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर मंथन किया। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा संगठन राष्ट्रसेवा, जनसंपर्क और संगठन विस्तार के अपने अभियान को और अधिक गति देगा। पार्टी नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका को संगठन की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए उसे और सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ाने तथा जनसेवा के संकल्प को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने के विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

2027 में दुनिया के फूड सिस्टम सप्लाई को लग सकता है झटका, भारत में भी चुनौती

एजेंसी। नई दिल्ली

जियोपॉलिटिकल तनाव, फर्टिलाइज़र की कमी और तेजी से बढ़ते क्लाइमेट जोखिम एक साथ सामने आ रहे हैं तो 2027 में दुनिया के फूड सिस्टम को सप्लाई से जुड़े एक नए झटके का सामना करना पड़ सकता है। जेपी मॉर्गन ने हाल ही में चेतावनी दी है कि 2027 की पहली छमाही में ग्लोबल फूड महंगाई दर बढ़कर करीब 5फीसदी हो सकती है, जबकि 2026 की पहली छमाही में यह 2.8फीसदी थी। ऐसा खेती की बढ़ती लागत और संभावित रूप से घटती फसल पैदावार के कारण हो सकता है। यह चेतावनी इस बात को लेकर नहीं है कि दुनिया में अचानक खाने की चीजें खत्म हो जाएंगी। बल्कि यह एक ऐसी मुश्किल स्थिति की ओर इशारा करती है, जिसमें

पहली छमाही में ग्लोबल फूड महंगाई दर बढ़कर हो सकती है करीब 5 फीसद

किसानों को खेती के लिए जरूरी इनपुट महंगे दामों पर मिल सकते हैं और उनकी सप्लाई भी कम भरोसेमंद हो सकती है। इसी दौरान खराब मौसम और जलवायु परिवर्तन के कारण फसल की पैदावार पर भी दबाव बढ़ सकता है। इन सभी परिस्थितियों का असर खाद्य कीमतों पर पड़ सकता है, खासकर उन उभरती अर्थव्यवस्थाओं में जहां परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा खाने-पीने की चीजों पर खर्च करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खाद ऊर्जा बाजार और खाद्य बाजार के बीच सबसे अहम कड़ियों में से एक है। जेपी मॉर्गन के मुताबिक मध्य पूर्व दुनिया के यूरिया निर्यात का करीब 42फीसदी और अमोनिया निर्यात का लगभग 27फीसदी हिस्सा रखता है। इस वजह से यह क्षेत्र नाइट्रोजन आधारित खाद के लिए एक अहम वैश्विक स्रोत है। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास किसी भी तरह की रुकावट इन सप्लाई चेन के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक गैस की ऊंची कीमतें भी दबाव बढ़ा सकती हैं, क्योंकि प्राकृतिक गैस सिंथेटिक नाइट्रोजन खाद के उत्पादन में इस्तेमाल होने वाला एक प्रमुख कच्चा माल है।

बांग्लादेश में हिंदू परिवार के चार सदस्य संदिग्ध हालात में मृत पाए गए, हत्या का आरोप

ढाका (बांग्लादेश)। बांग्लादेश में एक हिंदू परिवार के चार सदस्य संदिग्ध हालात में मृत पाए गए हैं। पति, पत्नी, पुत्री और पुत्र के शव रंगपुर शहर के कमलकाशना मसुआ पारा मोहल्ले में एक घर से मिले हैं। पुलिस ने मामले की व्यापक जांच शुरू कर दी है। ढाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार रंगपुर मेट्रोपॉलिटन कोतवाली प्रभारी नजमुल कादर ने इसकी पुष्टि की कि रंगपुर शहर के दासपारा (मछुआपारा) इलाके में शनिवार रात करीब 11:30 बजे बंद घर से रंगपुर जिला स्कूल के पूर्व शिक्षक गणपति चक्रवर्ती (65), उनकी पत्नी प्रीति लता चक्रवर्ती (50), उनकी बेटी आगामी चक्रवर्ती प्रार्थि (23) और उनके बेटे प्रियम चक्रवर्ती (12) के शव संदिग्ध हालात में मिले।

एक देश, एक चुनाव' पर बड़ा अपडेट
2034 की जगह 2029 में ही लागू करने का खाका, राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मंथन शुरू

नई दिल्ली। देशभर में लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने की दिशा में केंद्र सरकार ने अपनी कवायद तेज कर दी है। 'एक देश, एक चुनाव' के मसौदे पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति ने अब सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से परामर्श की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, सरकार इस ऐतिहासिक बदलाव को लागू करने के लिए तय की गई 2034 की समयसीमा को घटाकर 2029 करने की योजना बना रही है। यदि इस प्रस्ताव पर अंतिम मुहर लगती है, तो अगला लोकसभा चुनाव पूरी तरह नए स्वरूप में होगा और देश भर की विधानसभाओं को

एक साथ भंग किया जा सकता है।

समयसीमा घटाने और नए समीकरणों पर मंथन : शुरुआती तौर पर वर्ष 2024 में बनी समिति का लक्ष्य 2034 तक एक साथ चुनाव कराने की रणनीति तैयार करना था, लेकिन अब सरकार इसे ज्यादा लंबा नहीं खींचना चाहती। वर्तमान में देश के 22 राज्यों में एनडीए की सरकार है, जिनमें से 11 राज्यों में अगले दो सालों के भीतर चुनाव प्रस्तावित हैं।

संक्षिप्त समाचार

बिहार के चहुंमुखी विकास को सरकार कृतसंकल्पितः- मंत्री श्रवण कुमार

बिहार शरीफ।बिहारशरीफ नगरनिगम के वार्ड नं 49 राणाबिगहा में मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना से नवनिर्मित प्रेम पुस्तकालय दोहरीकरण कार्य का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक सह बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार सांसद कौशलेंद्र कुमार के द्वारा किया गया।इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार में नीतीश मांडल को आगे बढ़ाने का काम हमारी सरकार कर रही है।हमारे नेता बिहार सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जो बिहार की जनता से वादा किया वो पूरा ही नहीं उससे ज्यादा काम बिहार में करके दिखाया आजादी के बाद बिहार के विकास का सपना हमारें महापुरुषों स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था उसे पूरा करने का नाम किया है अब बिहारी कहलाना गौरव और सम्मान की बात है ये परिवर्तन हमारी सरकार ने किया है। नीतीश कुमार ने अपने कार्यो से हर बिहारवासी के मन में विश्वास का संचार किया है।सड़क, सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण की दिशा में उनके उल्लेखनीय कार्यों ने बिहार को एक नई पहचान दी है।जनता का असीम स्नेह प्यार और आशीर्वाद ही उनके सामाजिक जीवन की सबसे बड़ी पूंजी रही है।उनके समर्पण, निष्ठा और निरंतर कार्य करते रहने के कारण आज जनता उन्हें प्यार से 'सुशासन बाबू', 'बिहार के आर्किटेक्ट' और 'विकास पुरुष' कहती है। लोगों का यही प्यार और यही विश्वास नीतीश को विशिष्ट बनाता है बिहार की महिलाएँ, जिन्हें घर से बाहर जाने से पहले सोचना पड़ता था, आज वे निर्भीक होकर कहीं भी आ-जा सकती हैं।महिला सशक्तिकरण को साकार करते हुए उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए हैं एक महिला के सशक्त होने से एक परिवार आगे बढ़ा और परिवारों के आगे बढ़ने से पूरा बिहार आगे बढ़ रहा है। निशांत कुमार एक जनसेवक के रूप में निरंतर बिहारवासियों की सेवा कर रहे हैं।स्वास्थ्य विभाग को जवाबदेह बनाने की दिशा में उनके कार्यों की आज चहुँओर सराहना हो रही है।वही नीतीश मांडल को आगे बढ़ाने का काम मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार कर रही है।इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष धनंजय प्र कुशवाहा जिला प्रवक्ता डॉ धनंजय कुमार देव संजय कुशवाहा मुन्ना मांझी रामजन्म रविदास इंदू चौहान संजय राम उजाला प्र गुलशन कुशवाहा मुन्ना पासवान शिवचरण कुशवाहा संजय प्र प्रदीप मुखिया निरंजना गुप्ता इंदू देवी नीरज कुमार रंजीत सिंह बिट्टू कुशवाहा युगल किशोर मुखिया सकलदीप प्र धर्मेंद्र महतो शिवनंदन मिस्त्री डा सुधीर शर्मा रविशंकर कुमार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चारा घोटाले में जेल जाने के डर से लालू प्रसाद ने फरक्का समझौते पर चढ़ा दी बिहार के हितों की बलि : जदयू

पटना।जदयू विधान पार्षद सह मुख्य प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार एवं प्रदेश प्रवक्ता पूजा पैट्रिक ने संयुक्त रुप से प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लालू प्रसाद यादव पर पारिवारिक हितों का पक्षधर होने का आरोप लगाते हुए फरक्का जल समझौते पर बिहार के हितों की बलि चढ़ाने का आरोप लगाया।लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि 12 दिसंबर 1996 को हुई इस संधि के दौरान वो केंद्र की संयुक्त मोर्चा सरकार में प्रभावशाली भूमिका में थे और उसी दौरान वो बिहार के मुख्यमंत्री भी थे। साथ ही उस सरकार में तत्कालीन विदेश मंत्री आई के गुजराल से भी उनके अच्छे संबंध थे इसके बावजूद भारत और बांग्लादेश के बीच हुई इस जल संधि के विरोध में उन्होंने कोई आवाज नहीं उठाई। लालू प्रसाद से सवाल पूछते हुए उन्होंने कहा कि यह संधि 12 दिसंबर 1996 को हुई थी लेकिन इसके पहले ही वो चारा घोटाले में अभियुक्त करार दिए गए थे। उन्होंने कहा कि जेल जाने के डर से उन्होंने बिहार के हितों की बलि चढ़ाने का काम किया। जबकि माननीय श्री नीतीश कुमार जी ने हमेशा इस संधि का विरोध किया और उन्होंने पुरजोर तरीके से गंगा नदी में गाद के मसले को उठाया। माननीय श्री नीतीश कुमार ने हमेशा जल प्रबंधन एवं उससे जुड़ी समस्याओं को मजबूती से उठाने का काम किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि फरक्का बराज पर नए सिरे से विचार होना चाहिए। जिस वीडियो का जिक्र कर लालू प्रसाद ये दावा कर रहे है कि उन्होंने गंगा जल संधि पर कड़ा विरोध किया था दरअसल वो वीडियो 19 दिसंबर 2011 का है जब वो केंद्र की यूपीए सरकार से बाहर थे। ये साफ दशार्ता है कि जब सत्ता की मलाई खा रहे थे तो उस दौरान उन्होंने बिहार के हित से समझौता होने दिया और जब सत्ता से बाहर हो गए तब इस संधि का विरोध करने लगे। आखिर ये कैसी अवसरवादिता है? उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय चौधरी ने केंद्रीय वित्त मंत्री एवं विदेश मंत्री से मुलाकात की है और बिहार की चिंताओं से उन्हें अवगत कराया है। साथ ही ये मांग की है कि बिहार के हितों को प्राथमिकता दी जाए साथ ही निर्णय लेने की प्रक्रिया में बिहार को शामिल किया जाए।

गंभीर रूप से अस्वस्थ डॉ आलोक कुमार से मिलने पहुंचे नीतीश कुमार

पटना। पटना के कंकड़बाग स्थित उनके निजी आवास पर गंभीर रूप से अस्वस्थ प्रसिद्ध दंत चिकित्सक डॉ आलोक कुमार से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार ने आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने डॉ आलोक कुमार के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। नीतीश कुमार ने परिजनों एवं चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य की स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा बेहतर उपचार और आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था को लेकर भी चर्चा की! उन्होंने डॉ आलोक कुमार के शीघ्र स्वस्थ होकर सामान्य जीवन में लौटने की ईश्वर से प्रार्थना की एवं कहा की आप जल्द से जल्द स्वस्थ होकर अपने पारिवारिक एवं सामाजिक दायित्व का निर्वहन करे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह एवं विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता सह पार्टी कोषाध्यक्ष श्री ललन कुमार सर्राफ भी मौजूद रहे।

रामफल मंडल की शहादत दिवस समारोह में शामिल होकर नीतीश कुमार ने श्रद्धांजलि अर्पित की

पटना। भारत छोड़ो आंदोलन, 1942 के महान स्वतंत्रता सेनानी एवं अमर शहीद रामफल मंडल की पुण्य स्मृति में आयोजित भव्य शहादत दिवस समारोह में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार शामिल हुए। इस अवसर पर नीतीश कुमार ने अमर शहीद रामफल मंडल के तैल्यचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके अदम्य साहस, त्याग एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण को नमन किया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों का बलिदान हमारी अमूल्य राष्ट्रीय विरासत है। रामफल मंडल जी जैसे अमर बलिदानियों की गौरवगाथा सदैव देशवासियों को राष्ट्रसेवा और देशभक्ति के लिए प्रेरित करती रहेगी। कार्यक्रम का आयोजन अमर शहीद रामफल मंडल विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ई शैलेन्द्र कुमार एवं मंत्री शीला मंडल द्वारा किया गया। समारोह में मुख्य रूप से मंत्री श्रवण कुमार, बिहार विधान परिषद् में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता सह पार्टी कोषाध्यक्ष ललन कुमार सर्राफ एवं मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह गांधीजी, विधान पार्षद संजय सिंह सहित पूर्व विधान पार्षद भूमिपाल राय एवं पार्टी नेता पंकज पटेल सहित सैकड़ो लोग उपस्थित हुये।

अमर शहीद रामफल मंडल की स्मृति में डाक टिकट जारी

पटना। सीतामढ़ी की पवित्र धरती पर अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष करते हुए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीद रामफल मंडल की स्मृति एवं उनके अमर बलिदान को सम्मान देने के उद्देश्य से भारत सरकार के संचार मंत्रालय, डाक विभाग द्वारा उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गंगा प्रसाद पूर्व राज्यपाल, सिक्किम थे। इस सभा की अध्यक्षता उपेंद्र कुशवाहा, सांसद राज्यसभा द्वारा की गई ' समारोह में शीला मंडल, मंत्री, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग दीपक प्रकाश मंत्री पंचायती राज बिहार सरकार,शशि शालिनी कुजुर, मुख्य डाक महाध्यक्ष, बिहार रामेश्वर कुमार महतो, विधायक, बाजपट्टी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

पंडित राजकुमार शुक्ल की जयंती पर राजकीय समारोह का होगा आयोजन : मुख्यमंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज चंपारण सत्याग्रह के सूत्रधार पंडित राजकुमार शुक्ल जी की 151वीं जयंती के अवसर पर बिहार विधान परिषद के एनेक्सी सभागार में आयोजित समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया। समारोह का आयोजन पंडित राजकुमार शुक्ल स्मृति संस्थान द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्मारिका 'शुक्ल शौर्य' का लोकार्पण किया। कला एवं संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कल्पना पटवारी को 'पंडित राजकुमार शुक्ल कला शिखर सम्मान' से सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित राजकुमार शुक्ल जी की जयंती के अवसर पर राजकीय समारोह का आयोजन किया जाएगा। पंडित राजकुमार शुक्ल के योगदान और चंपारण सत्याग्रह के ऐतिहासिक महत्व से नई पीढ़ी को अवगत कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंडित राजकुमार शुक्ल के अथक प्रयासों से मोहनदास करमचंद गांधी बिहार की चंपारण की धरती पर आए और किसानों को अंग्रेजों के अत्याचार से मुक्ति दिलाने के लिए ऐतिहासिक सत्याग्रह का नेतृत्व किया। चंपारण सत्याग्रह ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष राज्य में सामान्य से लगभग 30 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। राज्य सरकार ने किसानों के हित में कृषि कार्य के लिए सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी एवं पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी के सपनों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि 'सहयोग कार्यक्रम' सुशासन का प्रतीक है। इस कार्यक्रम के माध्यम से अब तक 6 लाख 42 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 96 प्रतिशत आवेदनों का निष्पादन किया जा चुका है।

नेशनल स्पेस डेः 'मेड इन इंडिया' चिप्स भारत के स्पेस मिशन को ताकत दे रहे हैं

नई सोच एक्सप्रेस

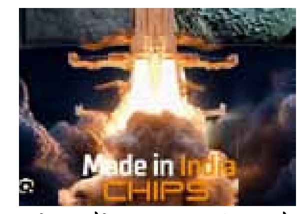

पटना।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा ने नई गति पकड़ी है। महत्वपूर्ण और एडवांस्ड तकनीकों में स्वदेशी क्षमताएं 'आत्मनिर्भर भारत' के विज़न को मजबूत कर रही हैं, जिसमें भारत का स्पेस सेक्टर भी शामिल है। सेमीकंडक्टर लेबोरेटरी (SCL), मोहाली सैटेलाइट और लॉन्च व्हीकल के लिए फ्लाइट-ग्रेड चिप्स बनाती है, जिन्हें स्पेस की कठिन परिस्थितियों का सामना करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। Mइनमें रेडिएशन-हार्डन्ड चिप्स, प्रेशर, एक्सेलरेशन, तापमान और एकॉस्टिक सेंसर, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल CCD/CMOS इमेजर और कस्टम ASIC शामिल हैं। चंद्रयान-3 के लैंडर में भारत में बना कैमरा चिप लगा था, जिसे SCL मोहाली ने विकसित किया था; इसने लैंडर के इमेजिंग सिस्टम को सपोर्ट किया।MSCL के विक्रम प्रोसेसर का इस्तेमाल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल और रॉकेट में किया जाता है। आदित्य-L1, जो सूर्य के अध्ययन के लिए भारत का मिशन है, में SCL द्वारा विकसित रेडिएशन-हार्डन्ड ADC चिप्स का इस्तेमाल किया गया है। चंद्रमा से लेकर सूर्य तक, स्वदेशी सेमीकंडक्टर तकनीकें भारत के स्पेस मिशन को सपोर्ट कर रही हैं। महत्वपूर्ण स्पेस-ग्रेड सेमीकंडक्टर तकनीकों को विकसित करने की भारत की बढ़ती क्षमता स्पेस सेक्टर में तकनीकी आत्मनिर्भरता को मजबूत कर रही है। जैसे-जैसे भारत और अधिक महत्वाकांक्षी मिशनों पर काम कर रहा है, 'मेड इन इंडिया' चिप्स देश की अंतरिक्ष यात्रा को आगे बढ़ाने में और भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

तीन माह में माटी कला बोर्ड का गठन किया जायेगा, प्रजापति समाज को आगे बढ़ाने तथा न्याय दिलाने के लिये हम खड़े हैं : मुख्यमंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में बिहार कुम्हार (प्रजापति) समन्वय समिति द्वारा आयोजित अमर शहीद रामचन्द्र विद्यार्थी जी का शहादत दिवस तथा नवनिर्वाचित विधान पार्षदों के अभिनंदन समारोह का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने अमर शहीद रामचन्द्र विद्यार्थी जी के चित्र पर पष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार कुम्हार (प्रजापति) समन्वय समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में आप सभी का अभिनंदन करता हूं। इस अवसर पर अमर शहीद रामचन्द्र विद्यार्थी जी के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। 13 वर्ष की आयु में अमर शहीद रामचन्द्र विद्यार्थी जी ने देश की आजादी के लिये अपने प्राणों की आहूति दी। अमर शहीद रामचंद्र विद्यार्थी जी का जीवन और उनका बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। पंडित राजकुमार शुक्ल जी और अमर शहीद रामफल मंडल जी को भी श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन करता हूं मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रजापति समाज कैसे आगे बढ़े, इसकी चिंता हमलोग कर रहे हैं। प्रजापति समाज वह समाज है जो साधारण मिट्टी को भी गढ़कर मूर्ति का रूप देता है। कुम्हार (प्रजापति) समाज ने अपनी कला, श्रम और हुनर के माध्यम से सदियों से हमारी संस्कृति और परंपरा को समृद्ध किया है। बिहार को सजाने संवारने तथा विकास की नई रूपरेखा तैयार कर आगे बढ़ाने के लिये हम सबको मिलकर काम करना होगा। इस प्रजापति समाज से हमारी दो बहनें शीला पंडित और शिवरानी प्रजापति को विधान पार्षद के रूप में जिम्मेवारी मिली है। हमारा इनसे आग्रह है कि आप लोगों के बीच जाकर इस समाज के विकास और न्याय के लिये जो भी बन पड़े, वह करें। जहां जरूरत होगी, इस समाज को आगे बढ़ाने तथा न्याय दिलाने के लिये हम खड़े हैं।

'अमर शहीद'' रामफल मंडल जी के शहादत दिवस समारोह में नीतीश कुमार ने श्रद्धांजलि अर्पित की

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भारत छोड़ो आंदोलन, 1942 के महान स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद रामफल मंडल जी की पुण्य स्मृति में आयोजित भव्य शहादत दिवस समारोह में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार शामिल हुए। इस अवसर पर नीतीश कुमार ने अमर शहीद रामफल मंडल जी के तैल्यचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके अदम्य साहस, त्याग एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण को नमन किया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों का बलिदान हमारी अमूल्य राष्ट्रीय विरासत है। रामफल मंडल जी जैसे अमर बलिदानियों की गौरवगाथा सदैव देशवासियों को राष्ट्रसेवा और देशभक्ति के लिए प्रेरित करती रहेगी। कार्यक्रम का आयोजन अमर शहीद रामफल मंडल विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ई शैलेन्द्र कुमार एवं मंत्री शीला मंडल ने किया। समारोह में मुख्य रूप से बिहार सरकार में मंत्री श्रवण कुमार, बिहार विधान परिषद् में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता सह पार्टी कोषाध्यक्ष ललन कुमार सर्राफ एवं मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह ''गांधी जी'', विधान पार्षद संजय सिंह सहित पूर्व विधान पार्षद भूमिपाल राय एवं पार्टी नेता पंकज पटेल सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

मेगा जॉब फेयर-2026 में 20,226 युवक-युवतियों को मिला रोजगार : मुख्यमंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

» कुशल युवा कार्यक्रम के तहत 12 लाख युवाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज युवा, रोजगार एवं कौशल विभाग द्वारा निजी क्षेत्र में बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज, इंश्योरेंस, रिटेल एवं अन्य संबद्ध क्षेत्रों में आयोजित मेगा जॉब फेयर-2026 के नियुक्ति पत्र वितरण एवं समापन समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। समारोह में मुख्यमंत्री ने नियोक्ताओं द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। साथ ही मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा इंटर्नशिप के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नियोक्ताओं को सम्मानित किया। उन्होंने चीन के शंघाई में आयोजित होने वाली विश्व कौशल प्रतियोगिता-2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले इंडिया स्किल विजेताओं को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मेगा जॉब फेयर-2026 से संबंधित कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री के समक्ष मेगा जॉब फेयर-2026 पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से बिहार मानसिक स्वास्थ्य एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान, भोजपुर में मानसिक रोग से स्वस्थ हुए व्यक्तियों के पुनर्वास हेतु प्रशिक्षण केंद्र तथा दिव्यांगजन एवं ट्रांसजेंडर समुदाय के व्यक्तियों के कौशल विकास एवं आजीविका संवर्द्धन हेतु प्रशिक्षण केंद्र तथा प्रस्थान पूर्व उन्मुखीकरण प्रशिक्षण केंद्र का भी शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मेगा जॉब फेयर में 115 से अधिक नियोक्ताओं की सहभागिता के माध्यम से 20,226 युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुये। इनमें 3,940 युवाओं को बिहार में ही रोजगार मिला, 36 दिव्यांगजनों को भी रोजगार के अवसर प्राप्त हुये तथा 476 युवा विदेशों में रोजगार के लिये चयनित किये गये। उन्होंने सभी चयनित युवाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रोजगार मिलने से उनके जीवन में बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि पहले बिहार में प्रदेश एवं प्रमंडल स्तर पर नियोजन मेले आयोजित किए जाते थे। अब सरकार ने निर्णय लिया है कि अगले वर्ष से बिहार के प्रत्येक जिले में नियोजन मेले की व्यवस्था की जाएगी। बिहार के युवा कौशलयुक्त होकर रोजगार प्राप्त कर रहे हैं, यह गौरव की बात है।

महँगाई से जनता परेशान, चीनी की कीमत 75 रुपये किलो पहुँची : भाकपा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में आम जनता महँगाई से परेशान हैं। खुदरा वस्तुओं की कीमत आसान छूने लगी है। चीनी, दाल, तेल, प्याज, सब्जी की कीमत में आग लगी हुई है। जमाखोरों की चांदी कट रही है और गरीबों की थाली से दाल सब्जी गायब हो गई है। चाय पीना भी मुश्किल हो गया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी केन्द्र सरकार और राज्य सरकार से महँगाई पर रोक लगाने और जमाखोरों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। भाकपा राज्य सचिव ने बयान जारी कर कहा कि 40 रुपये प्रतिकिलो। मिलने वाले चीनी 75 रुपये किलों मिल रही है। दाल 150 रुपये किलों, तेल 210 रुपये लीटर, रिफाइन 180 रुपये लीटर, प्याज 60 रुपये किलो मिल रहा है। कोई ऐसी उपभोक्ता वस्तु नहीं है, जिसकी कीमत नहीं बढ़ी है। लोगों की आमदनी नहीं बढ़ी है, लेकिन महँगाई आसमान छूने लगी है। केन्द्र की मोदी सरकार महँगाई कम करने के नाम पर सत्ता में आई थी, लेकिन मोदी सरकार में महँगाई कम होने के बजाय लगातार बढ़ती जा रही है। खाद्य वस्तुओं से लेकर निर्माण वस्तुओं की कीमत में भारी उछाल आया है। जनता महँगाई से त्रस्त है। प्रधानमंत्री को देश की गरीब जनता की नहीं, पूंजीपतियों की चिंता है। भाकपा के राज्य सचिव ने कहा कि बढ़ती महँगाई और केन्द्र की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने 01 सितंबर, 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में ह्यह्यबदलाव जरूरी हैह्लह्ल रैली आयोजित की है। उन्होंने राज्य के आम-अवाम से रैली में भाग लेने के अपील की है।

रामफल मंडल का सर्वोच्च बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत : निशांत

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।स्वतंत्रता सेनानी रामफल मंडल के शहादत दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने सीतामढ़ी के मधुरापुर गांव पहुंचकर अमर शहीद रामफल मंडल की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने अमर शहीद रामफल मंडल को श्रद्धापूर्वक नमन कर उनके अदम्य साहस, देशप्रेम और सर्वोच्च बलिदान को स्मरण किया। इस दौरान निशांत ने कहा कि अमर शहीद रामफल मंडल ने देश की आजादी के लिए अल्पायु में ही अपने प्राणों की आहुति दे दी। वर्ष 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूम लेने वाले रामफल मंडल का बलिदान हमें हमेशा याद दिलाता रहेगा कि आजादी की राह कितने त्याग और संघर्षों से होकर गुजरी है। उनका साहस, राष्ट्र के प्रति समर्पण और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान से नई पीढ़ी को अवगत कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। रामफल मंडल के आदर्शों से प्रेरणा लेकर हमें अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करते हुए विकसित बिहार और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देना है। इसके पश्चात स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने सीतामढ़ी के परिहार स्थित डा इंदल सिंह डिग्री कॉलेज परिसर में डा इंदल सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया तथा उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने डा इंदल सिंह के शिक्षा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में योगदान को स्मरण करते हुए उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त की। इस मौके पर मंत्री दामोदर रावत, मंत्री डा श्वेता गुप्ता, सांसद देवेशचंद्र ठाकुर, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विधायक बबलू मंडल,विधायक पंकज मिश्रा, विधायक हेमनारायण साह, विधायक शुभानन्द मुकेश, विधानपार्षद रेखा कुमारी, विधानपार्षद भारती मेहता, विधानपार्षद ललन प्रसाद, पूर्व मंत्री रंजू गीता, प्रदेश महासचिव चंदन कुमार सिंह, प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक झा सहित कई नेता मौजूद रहे। वहीं सीतामढ़ी के मधुरापुर जाने के क्रम में रविवार को बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत का विभिन्न स्थानों पर जनता दल यू के नेताओं, कार्यकतार्ओं एवं स्थानीय लोगों द्वारा गर्मजोशी के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। मुजफ्फरपुर के सदातपुर मोड़ पर जिला अध्यक्ष अनुपम कुमार, मेडिकल ओवरब्रिज मोड़ पर महानगर जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा तथा रुन्नीसैदपुर में स्थानीय विधायक पंकज कुमार मिश्रा की अगुवाई में पार्टी कार्यकतार्ओं ने स्वास्थ्य मंत्री का फूल-मालाओं एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया। इस दौरान सभी स्थानों पर पार्टी कार्यकतार्ओं में जबरदस्त उत्साह और उमंग देखने को मिला।

अमर शहीद रामफल मंडल का शहादत दिवस हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।अखिल भारतीय धानुक महासंघ के तत्वावधान में महासंघ के अध्यक्ष शंकर प्रसाद की अध्यक्षता में छोटी पहाड़ी चौक पर अमर शहीद रामफल मंडल का 83 वां शहादत दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत शहीद रामफल मंडल के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर अमर शहीद को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर महासंघ की ओर से सरकार से मांग की गई कि शाहिद रामफल मंडल की प्रतिमा छोटी पहाड़ी चौक पर लगाया जाए। उन्होंने बताया कि शाहिद रामफल मंडल की प्रतिमा छोटी पहाड़ी चौक पर लगाने के लिए परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने नगर विकास मंत्री को पत्र लिखकर किया था। साथ ही विधान पार्षद अजय कुमार ने निवेदन समिति के माध्यम से सभापति से किया था। इस अवसर पर अध्यक्ष शंकर प्रसाद ने कहा कि अमर शहीद रामफल मंडल का जन्म 6 अगस्त 1924 को सीतामढ़ी जिले के मधुरापुर, बाजपट्टी में हुआ था। मात्र 19 वर्ष 17 दिन की अल्पायु में 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों के विरोध में उन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। सीतामढ़ी गोलीकांड में निर्दोष बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की हत्या के विरोध में उन्होंने साहस का परिचय दिया था। जिसके बाद 23 अगस्त 1943 को अंग्रेजी सरकार द्वारा उन्हें भागलपुर सेंट्रल जेल में हंसते-हंसते फांसी पर चढ़ा दिया गया। उन्होंने कहा कि शहीद रामफल मंडल न केवल धानुक समाज बल्कि पूरे अतिपिछड़ा समाज के गौरव हैं। उनका बलिदान युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। सरकार को उनके बलिदान को पाठ्य पुस्तकों में शामिल करना चाहिए और उनके नाम पर सम्मान देना चाहिए। इस अवसर पर महासंघ के पदाधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकतार्ओं ने शहीद के सपनों को साकार करने तथा समाज में शिक्षा, एकता और जागरूकता अभियान को तेज करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सीमा पटेल, जलेश्वर महतो, वाल्मीकि महतो, देवेंद्र महतो, रविंद्र महतो, सूरज महतो, अमित कुमार, डॉक्टर पप्पू महतो, सन्नी कुमार,देवीलाल महतो सहित महासंघ के कार्यकर्ता, युवा, महिलाएं एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

गरीब की आवाज ही हमारी राजनीति का आधार, अंतिम पायदान के लोगों तक पहुंचेगा विकासः डॉ सुमन

पटना। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन के नेतृत्व में चल रही गरीब चौपाल यात्रा रविवार को मुंगेर पहुंची। इस दौरान डॉ. सुमन ने विभिन्न स्थानों पर महापुरुषों एवं स्वतंत्रता संग्राम के वीर सपूतों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा मुंगेर शहर के टाउन हॉल में आयोजित गरीब चौपाल कार्यक्रम में शामिल होकर आमजन से सीधा संवाद किया।डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि गरीब चौपाल यात्रा का उद्देश्य सत्ता और समाज के बीच की दूरी को कम करना तथा गरीब, वंचित, शोषित, किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं की समस्याओं को सीधे सुनना है। उन्होंने कहा कि गरीब चौपाल सिर्फ एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आम लोगों की आवाज को मजबूती देने का अभियान है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास की योजनाओं का लाभ पहुंचे, इसके लिए लगातार प्रयास किया जाएगा।मुंगेर पहुंचने के क्रम में डॉ. सुमन ने अम्बेडकर चौक पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल एवं बाबू वीर कुंवर सिंह की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीद रामफल मंडल की शहादत को नमन करते हुए उनके बलिदान को याद किया। डॉ. सुमन ने कहा कि देश की आजादी और समाज के सम्मान के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीरों का त्याग सदैव देशवासियों को प्रेरणा देता रहेगा। उनके आदर्शों पर चलकर ही मजबूत और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण किया जा सकता है।उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) गरीबों, वंचितों और समाज के कमजोर वर्गों के अधिकार एवं सम्मान के लिए लगातार आवाज उठाता रहा है। गरीब चौपाल यात्रा के माध्यम से पार्टी गांव-गांव और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझेगी और उन्हें उचित मंच तक पहुंचाने का काम करेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता परमानन्द मांझी ने की, जबकि संचालन मुकेश मांझी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. अनिल कुमार, प्रदेश अध्यक्ष; श्याम सुन्दर शरण, राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता; रोमित कुमार, विधायक अतरी; मुकेश मांझी, सदस्य महादलित आयोग सहित बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

बिहार की पाठ्य पुस्तकों में शामिल होगी पं. शुक्ल की जीवनी : शिक्षा मंत्री

» महात्मा गांधी की कहानी से पहले पं. राजकुमार शुक्ल के बारे में पढ़ें

पटना। बिहार की पाठ्य पुस्तकों में चंपारण सत्याग्रह के प्रणेता पंडित राजकुमार शुक्ल की जीवनी शामिल की जाएगी। यह घोषणा शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने रविवार को बिहार विधान परिषद् के एनेक्सी हॉल में आयोजित पं. शुक्ल की 151वीं जयंती समारोह में की।श्री तिवारी ने कहा कि पं. शुक्ल की जीवनी को पाठ्य पुस्तकों में शामिल करने की घोषणा बहुत पहले हो जानी चाहिए थी। नई पीढ़ी को पं. शुक्ल के योगदान और उनके संघर्ष से परिचित कराना जरूरी है। शिक्षा मंत्री ने अगले वर्ष से पं. शुक्ल की जयंती को राजकीय समारोह के रूप में मनाने की मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की घोषणा का स्वागत किया और इसके लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने ला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद चंद्रवंशी द्वारा पं. शुक्ल के नाम पर संग्रहालय बनाने की घोषणा पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। श्री तिवारी ने लोगों से आग्रह किया कि महात्मा गांधी के चंपारण आने की कहानी पढ़ने से पहले पं. राजकुमार शुक्ल के बारे में पढ़ें। पं. शुक्ल ही गांधी जी को चंपारण लेकर आए थे और चंपारण की धरती पर गांधी जी के आंदोलन ने उन्हें महात्मा के रूप में स्थापित किया। शिक्षा मंत्री ने समाज से एकजुटता का आह्वान करते हुए कहा कि हमें जातियों में बंटने के बजाय एकजुट रहना चाहिए। हम सब सनातनी हैं। एक रहेंगे, तभी सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने हर घर में रामचरितमानस रखने और उसके नियमित पाठ पर भी जोर दिया। साथ ही, 26 अगस्त को रविंद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में लोगों से शामिल होने का आग्रह किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री, विधान परिषद् के सभापति, शिक्षा मंत्री सहित अन्य अतिथियों ने शुक्ल शौर्य स्मारिका का विमोचन किया। लोक गायिका श्रीमती कल्पना पटवारी को ह्यपं. राजकुमार शुक्ल कला शिखर सम्मानह्न से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पंडित राजकुमार शुक्ल स्मृति संस्थान के तत्वावधान में किया गया। संस्थान के केंद्रीय अध्यक्ष श्री राजेश भट्ट ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरणीय क्षति पहुँचाने के सभी आरोपों से आर्ट ऑफ लिविंग को मुक्त किया

पटना। सर्वोच्च न्यायालय के एक महत्त्वपूर्ण एवं निर्णायक निर्णय के साथ आर्ट ऑफ लिविंग के प्रतिष्ठित 2016 वर्ल्ड कल्चर फेस्टिवल को लेकर लगभग एक दशक से चले आ रहे मीडिया ट्रायल और निराधार आरोपों का पटाक्षेप हो गया है। न्यायालय ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण के पूर्व निर्णय को निरस्त करते हुए उससे संबंधित सभी परिणामी अंतरिम कार्रवाइयों को भी समाप्त कर दिया है। निर्णय का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से माना कि अभिलेख पर उपलब्ध साक्ष्यों से यह सिद्ध होता है कि आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा आयोजित वर्ल्ड कल्चर फेस्टिवल से यमुना के बाढ़ क्षेत्र को किसी प्रकार की पर्यावरणीय क्षति नहीं हुई थी। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा जमा की गई ?5 करोड़ की राशि उसे पूर्णतः वापस की जानी चाहिए। इस राशि को अनुचित रूप से ह्यजुमार्नाह्न के रूप में प्रचारित किया गया था, जिसका उद्देश्य संस्था की प्रतिष्ठा को धूमिल करना था। 2016 का वर्ल्ड कल्चर फेस्टिवल एक ऐतिहासिक वैश्विक आयोजन था, जिसमें 155 से अधिक देशों की सहभागिता रही और लगभग 35 लाख लोग प्रत्यक्ष रूप से इसमें सम्मिलित हुए। इस विराट आयोजन की अध्यक्षता भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर. सी. लाहोटी ने की थी। संयुक्त राष्ट्र के छठे महासचिव दिवंगत डॉ. बुतरस बुतरस-घाली भी इस आयोजन के सह-अध्यक्ष बनने वाले थे, किंतु दुर्भाग्यवश आयोजन से एक माह पूर्व ही उनका निधन हो गया।सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के पश्चात आर्ट ऑफ लिविंग के आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि निहित स्वार्थों से प्रेरित कुछ लोगों द्वारा उस संस्था पर निराधार आरोप लगाने का यह दुर्भाग्यपूर्ण और हास्यास्पद प्रयास अब पूरी तरह उजागर हो गया है, जो स्वयं लंबे समय से पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के संवर्धन के लिए समर्पित भाव से कार्य करती आ रही है।

सावन महोत्सव में बच्चों ने की भव्य प्रस्तुति

पटना। संस्कार वैली स्कूल, बोधाचक, परसा में सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ मिथिलेश सिंह, कंचन कुमारी, दीपक प्रकाश अध्यक्ष, ओमप्रकाश निदेशक संस्कार वैली स्कूल के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना से हुई। उसके बाद बच्चों के द्वारा एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां दी एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने जमकर दर्शकों की तालियां बटोरी। इस मौके पर ओम प्रकाश, निदेशक अपने संबोधन में स्कूल के विद्यार्थियों को उत्साह के साथ आगे बढ़ाने की प्रेरणा देते हैं। शिक्षा के साथ संस्कार हमारी प्राथमिकता है. इसे ध्यान में रखते हुए सावन महोत्सव का आयोजन किया गया है। मेनका रानी, एस.एच. ओ, परसा थाना की विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित रही। उन्होंने बच्चों को अच्छे संस्कार और बड़ों का सदा सम्मान एवं उनकी बात मानने की बच्चों को सलाह दी। कहा कि आप डॉक्टर-इंजीनियर बनने के साथ-साथ अच्छे इंसान बनें और देश निर्माण में सहयोग प्रदान करें। धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष श्री दीपक प्रकाश के द्वारा किया गया।

फरक्का पर बिहार के हितों से कोई समझौता नहीं होगा : संजय सरावगी

नई सोच एक्सप्रेस

» फरक्का पर आज ज्ञान बांटने वाले लालू जी बताएं, 1996 में बिहार के लिए क्या किया? : संजय सरावगी

» 1996 में सत्ता थी, प्रभाव था, फिर बिहार के हितों की अनदेखी क्यों हुई? : संजय सरावगी

पटना।भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय सरावगी ने फरक्का बैराज और भारत-बांग्लादेश गंगा जल संधि को लेकर कहा कि बिहार के जल हित सर्वोपरि हैं और मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार अपने अधिकारों से कोई समझौता नहीं करेगा। श्री सरावगी ने कहा कि 1996 में जब भारत-बांग्लादेश गंगा जल संधि हुई, तब लालू प्रसाद यादव बिहार के मुख्यमंत्री थे। उस समय बिहार के पास राजनीतिक प्रभाव, राज्य सरकार और केंद्र की राजनीति में मजबूत उपस्थिति थी। ऐसे में आज लालू प्रसाद यादव और राजद नेताओं को 'दूरदृष्टि' और बिहार के हितों पर भाषण देने से पहले यह बताना चाहिए कि 1996 में बिहार के हितों की पर्याप्त रक्षा क्यों नहीं हो सकी? Bउन्होंने कहा कि आज जब 1996 की संधि की अवधि दिसंबर 2026 में समाप्त होने वाली है, तब पुराने वीडियो जारी कर राजनीतिक ज्ञान बांटने की कोशिश की जा रही है। जब सत्ता और प्रभाव था, तब बिहार के जल हितों के लिए क्या किया गया और आज जब NDA सरकार बिहार की आवाज मजबूती से केंद्र तक पहुंचा रही है, तब राजनीति क्यों की जा रही है? श्री सरावगी ने कहा कि फरक्का का मुद्दा केवल पानी के बंटवारे तक सीमित नहीं है। गाद, बाढ़, सिंचाई, पेयजल, कृषि, औद्योगिक विकास और बिहार की भविष्य की जल जरूरतें भी इससे जुड़ी हैं। इसलिए संधि के नवीनीकरण के समय बिहार की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को पूरी मजबूती से सामने रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने बिहार की चिंताओं को केंद्र सरकार के समक्ष स्पष्ट रूप से रखा है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भी बिहार की फरक्का संबंधी चिंताओं को संधि के नवीनीकरण के दौरान उचित मंच पर उठाने का आश्वासन दिया है। यह बिहार के हित में हो रही गंभीर और तथ्य आधारित पहल है, न कि विपक्ष की तरह केवल बयानबाजी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष को फरक्का पर राजनीति करने से पहले 1996 की गंगा जल संधि, उससे जुड़े सरकारी दस्तावेजों और बिहार के जल संसाधनों से संबंधित तथ्यों का अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग आज सवाल उठा रहे हैं, आधे-अधूरे तथ्यों के आधार पर भ्रम फैलाने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। श्री सरावगी ने कहा कि NDA सरकार का दृष्टिकोण स्पष्ट है—फरक्का पर नारेबाजी नहीं, बल्कि संवाद, तथ्य और ठोस पहल के माध्यम से बिहार के दीर्घकालिक जल हितों की रक्षा। बिहार की जनता के लिए गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि जीवन, कृषि और अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है। उन्होंने कहा, "फरक्का पर बिहार की लड़ाई किसी दल की लड़ाई नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य और उसके जल अधिकार की लड़ाई है। मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार अपने जल हितों से कोई समझौता नहीं करेगा।"

विश्व बंधुत्व रक्त महा अभियान का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, कंकड़बाग, पटना परिसर में ह्वविश्व बंधुत्व रक्त महा अभियानह्न के अंतर्गत विशाल रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गाया। इस अभियान का उद्देश्य मानवता की सेवा, आपसी भाईचारे एवं विश्व बंधुत्व की भावना को मजबूत करते हुए जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहयोग प्रदान करना है। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा समय-समय पर समाजहित एवं मानव कल्याण के लिए विभिन्न सेवा अभियानों का आयोजन किया जाता रहा है। कार्यक्रम में कुम्हरार विधानसभा क्षेत्र विधायक संजय गुप्ता ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन भी किया। तथा मानव सेवा के इस पुनीत कार्य के महत्व पर प्रकाश डाला । उन्होंने अपने जीवन के सच्ची घटनाओं को जिक्र करते हुए रक्तदान करने का आवाहन किया। मेरा परिवार रक्तदान से ही अभी तक ठीक-ठाक चल रहा है। इसीलिए रक्तदान करने से हमारे स्वास्थ्य भी ठीक रहता है और दूसरों को भी मदद मिल जाता है। रक्तदान महादान ही नहीं जीवन दान भी है। इस कार्यक्रम के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान को भूरी भूरी प्रशंसा किए। ब्रह्माकुमारी संस्थान से जुड़ने के लिए लोगों को आवाहन किया। अगर जीवन में शांति चाहिए तो इस संस्था से जुड़ना बहुत जरूरी है। कार्यक्रम का आयोजन राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी संगीता दीदी संचालिका, ब्रह्माकुमारीज कंकड़बाग मुख्य सेवा केंद्र, पटना के मार्गदर्शन में किया गया। ब्रह्माकुमारी संगीता दीदी ने समाज के सभी वर्गों से अपील की है कि स्वस्थ एवं योग्य नागरिक इस महा अभियान में स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की सेवा में अपना योगदान दें। रक्तदान एक ऐसा महान कार्य है, जिसके माध्यम से हम किसी अनजान व्यक्ति के जीवन को बचाने में अपना अमूल्य योगदान दे सकते हैं। मानव व अपने जीवन के द्वारा ज्ञान गुण और शक्तियों का दान भी देकर लोगों को दुखों से छुटकारा दिला सकता है।

सहकारिता मंत्री ने दियारा क्षेत्र का लिया जायजा,कटाव एवं बाढ़ की समस्या से हुए रूबरू

नई सोच एक्सप्रेस

» अधिकारी को दिए राहत कार्य के निर्देश

दानापुर। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण दानापुर दियारा क्षेत्र में तेज कटाव व बाढ़ की बढ़ती समस्या को देखते हुए बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, एसडीएम दानापुर अनिरुद्ध पांडेय, सीओ पीके गुप्ता व सिंचाई विभाग के अधिकारी के साथ ने रविवार को स्टीमर से पानापुर घाट व अन्य क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से कटाव की वर्तमान स्थिति और राहत कार्य की जानकारी लेते हुए प्रभावी तरीके से कटाव रोकने का निर्देश दिया। मंत्री श्री यादव ने कहा कि गंगा का जलस्तर बढ़ने से दियारा क्षेत्र के निचले और तटवर्ती इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। इससे कई गांव प्रभावित हुए हैं। उन्होंने एसडीएम को निर्देश दिया कि प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य सुविधा, दवा, पेयजल और अन्य जरूरी सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराने की बात कही। उन्होंने कहा कि बाढ़ और कटाव की स्थिति पर प्रशासन लगातार नजर रखे। लोगों की सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं सामने आने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इस दौरान उन्होंने पानापुर घाट पर कटाव निरोधी कार्य के तहत किए जा रहे जिओ बैग पिचिंग का अवलोकन किया। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा शिकायत की गई कि जिओ बैग पीचिंग में बालू की जगह मिट्टी भरा जा रहा है। मंत्री ने इस बात पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को जांच कराने का निर्देश दिया। इस दौरान भाजपा नेता भाई सनोज यादव, मुखिया सुभाष यादव, रंजीत यादव, विजेंद्र यादव, समेत कई कार्यकर्ता व पदाधिकारी शामिल थे।

राष्ट्रीय हैंड सर्जरी दिवस : AIIMS पटना में दो दिवसीय कार्यशाला एवं सीएमई का सफल आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) पटना के प्लास्टिक सर्जरी विभाग द्वारा राष्ट्रीय हैंड सर्जरी दिवस के अवसर पर दो दिवसीय वर्कशॉप एवं सीएमई का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इंडियन सोसाइटी फॉर सर्जरी ऑफ हैंड के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में देश के कई प्रतिष्ठित चिकित्सकों, संकाय सदस्यों एवं प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। "स्थिरता से कार्यक्षमता तक : हैंड सर्जरी में विकसित होती अवधारणाएँ" विषय पर आधारित इस कार्यक्रम का उद्देश्य चिकित्सकों के व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक प्रशिक्षण को सुदृढ़ करना तथा आम जनता में हाथ की चोटों एवं विकृतियों के लिए समय पर उपचार, पुनर्निर्माण एवं पुनर्वास के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम का उद्घाटन AIIMS पटना के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान में शीघ्र प्रारंभ किए जाने वाले हैंड ट्रांसप्लांट कार्यक्रम की जानकारी साझा की तथा इसे पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। कार्यक्रम के पहले दिनमें फ्रैक्चर फिक्सेशन एवं विभिन्न शल्य तकनीकों पर हैंड्स ऑन वर्कशॉप आयोजित किया गया। अगले दिन में कई विषय जैसे ब्रैकियल प्लेक्सस, माइक्रोसर्जरी तथा नसों की सर्जरी से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम का नेतृत्व विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) वीणा कुमारी द्वारा किया गया। आयोजन में डॉ. अंसारुल हक, डॉ. सरसिज शर्मा, डॉ. विश्वदीप एवं डॉ. कुलदीप सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने राष्ट्रीय बैठक में लिया हिस्सा, संगठन को मजबूत बनाने पर हुआ मंथन

नई सोच एक्सप्रेस

» बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष का मिला मार्गदर्शन, संगठन विस्तार और कार्यकर्ताओं की सक्रियता पर हुई चर्चा : संजय सरावगी

» कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका से संगठन होगा और गतिशील : संजय सरावगी

पटना।बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में आयोजित राष्ट्रीय पदाधिकारियों, संगठन महामंत्रियों एवं प्रदेश अध्यक्षों की संगठनात्मक बैठक में सहभागिता की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में हुई बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त एवं गतिशील बनाने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका बढ़ाने तथा जनसेवा के संकल्प को मजबूत करने सहित विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का सभी को मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में संगठन को जमीनी स्तर तक और प्रभावी बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। बूथ स्तर पर संगठन की गतिविधियों को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ाने तथा जनता के साथ निरंतर संवाद कायम रखने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और जनसेवा से जुड़े अभियानों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने को लेकर भी चर्चा हुई। संजय सरावगी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन मिला है। भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसके समर्पित और अनुशासित कार्यकर्ता हैं। कार्यकर्ताओं की मेहनत, सेवा भावना और समर्पण के बल पर पार्टी लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए प्रयास करने के संकल्प के साथ काम कर रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में संगठन की जिम्मेदारी है कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन का विस्तार केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि विचार, अनुशासन, सेवा और समर्पण के आधार पर संगठन को मजबूत बनाना पार्टी की प्राथमिकता है। बिहार भाजपा भी बूथ स्तर तक संगठन को और सशक्त करने तथा जनसेवा के संकल्प को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व और प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में संगठन को नई ऊर्जा और गति मिलेगी।

पटना में कंगन वाटर सेलिब्रेशन कार्यक्रम, 350 से अधिक लोगों ने लिया हिस्सा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। ब्लू क्रिस्टल बैंक्वेट हॉल में कंगन वाटर सेलिब्रेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 350 से अधिक लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य कंगन वाटर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ स्वास्थ्य और एनेजिक बिजनेस से जुड़े अनुभवों को साझा करना था। कार्यक्रम में श्री दीपक कुमार सिंह ने कंगन वाटर का उत्पाद प्रदर्शन करते हुए पानी के विभिन्न प्रकारों और कंगन वाटर की विशेषताओं की जानकारी दी। वहीं, एनेजिक बिजनेस के 6ए स्तर के श्री नागेंद्र कुमार वर्मा और 5ए स्तर के श्री अजीत कुमार सिन्हा ने अपने व्यावसायिक अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण श्री शशि निरंजन की 6ए स्तर की उपलब्धि का समारोह रहा। परिवार और टीम के सदस्यों ने उन्हें बधाई दी। इस दौरान कई प्रतिभागियों ने अपने उत्पाद, स्वास्थ्य और व्यावसायिक अनुभव भी साझा किए। आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने और उन्हें अपने अनुभव साझा करने का अवसर देना है। कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

सात फेरे का सबूत नहीं तो हिन्दू विवाह वैध नहीं! हाईकोर्ट

नई सोच एक्सप्रेस

» वैवाहिक संस्कार और आवश्यक रस्मों के प्रमाण से तय होगा विवाह का अस्तित्व

फतुहा।हिन्दू विवाह केवल दो व्यक्तियों के बीच बना कोई साधारण कानूनी अनुबंध नहीं है। यह भारतीय समाज की हजारों वर्षों पुरानी सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण संस्कार है। ऐसे में यदि विवाह की मूल रस्में ही प्रमाणित न हों, तो केवल कागजों, मतदाता सूची, भरण-पोषण के आदेश अथवा किसी दस्तावेज के आधार पर किसी रिश्ते को वैध हिन्दू विवाह मान लेना गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। हाईकोर्ट के सामने आए मामले ने इसी सवाल को बेहद महत्वपूर्ण बना दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि विवाह को वैध सिद्ध करने के लिए केवल दस्तावेज पर्याप्त नहीं हो सकते; जिस रीति-रिवाज के अनुसार विवाह हुआ है, उसका प्रमाण भी आवश्यक है। हिन्दू विवाह अधिनियम की धारा 7 के तहत विवाह आवश्यक वैवाहिक रस्मों के अनुसार संपन्न होना चाहिए। सवाल सिर्फ सात फेरों का नहीं, विवाह की प्रमाणिकता का है यह फैसला समाज के सामने एक बड़ा सवाल छोड़ता है—क्या केवल किसी सरकारी दस्तावेज में पति-पत्नी लिख दिए जाने से विवाह साबित हो जाएगा ?यदि विवाह की मूल रस्में ही प्रमाणित नहीं हैं, विवाह कब और कहां हुआ इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं है, गवाहों का भरोसेमंद विवरण नहीं है और विवाह की धार्मिक प्रक्रिया का कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं है, तो ऐसे रिश्ते को कानून की कसौटी पर परखना स्वाभाविक है। आज के समय में विवाह प्रमाणपत्र, आधार, मतदाता पहचान पत्र और अन्य दस्तावेजों का महत्व निश्चित रूप से है, लेकिन दस्तावेज विवाह की रस्मों का विकल्प नहीं हो सकते। कानून ने परंपरा और प्रमाण—दोनों को महत्व दिया हिन्दू विवाह अधिनियम की धारा 7 विवाह को संबंधित पक्षों के प्रचलित रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न होने से जोड़ती है। इसलिए विवाह के पंजीकरण को भी अंतिम और अकेला प्रमाण मान लेना उचित नहीं होगा। यही बात समाज के लिए सबसे बड़ा संदेश है—विवाह पंजीकरण महत्वपूर्ण है, लेकिन पंजीकरण अपने आप में उस विवाह की प्रत्येक आवश्यक वैधानिक शर्त को पूरा करने का प्रमाण नहीं बन जाता। राजनीति को भी इस फैसले से सीखना चाहिए यह फैसला केवल पारिवारिक विवाद तक सीमित नहीं रहना चाहिए। आज राजनीति में भी कागजी दावों, प्रमाणपत्रों और घोषणाओं की भरमार है। लेकिन लोकतंत्र में सवाल यही होना चाहिए कि कागज पर दावा क्या है और जमीन पर उसका प्रमाण क्या है? राजनीति में भी केवल बयान देने से उपलब्धि सिद्ध नहीं होती, केवल घोषणा करने से विकास नहीं होता और केवल प्रमाणपत्र दिखाने से सत्य स्थापित नहीं होता। जनता अब कागज नहीं, काम का प्रमाण मांगती है। इसीलिए इस न्यायिक विमर्श को व्यापक अर्थ में देखा जाना चाहिए—रिश्ता हो या राजनीति, दावा कितना भी बड़ा क्यों न हो, अंततः प्रमाण ही उसकी असली ताकत है। सबसे बड़ा संदेश "रस्म का प्रमाण नहीं तो विवाह पर सवाल, काम का प्रमाण नहीं तो राजनीति पर सवाल।" यही वह सिद्धांत है जो न्यायपालिका से लेकर लोकतंत्र तक हर व्यवस्था को पारदर्शिता, प्रमाण और जवाबदेही की ओर ले जाता है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार के अंशुमान ने राष्ट्रीय कुश्ती में मारी बाजी, अब विश्व मंच पर आजमाएंगे दांव

सासाराम।सासाराम के दिनारा प्रखंड के मनोहरपुर गांव के युवा पहलवान अंशुमान तिवारी ने राष्ट्रीय स्तर की कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर जिले और बिहार का मान बढ़ाया है। बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए अंशुमान ने कड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया और अपने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ गांव में भी खुशी का माहौल है। राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करने के बाद अंशुमान अब अंतरराष्ट्रीय चुनौती के लिए तैयार हैं। अगले महीने थाईलैंड में आयोजित होने वाली वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में वे भारत और बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे। गांव की मिट्टी से निकलकर विश्वस्तरीय प्रतियोगिता तक पहुंचने वाले अंशुमान की उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणा बन रही है। अंशुमान की सफलता के पीछे वर्षों का कठिन अभ्यास, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण है। उनके पिता स्वर्गीय अखिलेश्वर तिवारी का निधन हो चुका है। पिता के जाने के बाद भी अंशुमान ने हिम्मत नहीं हारी और अपने लक्ष्य की ओर लगातार बढ़ते रहे। आज राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने पिता के सपने को साकार करने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अंशुमान की मां आरती तिवारी ने भी बेटे के संघर्ष में लगातार उसका हौसला बढ़ाया। बेटे की सफलता से परिवार गौरवान्वित है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले अंशुमान ने साबित किया है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर की मोहताज नहीं होती। मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर गांव का युवा भी बड़े मंच पर अपनी पहचान बना सकता है। अब थाईलैंड में होने वाली प्रतियोगिता में अंशुमान के प्रदर्शन पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

महंगाई पर कांग्रेस का हल्लाबोल, टावर चौक पर प्रधानमंत्री का फूंका पुतला

गया। रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस ने रविवार को गया के टावर चौक पर जोरदार प्रदर्शन किया। केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया।प्रदर्शनकारियों ने साफ चेतावनी देते हुए कहा कि अगर महंगाई नहीं रूका तो होगा चक्का जाम।कांग्रेस के नेताओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि चीनी, सरसों तेल, आटा, चावल, मसाले, गुड़, बिस्कुट और साबुन जैसी जरूरी वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। इससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हो गया है। नेताओं ने कहा कि एक महीने में चीनी के दाम करीब 40 प्रतिशत और खाद्य तेल की कीमतों में लगभग 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है।कांग्रेस ने त्योहारों से पहले चीनी की कीमतों में अचानक तेजी पर भी सवाल उठाया और सरकार से तत्काल महंगाई पर लगाम लगाने की मांग करते हुए चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कीमतों पर नियंत्रण नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। महंगाई के मुद्दे पर कांग्रेस ने सड़क से सदन तक आंदोलन की चेतावनी दी है।

श्रावणी भीड़ के बीच गया स्टेशन पर बड़ी बरामदगी, संदिग्ध के बैग से मिले 10 लाख रुपये

गया। श्रावण माह की भीड़ को देखते हुए गया रेलवे स्टेशन परिसर में आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने रविवार को सघन चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान प्लेटफॉर्म संख्या-1 के दक्षिणी छोर पर किलोमीटर संख्या 470/09 के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर तलाशी ली गई।पूछताछ में उसकी पहचान मो नसरुल्लाह (37) निवासी न्यू करीमगंज, सिविल लाइन गया के रूप में हुई। उसके पास मौजूद बैग की तलाशी लेने पर 10 लाख 3 हजार 170 रुपये नकद बरामद हुए। इतनी बड़ी रकम के संबंध में वह मौके पर कोई वैध दस्तावेज या संतोषजनक प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सका।आरपीएफ एवं जीआरपी की टीम ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए नसरुल्लाह को डिटेन कर मामले की सूचना आयकर विभाग पटना को दी। सूचना मिलने पर आयकर निरीक्षक सिद्दीकान्त चौधरी गया पहुंचे। इसके बाद पकड़े गए व्यक्ति और बरामद 10 लाख 3 हजार 170 रुपए नकद आयकर विभाग के अधिकारी को अग्रिम कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया।अभियान में आरपीएफ गया के उपनिरीक्षक विकास कुमार तथा उपनिरीक्षक निरंजन कुमार और महिला आरक्षी सुषमा कुमारी सहित पुलिस कर्मि शामिल रहीं।

रामगढ़वा के दही बाजार में 14 सितंबर से सजेगा गणेश महोत्सव

मोतीहारी। रामगढ़वा के दही बाजार में आगामी 14 सितंबर से भव्य गणेश महोत्सव के आयोजन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसे लेकर हाल ही में 'एकता गणेश पूजा समिति' का औपचारिक गठन किया गया है। समिति द्वारा आगामी 14 सितंबर से 20 सितंबर 2026 तक सात दिवसीय गणेश महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। रामगढ़वा दही बाजार में धूम धाम से गणेश पूजा महोत्सव मनाया जाता है, जो जिले भर में प्रसिद्ध है। महोत्सव को सफल बनाने के लिए गठित समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने कमर कस ली है। समिति के अध्यक्ष गुड्डू गुप्ता, उपाध्यक्ष मिलन प्रसाद, सचिव सुरेश प्रसाद एवं ललन प्रसाद, महामंत्री रवि गुप्ता एवं अमित गुप्ता, तथा मंत्री राजकिशोर प्रसाद, रजत कुमार और सूरज कुमार सहित सभी सदस्य आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। महामंत्री रवि गुप्ता ने जानकारी दी है कि इस वर्ष श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं और महोत्सव के सातों दिन लगातार भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिससे बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाप्रसाद ग्रहण कर सकें। 14 सितंबर से दही बाजार में गणपति बप्पा की भक्ति का माहौल शुरू हो जाएगा और 20 सितंबर तक पूजा अर्चना होगी। एकता गणेश पूजा समिति ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से सपरिवार गणेश महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने और भगवान गणपति का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

किसना ने औरंगाबाद में अपने एक्सक्लूसिव शोरूम का किया शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

» बिहार में 20वें एक्सक्लूसिव शोरूम के लॉन्च के साथ किसना ने किया रिटेल विस्तार

औरंगाबाद।किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने औरंगाबाद के एम जी रोड स्थित महेश एकेडमी स्कूल के सामने अपने 20वें एक्सक्लूसिव शोरूम का भव्य शुभारंभ किया। शोरूम का उद्घाटन हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया एवं किसना के एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर अभय कुमार सिंह के द्वारा किया गया। यह लॉन्च बिहार में किसना के रिटेल विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस भव्य लॉन्च के अवसर पर किसना अपने ग्राहकों के लिए विशेष उद्घाटन ऑफर लेकर आया है। ग्राहकों को डायमंड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 100 प्रतिशत तक की छूट और गोल्ड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 50 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। इसके अलावा, ग्राहक अपना पुराना सोना एक्सचेंज कर डायमंड ज्वेलरी की खरीद पर 105 प्रतिशत वैल्यू प्राप्त कर सकते हैं। हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया ने कहा कि बिहार में ग्राहकों की बढ़ती आकांक्षाएं और तेजी से बदलता ज्वेलरी रिटेल बाजार इसे किसना की विस्तार रणनीति के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बनाते हैं। बिहार में हमारा 20वां एक्सक्लूसिव शोरूम औरंगाबाद में शुरू होना राज्य के प्रति हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमारा मार्गदर्शन 'हर घर किसना' के विजन से होता रहेगा, जिसका उद्देश्य भारतीय घरों तक गुणवत्तापूर्ण डायमंड ज्वेलरी को सुलभ बनाना है। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के सीईओ पराग शाह ने कहा कि हमें औरंगाबाद में बिहार के अपने 20वें एक्सक्लूसिव शोरूम को लॉन्च करते हुए खुशी हो रही है। हमारा उद्देश्य ग्राहकों को ज्वेलरी की खोज और खरीदारी का एक बेहतर एवं शानदार अनुभव प्रदान करना है। इसके लिए हम आधुनिक डिजाइन, सोच-समझकर तैयार किए गए कलेक्शंस और ग्राहकों की बदलती पसंद के अनुरूप एक प्रीमियम शोरूम अनुभव उपलब्ध करा रहे हैं। किसना के एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर अभय कुमार सिंह ने कहा कि किसना जैसे ब्रांड के साथ जुड़ना हमारे लिए गर्व की बात है, जो विश्वास, गुणवत्ता और नवाचार की मजबूत नींव पर स्थापित है। हम ग्राहकों के लिए एक पसंदीदा ज्वेलरी डेस्टिनेशन बनने और औरंगाबाद के बेहतरीन ज्वेलरी स्टोर्स में किसना को स्थापित करने की दिशा में काम करने के लिए उत्साहित हैं। समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप किसना ने शोरूम के उद्घाटन के अवसर पर जरूरतमंद लोगों के बीच भोजन वितरण अभियान भी आयोजित किया। इसके साथ ही स्वच्छ भारत अभियान के समर्थन में स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण अभियान और रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। इन पहलों के माध्यम से किसना ने सामुदायिक कल्याण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।

सामाजिक सहयोग से टीबी पर प्रहार, 55 मरीजों को मिला पोषण

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति की ओर से साधनापुरी स्थित संस्था के कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर 55 टीबी मरीजों के बीच छठे महीने की पोषण पोटली वितरित की गई। इस दौरान मरीजों का वजन भी दर्ज किया गया, ताकि उनके स्वास्थ्य में हो रहे सुधार का नियमित आकलन किया जा सके।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला यक्ष्मा केंद्र के जिला योजना समन्वयक हिमांशु शेखर ने कहा कि टीबी के लक्षण दिखाई देने पर बिना देरी किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच करानी चाहिए। चिकित्सक की सलाह के अनुसार नियमित रूप से दवा लेने के साथ पौष्टिक आहार भी जरूरी है। उन्होंने संस्था द्वारा कई वर्षों से टीबी मरीजों को गोद लेकर पोषण उपलब्ध कराने के प्रयास की सराहना की। एसटीएस मुकेश कुमार ने कहा कि टीबी के इलाज में नियमित दवा सेवन के साथ संतुलित एवं पौष्टिक भोजन की महत्वपूर्ण भूमिका है। मरीजों को इलाज के दौरान खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए, जिससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो और स्वास्थ्य लाभ में तेजी आए। संस्था की संस्थापिका सह सचिव डॉ. अंजू सिंह ने बताया कि इस चरण में शहर के 55 टीबी मरीजों को पोषण पोटली दी गई। मरीजों से संबंधित डीबीटी एवं अन्य समस्याओं के समाधान में भी सहयोग किया गया। संस्था के निश्चय मित्र मरीजों का लगातार फॉलोअप करते हैं, ताकि वे नियमित रूप से दवा लें और उपचार पूरा कर स्वस्थ हो सकें। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार धर्मेंद्र रस्तोगी, प्रीति शाही, मणि शाही, सद्दाम हुसैन, सुमन सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बालिकाओं एवं महिला कार्यकर्ताओं की शैक्षणिक परिभ्रमण टीम राजगीर-नालंदा के लिए रवाना

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई।उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बालिकाओं को निरंतर पढ़ाई के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से समग्र सेवा, जमुई की ओर से रविवार को महादलित मुसहर टोला की मैट्रिक उत्तीर्ण एवं उससे आगे की पढ़ाई कर रही बालिकाओं, शिक्षक दीदी (प्रेरक) तथा शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय सामाजिक महिला कार्यकर्ताओं की टीम को शैक्षणिक परिभ्रमण के लिए रवाना किया गया। जमुई स्थित श्रीकृष्ण सिंह स्टेडियम से टीम को राजगीर, नालंदा और पावापुरी के शैक्षणिक परिभ्रमण के लिए रवाना किया गया। संस्था की ओर से आयोजित इस परिभ्रमण का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को औपचारिक शिक्षा के साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक धरोहरों से परिचित कराना तथा उन्हें उच्च शिक्षा से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर संस्था कार्यकर्ता मकेश्वर ने कहा कि शैक्षणिक परिभ्रमण से छात्राओं को पुस्तकीय ज्ञान से बाहर निकलकर वास्तविक दुनिया को समझने और प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि ऐसी यात्राएं विद्यार्थियों की व्यावहारिक समझ, नेतृत्व क्षमता और विषयों के प्रति गहरी रुचि विकसित करने में सहायक होती हैं। उन्होंने कहा कि विश्व प्रसिद्ध नालंदा विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक विरासत को करीब से देखने और समझने का अवसर छात्राओं के लिए विशेष रूप से प्रेरणादायक होगा। नालंदा शिक्षा की उस गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है, जिसने एक समय दुनिया को ज्ञान और शिक्षा की राह दिखाई थी। सामाजिक कार्यकर्ता राजेश ने कहा कि कक्षाओं में सीखी गई बातों को ऐतिहासिक स्थलों पर प्रत्यक्ष रूप से देखने से विद्यार्थियों की जानकारी अधिक स्थायी और प्रभावी बनती है। शैक्षणिक परिभ्रमण न केवल ज्ञानवर्धन का माध्यम है, बल्कि आपसी मेलजोल बढ़ाने और मानसिक रूप से तरोताजा होने का अवसर भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की यात्राएं छात्राओं में आगे की पढ़ाई के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह पैदा करती हैं तथा उन्हें उच्च शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। संस्था की ओर से उम्मीद जताई गई कि यह शैक्षणिक परिभ्रमण बालिकाओं और महिला कार्यकर्ताओं के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक साबित होगा।

लायंस लियो क्लब ने लगाया रक्तदान शिविर, सदस्यों ने दिया मानवता का संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।लायंस लियो क्लब छपरा टाउन की ओर से रविवार को सदर अस्पताल, छपरा स्थित रक्त कोष विभाग में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ रक्तदान कार्यक्रम के चेयरपर्सन आशुतोष पाण्डेय, डॉ. किरण ओझा एवं लायंस सचिव चंदन सिंह ने किया। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के लिए अपना योगदान दिया। रक्तदान कार्यक्रम के चेयरपर्सन आशुतोष पाण्डेय ने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना है। शिविर में आशुतोष पाण्डेय, मनीष कुमार मनी, अनिल सोनी, अमरजीत सोनी, अमित सोनी, सौरभ कुमार, श्याम कुमार, बृजेश मांझी एवं सत्यम सोनी ने रक्तदान किया। लायंस सचिव चंदन सिंह ने कहा कि रक्तदान महादान है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जिंदगी बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वहीं लियो सचिव सत्यम सोनी ने सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। शिविर के सफल आयोजन में क्लब अध्यक्ष आदित्य सोनी, राहुल राज, अली अहमद, अभिषेक किशोर, लियो उज्ज्वल मिश्रा, अभिषेक गुप्ता, दीपक पटेल सहित सदर अस्पताल के रक्त कोष विभाग के कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कानून महिला को अधिकार देता है, समाज स्वीकृति क्यों नहीं? : अधिवक्ता नलिनी सिंह

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई।भारतीय संविधान और देश के कानूनों ने महिलाओं को समानता, शिक्षा, संपत्ति, रोजगार, सुरक्षा तथा अपने जीवन से जुड़े निर्णय लेने के अधिकार प्रदान किए हैं। इसके बावजूद समाज में एक महत्वपूर्ण प्रश्न आज भी बना हुआ है कि क्या केवल कानूनी अधिकार मिल जाना ही महिलाओं की वास्तविक स्वतंत्रता सुनिश्चित कर देता है? इस विषय पर अपने विचार रखते हुए जमुई निवासी एवं दिल्ली उच्च न्यायालय की अधिवक्ता नलिनी सिंह ने कहा कि कानून महिलाओं को अधिकार तो देता है, लेकिन जब कोई महिला इन अधिकारों का प्रयोग कर अपने जीवन से जुड़े फैसले लेने की कोशिश करती है, तब उसकी पहली परीक्षा अक्सर अदालत में नहीं, बल्कि अपने घर और समाज में होती है। उन्होंने कहा कि कानून किसी महिला को अपनी पढ़ाई जारी रखने, नौकरी करने, विवाह के संबंध में निर्णय लेने या अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का अधिकार देता है। लेकिन सामाजिक स्वीकृति के अभाव में इन अधिकारों का सहज उपयोग आज भी कई महिलाओं के लिए चुनौती बना हुआ है। नलिनी सिंह ने सामाजिक सोच में मौजूद दोहरे मापदंडों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि यदि कोई पुरुष देर तक काम करता है तो उसे जिम्मेदार और महत्वाकांक्षी माना जाता है, जबकि किसी महिला के देर से घर लौटने पर उससे सवाल किए जाते हैं। इसी प्रकार पुरुष अपने करियर को प्राथमिकता दे तो इसे उसकी महत्वाकांक्षा माना जाता है, लेकिन महिला ऐसा करे तो उसके परिवार और भविष्य को लेकर चिंताएं व्यक्त की जाने लगती हैं। उन्होंने कहा कि यह अंतर कानून ने नहीं, बल्कि समाज की सोच ने बनाया है। हम चाहते हैं कि महिलाएं शिक्षित हों, आत्मनिर्भर बनें और जीवन में आगे बढ़ें, लेकिन उनकी स्वतंत्रता अक्सर समाज द्वारा तय की गई सीमाओं के भीतर ही स्वीकार की जाती है। यही कानून और सामाजिक व्यवहार के बीच की दूरी को दर्शाता है। अधिवक्ता नलिनी सिंह ने कहा कि कानून किसी महिला को अपने जीवन से जुड़े निर्णय लेने का अधिकार दे सकता है, लेकिन अधिकार प्रदान करना और उस अधिकार को समाज द्वारा स्वीकार करना दो अलग-अलग बातें हैं। उन्होंने कहा कि समाज में बदलाव अवश्य आया है और इसे नकारा नहीं जा सकता। आज महिलाएं न्यायपालिका, प्रशासन, सेना, राजनीति, विज्ञान, व्यवसाय सहित अनेक क्षेत्रों में अपनी मजबूत पहचान बना रही हैं। बावजूद इसके, निजी जीवन से जुड़े निर्णयों के मामले में सामाजिक स्वीकृति और पारंपरिक सोच का दबाव आज भी बना हुआ है। उन्होंने कहा कि अब सवाल केवल यह नहीं होना चाहिए कि महिलाओं को और कौन-कौन से अधिकार दिए जाएं। महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि जो अधिकार उन्हें पहले से प्राप्त हैं, उन्हें समाज सहजता और सम्मान के साथ कब स्वीकार करेगा। उन्होंने कहा कि सच्ची समानता उस दिन स्थापित होगी, जब किसी महिला को अपने व्यक्तिगत फैसलों के लिए बार-बार सफाई नहीं देनी पड़ेगी और उसकी स्वतंत्रता को उसके चरित्र, परिवार या सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़कर नहीं देखा जाएगा। अधिवक्ता नलिनी सिंह ने कहा कि कानून महिलाओं को अधिकार दे चुका है। अब आवश्यकता समाज की सोच में बदलाव लाने और उन अधिकारों को वास्तविक रूप से स्वीकार करने की है।

डॉ. आरती कुमारी 'मधुकर शब्द अर्चना सम्मान' से सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

साहित्य-सृजन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मुजफ्फरपुर की साहित्यकार एवं शिक्षाविद् डॉ. आरती कुमारी को प्रतिष्ठित 'मधुकर शब्द अर्चना सम्मान' से सम्मानित किया गया। मध्य प्रदेश के दतिया में 23 अगस्त 2026, रविवार को आयोजित राष्ट्रीय मधुकर अलंकरण समारोह में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें INTACH के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंह ठाकुर, रामलली शर्मा, अपर कलेक्टर छतरपुर श्री नमः शिवाय अरजरिया, रामायण केंद्र भोपाल के निदेशक डॉ राजेश श्रीवास्तव एवं संस्था के अध्यक्ष श्री विनोद मिश्र के द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। सम्मान में अंगवस्त्र, में, श्रीफल एवं सम्मान राशि प्रदान की गई। डॉ. आरती कुमारी वर्तमान में रामदयालु सिंह महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं। शिक्षा एवं अकादमिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका के साथ वे लंबे समय से साहित्य-सृजन से भी जुड़ी हुई हैं। कविता, गीत और ग़ज़ल के क्षेत्र में उनकी अब तक छह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने साहित्यिक पुस्तकों एवं संकलनों के संपादन का कार्य भी किया है। मुजफ्फरपुर के साहित्यकारों, शिक्षाविदों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।

महादलित बहनों ने पूर्व डीएम कंवल तनुज को भेजी राखी

नई सोच एक्सप्रेस

» लगातार आठवीं बार राखी भेज रहीं औरंगाबाद की बहनें, पूर्व डीएम की यादें हुईं ताजा

औरंगाबाद।रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के स्नेह और अपनत्व का पर्व है। औरंगाबाद की महादलित बस्ती की महिलाओं ने इस रिश्ते को वर्षों से एक अलग भावनात्मक रंग दे रखा है। जिले के पूर्व जिलाधिकारी और वर्तमान में बिहार सरकार के योजना एवं विकास विभाग के सचिव कंवल तनुज को यहां की महादलित बहनों ने इस बार भी राखी भेजी है। यह लगातार आठवां वर्ष है, जब बहनें रक्षाबंधन पर अपने भाई समान पूर्व डीएम को राखी भेज रही हैं। महादलित बस्ती की बहनों ने राखी पटना भेजने की जिम्मेदारी कांग्रेसी नेता व समाजसेवी मो. शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान को सौंपी गई। उनके माध्यम से राखी पटना भेज दी गई है। राखी भेजने वाली बहनों में अनीता देवी, गुंजा देवी लाल देवी, तेतरी देवी, उर्मिला कुंवर, अनीता देवी, गीता कुमारी, सविता देवी काजल देवी कुमारी, देवी, मुनका देवी मनोरमा देवी, रीना कुमारी कुमारी, प्रिया कुमारी, लड्डो और खुशी कुमारी शामिल हैं। बहनों ने भावुक होकर बताया कि कंवल तनुज जब औरंगाबाद के डीएम थे, तब वे रक्षाबंधन के अवसर पर स्वयं महादलित बस्तियों में पहुंचकर बहनों से राखी बंधवाते थे। उनका कहना है कि प्रशासनिक पद पर रहते हुए भी उन्होंने आम लोगों से आत्मीय रिश्ता बनाया था। यही वजह है कि पद से स्थानांतरित होने के बाद भी उनके साथ बना भाई-बहन का यह रिश्ता कायम है। महादलित बहनों ने बताया कि कंवल तनुज मकर संक्रांति के अवसर पर भी उनके बीच पहुंचते थे और तिलकुट, चूड़ा-दही के साथ भोजन करते थे। स्थानांतरण के बाद भी बहनें उनके लिए मकर संक्रांति पर सामग्री भेजती हैं। कोरोना काल में भी उन्होंने महादलित परिवारों के लिए राशन सामग्री के साथ आर्थिक सहयोग भेजकर मदद की थी। बहनों का कहना है कि पद से दूर रहने के बावजूद वे आज भी उनका हालचाल लेते रहते हैं। बहनों ने कहा कि रक्षाबंधन आते ही उन्हें उन दिनों की याद आती है, जब पूर्व डीएम खुद उनके बीच पहुंचकर राखी बंधवाते थे। अब वे हर वर्ष अपनी राखी पटना भेजती हैं। इस बार 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन कंवल तनुज की कलाई पर औरंगाबाद की इन बहनों की राखी बंधेगी। मो. शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान ने बताया कि महादलित बस्ती की बहनों की ओर से भेजी गई राखी पटना पहुंचा दी गई है। यह रिश्ता सरकारी पद और औपचारिकताओं से कहीं आगे बढ़कर विश्वास, स्नेह और अपनत्व की मिसाल बन गया है। वर्षों बाद भी बहनों द्वारा राखी भेजने की परंपरा यह बताती है कि सच्चे मानवीय रिश्ते पद और स्थान बदलने से खत्म नहीं होते।

संक्षिप्त समाचार

सिटीजन केयर ग्रुप के 15वें वार्षिकोत्सव पर 51 कर्मियों को ई-स्कूटी का वितरण

» हरित परिवहन और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, कर्मियों के योगदान को किया सम्मानित

पटना।सिटीजन केयर ग्रुप के 15वें वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन सिटीजन केयर ग्रुप टावर, आशियाना-दीघा रोड, पटना में गरिमामय माहौल में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के अध्यक्ष रणबीर नंदन एवं सिटीजन केयर ग्रुप के संस्थापक चंदन कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, हरित परिवहन और सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर विशेष संदेश दिया गया। इस अवसर पर ग्रुप के कर्मियों के योगदान को सम्मानित करते हुए 51 ई-स्कूटी का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि रणबीर नंदन ने अपने संबोधन में कहा कि आज पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति और संस्थान की सामूहिक जिम्मेदारी है। हरित परिवहन को बढ़ावा देना प्रदूषण कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिक से अधिक उपयोग कर हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण तैयार कर सकते हैं। उन्होंने सिटीजन केयर ग्रुप की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान द्वारा अपने कर्मियों को ई-स्कूटी प्रदान करना पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी का भी उत्कृष्ट उदाहरण है। सिटीजन केयर ग्रुप के संस्थापक चंदन कुमार ने कहा कि 15 वर्षों की यह यात्रा कर्मचारियों, सहयोगियों और शुभचिंतकों के निरंतर सहयोग और विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि ग्रुप की सफलता में प्रत्येक कर्मी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और यह समारोह उन्हीं के समर्पण को सम्मान देने का अवसर है। उन्होंने 51 ई-स्कूटी के वितरण को ग्रुप की पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता से जोड़ते हुए कहा कि हरित परिवहन को प्रोत्साहित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को उनके योगदान के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी तरह सहयोग और समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य कर्मियों को सुविधाजनक एवं पर्यावरण-अनुकूल परिवहन उपलब्ध कराने के साथ-साथ इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में ग्रुप के कर्मचारियों, सहयोगियों एवं गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

भारत विकास परिषद सत्यम शाखा ने आयोजित की राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता

पटना।भारत विकास परिषद, सत्यम शाखा द्वारा राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन ए.एन. सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान, पटना में किया गया। इस कार्यक्रम में पटना के 12 चयनित विद्यालयों से लगभग 130 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों में देशप्रेम की भावना को जगाना एवं संस्कृति के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व कुलपति पद्मश्री प्रो. डॉ. रविंद्र कुमार सिन्हा, पद्मश्री डॉ. जितेंद्र प्रसाद सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष सुमन सिंह एवं अध्यक्ष उमेश कुमार विद्यार्थी ने किया। कार्यक्रम का संयोजन नीतू सिन्हा ने किया एवं संचालन डॉली सिंह ने किया। स्वागत भाषण सचिव डॉ. जय कुमार सिन्हा ने किया। क्षेत्रीय महासचिव डॉ. वाल्मीकि कुमार ने परिषद का परिचय एवं क्षेत्रीय संयुक्त समिति के बारे में जानकारी दी। क्षेत्रीय संयुक्त सचिव मुकेश कुमार ने संबोधन किया। राज्यसभा सांसद शंभु शरण पटेल ने समापन समारोह की अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि के रूप में बसंत कुमार सिंह, अधिवक्ता, पटना उच्च न्यायालय तथा आईएमए के पूर्व अध्यक्ष सहजानंद प्रसाद सिंह उपस्थित रहे। शंभु शरण पटेल ने प्रतियोगिता के महत्व को बताते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता देशभक्ति एवं सामाजिक सेवा की भावना को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम में प्रांतीय पर्यवेक्षक विनीत कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में अमित वत्स, अमित कुमार, अजित कुमार, राकेश कुमार एवं आशीष कुमार का सहयोग रहा। प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल, ट्रांसपोर्ट नगर ने प्रथम, डी.वाई. पाटिल ने द्वितीय तथा शिवम कन्वेंट स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम हिंदी एवं संस्कृत में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के आधार पर प्रांत स्तर पर भाग लेगी।

सावन के रंग में रंगा फुलवारी शरीफ

फुलवारी शरीफ। सर्वमंगला सांस्कृतिक मंच की ओर से रविवार को सावन महोत्सव हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भारतीय कला, संस्कृति, मनोरंजन और प्रतिभाओं का मनोहारी संगम देखने को मिला। सावन के प्रतीक हरे रंग के आकर्षक परिधानों में सजी महिलाओं और बच्चों ने सावन गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में समां बांध दिया। पूजा कुमारी, रोशनी गुर्जर, रानी कुमारी, रिया भारती, अनुष्का कुमारी, अहाना गहलोत, दिव्यांशी, लवण्या, आदया, अंशिका, अवन्या, आबया, आसना, सक्षम, प्रत्युष, निशांत और नियान सहित बड़ी संख्या में महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने सावन गीतों पर नृत्य कर माहौल को उल्लासमय बना दिया। नृत्य कार्यक्रम की कोरियोग्राफी मो. रिजवान ने की। संस्था के सचिव महेश चौधरी ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भारतीय परंपरा, संस्कृति और आपसी सौहार्द को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सावन प्रकृति की हरियाली और नारी शक्ति का उत्सव है। इसलिए प्रकृति संरक्षण, अधिकाधिक पौधरोपण, जल एवं ऊर्जा की बचत, प्लास्टिक के प्रयोग से परहेज तथा नारी शक्ति का सम्मान करना सभी की जिम्मेदारी है। इन प्रयासों से बिहार और देश के विकास को नई दिशा मिल सकती है। कार्यक्रम में कामेश्वर प्रसाद, मिथिलेश कुमार पांडेय, वरिष्ठ पत्रकार रंजीत प्रसाद सिन्हा, अधिवक्ता एवं पत्रकार मो. परवेज आलम, अधिवक्ता रवि आनंद, मोनिका, सौरभ राज, अमन, करण, रंजन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पटना के बांकीपुर स्विमिंग पूल में मास्टर्स स्विमिंग प्रतियोगिता का आयोजन

पटना।बिहार स्विमिंग एसोसिएशन ने पटना के बांकीपुर स्विमिंग पूल में मास्टर्स स्विमिंग प्रतियोगिता का आयोजन कियागया। इसमें 25 साल से ज़्यादा उम्र के पुरुष और महिला तैराकों समेत लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में डॉ. रवि प्रकाश ने 50 मीटर फ्रीस्टाइल, 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक, 50 मीटर बटरफ्लाई, 50 मीटर बैकस्ट्रोक और 200 मीटर फ्रीस्टाइल में गोल्ड मेडल जीते। इस इवेंट में अंतरराष्ट्रीय तैराकों और महिला तैराकों ने भी हिस्सा लिया और मेडल जीते।

गरीब, वंचित और आमजन की आवाज को मजबूती देने के संकल्प के साथ मुंगेर पहुँचे डॉ. संतोष कुमार सुमन

» महापुरुषों एवं अमर शहीद रामफल मंडल को किया नमन, टाउन हॉल में गरीब चौपाल के जरिए आमजन से किया सीधा संवाद

» गरीब की आवाज ही हमारी राजनीति का आधार, अंतिम पायदान के लोगों तक पहुंचेगा विकासः- डॉ सुमन

नई सोच एक्सप्रेस

मुंगेर।हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन के नेतृत्व में चल रही गरीब चौपाल यात्रा रविवार को मुंगेर पहुंची। इस दौरान डॉ. सुमन ने विभिन्न स्थानों पर महापुरुषों एवं स्वतंत्रता संग्राम के वीर सपूतों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा मुंगेर शहर के टाउन हॉल में आयोजित गरीब चौपाल कार्यक्रम में शामिल होकर आमजन से सीधा संवाद किया। डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि गरीब चौपाल यात्रा का उद्देश्य सत्ता और समाज के बीच की दूरी को कम करना तथा गरीब, वंचित, शोषित, किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं की समस्याओं को सीधे सुनना है। उन्होंने कहा कि गरीब चौपाल सिर्फ एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आम लोगों की आवाज को मजबूती देने का अभियान है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास की योजनाओं का लाभ पहुंचे, इसके लिए लगातार प्रयास किया जाएगा। मुंगेर पहुंचने के क्रम में डॉ. सुमन ने अम्बेडकर चौक पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल एवं बाबू वीर कुंवर सिंह की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीद रामफल मंडल की शहादत को नमन करते हुए उनके बलिदान को याद किया। डॉ. सुमन ने कहा कि देश की आजादी और समाज के सम्मान के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीरों का त्याग सदैव देशवासियों को प्रेरणा देता रहेगा। उनके आदर्शों पर चलकर ही मजबूत और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण किया जा सकता है। टाउन हॉल में आयोजित गरीब चौपाल कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आम लोगों ने भाग लिया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से डॉ. सुमन को अवगत कराया। डॉ. सुमन ने कहा कि जनता की समस्याओं को सुनना और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करना ही गरीब चौपाल यात्रा का मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) गरीबों, वंचितों और समाज के कमजोर वर्गों के अधिकार एवं सम्मान के लिए लगातार आवाज उठाता रहा है। गरीब चौपाल यात्रा के माध्यम से पार्टी गांव-गांव और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझेगी और उन्हें उचित मंच तक पहुंचाने का काम करेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता परमानन्द मांझी ने की, जबकि संचालन मुकेश मांझी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. अनिल कुमार, प्रदेश अध्यक्ष; श्याम सुन्दर शरण, राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता; रोमित कुमार, विधायक अतरी; मुकेश मांझी, सदस्य महादलित आयोग; नीलेश सिंह, राष्ट्रीय सचिव; शंकर मांझी, राष्ट्रीय सचिव सह प्रवक्ता; विज्ञान स्वरूप, वरिष्ठ समाजवादी नेता; अमरेश कुमार, शिवेंद्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ; बीपी सिंह, प्रदेश अध्यक्ष शिक्षा प्रकोष्ठ; गिरधारी सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी; राजेश सिंह, अध्यक्ष करणी सेना; शमसेर आलम; राजकुमार शाह तथा नारायण मांझी सहित बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

पत्रकारिता केवल पेशा नहीं बल्कि समाज को जगाने और सच सामने लाने का एक निस्वार्थ मिशन हैः डॉ रंजीत

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। नेशनलिस्ट यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स बिहार की जिला इकाई ने बैठक एक निजी उत्सव हॉल में आयोजित की। वार्षिक अधिवेशन में जिला कार्यकारिणी के गठन के साथ ही संगठन की आगामी गतिविधियों, कार्यक्रमों की रूपरेखा और पत्रकार हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान नए जिला कार्यकारिणी का गठन कर संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाने के लिए सदस्यों को अलग अलग जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। कार्यकारिणी में मनोज कुमार को महासचिव, पंकज कुमार को उपाध्यक्ष नारायण कुमार को कोषाध्यक्ष, सुनील कुमार को संयुक्त सचिव, वीरभद्र सिन्हा उर्फ गप्पू को सचिव तथा वरुण कुमार को संगठन के मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है। एक दिवसीय वार्षिक अधिवेशन के उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी सत्र में आगामी दिनों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत कार्य योजना भी तैयार की गई। इस दौरान कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए सदस्यों के बीच आपसी समन्वय बनाए रखने और जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने पर जोर दिया गया। संगठन की गतिविधियों को प्रखंड स्तर तक पहुंचाने तथा संगठन के विस्तार पर भी चर्चा हुई। इस दौरान बैठक में पत्रकारों की समस्याओं और उनके हितों से जुड़े विषयों को विभिन्न स्तरों पर प्रमुखता से उठाने का निर्णय लिया गया। पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान, अधिकार और कार्यक्षेत्र से जुड़ी समस्याओं को लेकर संबंधित अधिकारियों एवं विभागों के समक्ष मजबूती से आवाज रखने पर सहमति बनी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नव नियुक्त जिला अध्यक्ष डॉ रंजीत कुमार भारतीय ने पत्रकारों के बीच एकजुटता और बेहतर संवाद कायम करने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण और लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। पत्रकारों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संगठन लगातार प्रयास करेगा। उन्होंने सदस्यों का आह्वान करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने संगठन का निश्चय स्पष्ट करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में पत्रकार हित से जुड़े कार्यक्रमों को प्रभावी तरीके से आयोजित किया जाएगा। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र कुमार, जिलाध्यक्ष डॉ रंजीत कुमार भारतीय एवं संरक्षक रमेश कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान कार्यक्रम में आए मुख्य अतिथि देवेंद्र कुमार एवं प्रज्ञा युवा प्रकोष्ठ के सदस्यों को जिलाध्यक्ष ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन वरिष्ठ पत्रकार मनोज कुमार ने किया तो वहीं अधिवेशन में हिस्सा लेने वाले प्रमुख सदस्यों में मंटू कुमार, मो.एहतेशाम, बैकुंठ शर्मा, शेखर कुमार सहित कई अन्य लोग प्रमुख रूप से शामिल थे। कार्यक्रम में आए अतिथियों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए रमेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

बिस्टौल में तालाब किनारे करंट की चपेट में आने से बीएसएफ रिटायर्ड जवान की मौत

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)।बिस्टौल गांव में एक दर्दनाक हादसे में बीएसएफ से सेवानिवृत्त जवान गजेंद्र सिंह की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है, जबकि मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जाता है कि गजेंद्र सिंह तालाब के किनारे सब्जी तोड़ने के लिए गए थे। इसी दौरान वे बिजली के करंट की चपेट में आ गए। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन और आसपास के लोग उन्हें आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सक डॉ. एक नंदा और उनकी टीम ने गजेंद्र सिंह की जांच की। जांच के दौरान उनकी सांस और नाड़ी नहीं चल रही थी तथा रक्तचाप भी रिकॉर्ड नहीं हो रहा था। चिकित्सकीय जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजन अस्पताल में दहाड़ मारकर रोने लगे। गजेंद्र सिंह के निधन की खबर गांव में फैलते ही शोक की लहर दौड़ गई। बताया जाता है कि गजेंद्र सिंह बीएसएफ से सेवानिवृत्त होने के बाद गांव में रह रहे थे। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। नगर थाना प्रभारी उमेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गया में बिजली व्यवस्था को लेकर ऊर्जा सचिव का सख्त रुख उपभोक्ता शिकायतों के त्वरित समाधान का निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

गयाजी।जिले की विद्युत व्यवस्था को और बेहतर सुरक्षित व उपभोक्ता केंद्रित बनाने को लेकर ऊर्जा सचिव सह प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड अजय यादव भा.प्र.से. ने रविवार को गया-बोधगया में विद्युत परियोजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर बिजली आपूर्ति निर्माणाधीन परियोजनाओं अनुरक्षण कार्य और राजस्व संग्रहण की स्थिति की बारीकी से समीक्षा की।ऊर्जा सचिव ने साफ कहा कि उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली देना सर्वोच्च प्राथमिकता है।शिकायतों को लंबित रखने के बजाय उनका त्वरित और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। अधिकारियों और कर्मियों को उपभोक्ताओं के साथ संवेदनशील एवं सौहार्दपूर्ण व्यवहार करने का भी निर्देश दिया।निरीक्षण की शुरुआत 33/11 केवी विद्युत शक्ति उपकेंद्र, मगध विश्वविद्यालय से हुई। ऊर्जा सचिव ने विद्युत लाइनों और पावर सब-स्टेशनों के अनुरक्षण कार्यों का जायजा लिया तथा मुख्यालय की SOP के अनुसार नियमित अनुरक्षण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।इसके बाद उन्होंने बोधगया के दोमुहान में निर्माणाधीन पावर सब-स्टेशन का निरीक्षण किया। परियोजना की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों और एजेंसी को गुणवत्ता से समझौता किए बिना सभी कार्य समय सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि PSS के चालू होने से स्थानीय उपभोक्ताओं को बेहतर एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति में मदद मिलेगी।ऊर्जा सचिव ने 220/132/33 केवी ग्रिड सब-स्टेशन, बोधगया का भी निरीक्षण कर विद्युत आपूर्ति की व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

एम्स पटना में पुलिस उपाधीक्षक अधिकारियों को दी गई मेडिको लीगल ट्रेनिंग

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।सही साक्ष्य, वैज्ञानिक जांच और न्याय की मजबूत नींव।इन्हीं उद्देश्यों के साथ एम्स पटना के फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी विभाग ने शनिवार को पुलिस उपाधीक्षकों के पहले बैच के लिए आधे दिन का मेडिको लीगल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। बिहार पुलिस अकादमी, राजगीर के समन्वय से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिग.) डॉ. राजू अग्रवाल का अनुमोदन एवं मार्गदर्शन प्राप्त था। कार्यक्रम में 34 वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक अधिकारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का फोकस केवल जानकारी देने तक सीमित नहीं रहा बल्कि पुलिस अधिकारियों को यह समझाने पर रहा कि मेडिकल और फॉरेंसिक साक्ष्य किस तरह किसी जांच की दिशा और परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को इंक्वेस्ट, मृत्यु के बाद होने वाले शारीरिक बदलाव, पोस्टमार्टम की वैज्ञानिक प्रक्रिया, साक्ष्यों के संग्रह एवं संरक्षण, जैविक नमूनों की हैंडलिंग तथा एफएसएल में उनके विश्लेषण सहित कई महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का संचालन डॉ. अमित पाटिल, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, एफएमटी विभाग, के साथ प्रो. डॉ. बिनय कुमार, डॉ. अशोक रस्तोगी, डॉ. तोशल वानखेड़े और डॉ. चैतन्य मित्तल ने किया। विभाग के वरिष्ठ एवं जूनियर रेजिडेंट्स ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग दिया।

विश्व बंधुत्व रक्त महा अभियान का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, कंकड़बाग, पटना परिसर में विश्व बंधुत्व रक्त महा अभियान=के अंतर्गत विशाल रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अभियान का उद्देश्य मानवता की सेवा, आपसी भाईचारे एवं विश्व बंधुत्व की भावना को मजबूत करते हुए जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहयोग प्रदान करना है। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा समय-समय पर समाजहित एवं मानव कल्याण के लिए विभिन्न सेवा अभियानों का आयोजन किया जाता रहा है। कार्यक्रम में कुम्हरार विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज किया। विधायक ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन भी किया। तथा मानव सेवा के इस पुनीत कार्य के महत्व पर प्रकाश डाला । उन्होंने ने अपने जीवन के सच्ची घटनाओं को जिक्र करते हुए रक्तदान करने का आवाहन किया। मेरा परिवार रक्तदान से ही अभी तक ठीक-ठाक चल रहा है। इसीलिए रक्तदान करने से हमारे स्वास्थ्य भी ठीक रहता है और दूसरों को भी मदद मिल जाता है। रक्तदान महादान ही नहीं जीवन दान भी है। इस कार्यक्रम के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान को भूरी भूरी प्रशंसा किए। ब्रह्माकुमारी संस्थान से जुड़ने के लिए लोगों को आवाहन किया। अगर जीवन में शांति चाहिए तो इस संस्था से जुड़ना बहुत जरूरी है। अपने जीवन के बारे में भी बताया कि मैं बचपन से ही संस्था से जुड़ा हूं और मुझे बहुत लाभ हुआ। संस्था द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति महा अभियान का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री जी के आवाहन पर पूरे भारत में 10 करोड लोगों को नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी संगीता दीदी जी, संचालिका, ब्रह्माकुमारीज कंकड़बाग मुख्य सेवा केंद्र, पटना के मार्गदर्शन में किया गया। ब्रह्माकुमारी संगीता दीदी जी ने समाज के सभी वर्गों से अपील की है कि स्वस्थ एवं योग्य नागरिक इस महा अभियान में स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की सेवा में अपना योगदान दें। रक्तदान एक ऐसा महान कार्य है, जिसके माध्यम से हम किसी अनजान व्यक्ति के जीवन को बचाने में अपना अमूल्य योगदान दे सकते हैं। मानव व अपने जीवन के द्वारा ज्ञान गुण और शक्तियों का दान भी देकर लोगों को दुखों से छुटकारा दिला सकता है । मौके पर बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन पटना के महासचिव प्रेम कुमार ने माउंट आवु दर्शन के बारे में विस्तार से बताया । कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार आलोक कुमार, डॉ राजीव रंजन, अशोक दास, यूथ एजेंडा के सन्नी कुमार, प्रत्य अमृत , अनिमेश, राजा, अभिषेक समेत सैंकड़ो लोग उपस्थित रहे ।

शब्दवीणा की साहित्यिक शाम में डॉ. विकास शुक्ला ने बांधा समां, कविता को बताया संवेदना और नैतिक मूल्यों के जागरण का माध्यम

नई सोच एक्सप्रेस

गयाजी।राष्ट्रीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'शब्दवीणा' की हरियाणा प्रदेश एवं फरीदाबाद जिला समिति की ओर से आयोजित मासिक साहित्यिक भेंटवार्ता 'एक शाम साहित्य के नाम' का अगस्त अंक साहित्य और संवेदनाओं से सराबोर रहा। कार्यक्रम में आमंत्रित साहित्यकार के रूप में कवि एवं साहित्यकार डॉ विकास शुक्ला शामिल हुए। कार्यक्रम की संयोजिका एवं शब्दवीणा हरियाणा प्रदेश सचिव वरिष्ठ कवयित्री सरोज कुमार ने उनसे साहित्य, समाज, संस्कृति और जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर संवाद किया।डॉ विकास शुक्ला जापानी बहुराष्ट्रीय कंपनी सोज़ीत्ज़ में वरिष्ठ प्रबंधकीय दायित्व निभाने के साथ वर्ष 2002 से साहित्य साधना में सक्रिय हैं। शब्दवीणा की राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी एवं सरोज कुमार ने उनका अभिनंदन किया।वार्ता के दौरान डॉ. शुक्ला ने कहा कि कविता केवल भावों की अभिव्यक्ति नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं सकारात्मक सोच और नैतिक मूल्यों के जागरण का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कविता को जीवन के कटु और मधुर अनुभवों को शब्द देने का सशक्त माध्यम बताया। अपनी रचनाओं के माध्यम से उन्होंने शब्दों की रचनात्मक शक्ति और भावनाओं की गहराई को भी सामने रखा।कार्यक्रम में साहित्य और जीवन के रिश्ते पर चर्चा के दौरान डॉ. शुक्ला ने प्रयागराज की साहित्यिक सहजता और रचनात्मक वातावरण की सराहना की। वहीं सरोज कुमार ने फूल और पत्थर के प्रतीक के माध्यम से अपनी काव्य पंक्तियां प्रस्तुत कर संवाद को रोचक बना दिया।करीब एक घंटे चली इस साहित्यिक वार्ता को शब्दवीणा के केंद्रीय फेसबुक पेज के माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों से साहित्यप्रेमियों ने ऑनलाइन देखा और सराहा। डॉ विकास शुक्ला ने देशभर में शब्दवीणा की प्रदेश एवं जिला समितियों द्वारा किए जा रहे साहित्यिक आयोजनों की प्रशंसा करते हुए संस्था को प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्थाओं में से एक बताया।

साख में भी सेंध लगेगी

सियाम के पलटने से सिर्फ उसकी ही संदिग्ध नहीं हुई है, बल्कि सरकार पर भी सवाल उठे हैं। सबसे प्रमुख प्रश्न है कि क्या सियाम पर सरकार ने दबाव डाला, जैसाकि आरोप लग रहे हैं? सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबिल मैनुफैक्चरर्स (सियाम) ने पहले सरकार को पत्र लिखकर शिकायत की कि ई-20 (20 प्रतिशत इथॉनोल मिले) पेट्रोल से कारें खराब हो रही हैं। लेकिन अब सियाम ने यह कहते हुए वो पत्र वापस ले लिया है कि किसी नतीजे पर पहुंचने से पहले अभी और जानकारी की जरूरत है! ई-20 ईंधन को बड़ा सियासी मुद्दा बना चुके आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि कार कंपनियों के इस संगठन ने सरकार के दबाव में आकर पत्र वापस लिया। इस मुद्दे को लेकर सड़क पर उतरे सामाजिक कार्यकर्ता तहसीन पूनावाला ने सियाम के दोनों पत्रों में मौजूद 'खतरनाक० अंतर्विरोधों का उल्लेख करते हुए कहा है कि दबाव में हुए इस रुख परिवर्तन से भारतीय ऑटो उद्योग की प्रमुख संस्था की साख नष्ट हुई है।

अपने पहले पत्र में सियाम ने लिखा था- 'कारों में क्लोराइड प्रेसर के कारण पाट-पुर्जों को बदलने के मामलों में भारी बढ़ोतरी हुई है। ऐसा होने का संबंध ईंधन से पाया गया है।० बहरहाल, अपने इस ऑब्जर्वेशन से भले सियाम पलट गया हो, लेकिन इससे ई-20 से वाहनों हो रहे नुकसान, वाहन मेनटेनेंस खर्च में बढ़ोतरी, और माइलेज घटने जैसे वाहन उपभोक्ताओं के अनुभवों पर शायद ही कोई फर्क पड़े। दरअसल, बुधवार को जब सियाम के पलटने की खबर आई, लगभग उसी समय दिल्ली टैक्सी, टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एंड टुअर ऑपरेटर एसोसिएशन के दर्जनों सदस्य राष्ट्रीय राजधानी में सड़क पर उतर कर ईंधन में मिलावट के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे।

स्पष्टतः ये मुद्दा अब उस मुकाम पर पहुंच चुका है, जिसे केंद्र दरकिनार नहीं कर सकता है। यह अफसोसनाक है कि उसने इस मामले में भी धुआंधार प्रचार से शिकायत पर परदा डालने और तथ्यों को छिपाने का नजरिया अपनाया है। मगर ऐसे तरीके अब कारगर होते नहीं दिखते। असल में सियाम के पलटने से सिर्फ उसकी ही संदिग्ध नहीं हुई है, बल्कि सरकार पर भी सवाल उठे हैं। सबसे प्रमुख प्रश्न है कि क्या सियाम पर सरकार ने दबाव डाला, जैसाकि आरोप लग रहे हैं? अगर ये संदेह मजबूत हुआ, तो उससे सरकार की साख में भी सेंध लगेगी।

मध्यवर्गीय परिवार की कसौटी पर भारतीय अर्थव्यवस्था

आरती कुमारी

भारत की अर्थव्यवस्था की चर्चा होते ही तेज आर्थिक विकास, बढ़ती प्रति व्यक्ति आय, डिजिटल क्रांति, बढ़ता उपभोग और वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत होती आर्थिक स्थिति को उपलब्धियों के रूप में सामने रखा जाता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने बीते वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है और आर्थिक गतिविधियों का विस्तार भी दिखाई दे रहा है। लेकिन आर्थिक विकास की इस चमकदार तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश का मध्यवर्ग आज पहले की तुलना में अधिक कमाने के बावजूद आर्थिक दबाव महसूस कर रहा है। उसकी सबसे बड़ी चिंता यह है कि आमदनी बढ़ने की गति और जीवन की आवश्यकताओं तथा आकांक्षाओं की लागत के बीच अंतर बढ़ता जा रहा है। सवाल यह नहीं है कि देश की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि इस विकास का अनुभव सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार अपने मासिक बजट में किस तरह कर रहा है। मध्यवर्ग को भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है। यही वर्ग शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, वाहन, बीमा, बैंकिंग, पर्यटन और उपभोक्ता वस्तुओं की मांग को गति देता है। यही वर्ग अपनी आय का बड़ा हिस्सा बाजार में खर्च करता है और साथ ही भविष्य के लिए बचत तथा निवेश भी करता है। इसलिए मध्यवर्ग की आर्थिक स्थिति केवल परिवारों का निजी विषय नहीं, बल्कि देश की आर्थिक सेहत का महत्वपूर्ण संकेतक है। घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2023-24 के आंकड़े इस बदलाव को समझने में मदद करते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय ग्रामीण भारत में 4,122 रुपये और शहरी भारत में 6,996 रुपये रहा। शहरी क्षेत्रों में कुल उपभोग व्यय का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा गैर-खाद्य मदों पर खर्च हुआ, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह हिस्सा करीब 53 प्रतिशत रहा। इन आंकड़ों का महत्व केवल इस बात में नहीं है कि भारतीय परिवार कितना खर्च कर रहे हैं, बल्कि इस बात में भी है कि उनकी खर्च करने की प्राथमिकताएं किस तरह बदल रही हैं। आज का मध्यवर्ग केवल भोजन, कपड़े और मकान तक सीमित जरूरतों वाला वर्ग नहीं रह गया है। बेहतर शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा, सुरक्षित आवास, निजी वाहन, डिजिटल सुविधाएं, बीमा, मनोरंजन और पर्यटन उसकी जीवनशैली का हिस्सा बन चुके हैं। इनमें से अनेक खर्च अब विलासिता नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक जीवन की आवश्यकताओं का हिस्सा बनते जा रहे हैं। यहीं से 'आकांक्षात्मक महंगाई' का सवाल सामने आता है। सामान्य महंगाई में वस्तुओं और सेवाओं के दाम बढ़ते हैं, लेकिन आकांक्षात्मक महंगाई में बेहतर जीवन जीने की अपेक्षाएं भी लगातार बढ़ती हैं। माता-पिता अपने बच्चों को बेहतर स्कूल में पढ़ाना चाहते हैं। परिवार निजी अस्पताल की सुविधा चाहता है। युवा बेहतर मोबाइल, वाहन और डिजिटल सेवाओं का इस्तेमाल करना चाहता है। घर खरीदना, विदेश यात्रा करना, बच्चों को बेहतर करियर देना और भविष्य के लिए पर्याप्त निवेश करना अब मध्यवर्गीय परिवार की सामान्य आकांक्षाएं हैं। समस्या तब पैदा होती है जब इन आकांक्षाओं को पूरा करने की लागत आय की वृद्धि से तेज बढ़ने लगे। परिवार की कमाई बढ़ती है, लेकिन साथ ही स्कूल की फीस, मकान की ईएमआई, स्वास्थ्य बीमा, वाहन का खर्च, बिजली-पानी, इंटरनेट, परिवहन और रोजमर्रा की वस्तुओं का खर्च भी बढ़ता जाता है। नतीजा यह होता है कि वेतन बढ़ने के बावजूद परिवार को आर्थिक राहत महसूस नहीं होती।

शिक्षा और स्वास्थ्य सबसे बड़ा दबाव- मध्यवर्गीय परिवार के बजट पर सबसे गंभीर दबाव शिक्षा और स्वास्थ्य का है। बच्चों की अच्छी शिक्षा आज हर परिवार की प्राथमिकता है। इंजीनियरिंग, चिकित्सा, प्रबंधन या विदेश में उच्च शिक्षा जैसे विकल्पों की लागत कई परिवारों के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी है। माता-पिता बच्चों की पढ़ाई के लिए वर्षों पहले से बचत और निवेश की योजना बनाने को मजबूर हैं। स्वास्थ्य के मामले में स्थिति और अधिक संवेदनशील है। सामान्य बीमारी का खर्च भी निजी स्वास्थ्य सेवाओं के कारण परिवार के बजट को प्रभावित कर सकता है, जबकि गंभीर बीमारी की स्थिति में वर्षों की बचत कुछ ही समय में खत्म होने का खतरा रहता है। यही वजह है कि स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा अब मध्यवर्गीय परिवारों की वित्तीय योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा बनते जा रहे हैं। इस स्थिति से एक महत्वपूर्ण सवाल पैदा होता है—क्या आर्थिक विकास का लाभ तभी सार्थक माना जाएगा, जब परिवार शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए अपनी पूरी बचत जोखिम में डालने को मजबूर न हो?

घर का सपना और ईएमआई का बोझ- शहरी भारत में अपना घर होना आज भी मध्यवर्गीय परिवार के लिए सबसे बड़ा आर्थिक लक्ष्य है। लेकिन महानगरों और तेजी से विकसित हो रहे शहरों में जमीन और मकान की कीमतों ने इस सपने को महंगा बना दिया है। घर खरीदने के लिए लंबे समय की ईएमआई लेनी पड़ती है। ईएमआई केवल बैंक को दी जाने वाली मासिक किस्त नहीं है। इसके साथ रखरखाव, बिजली, पानी, पार्किंग, संपत्ति कर और आवागमन जैसी अतिरिक्त लागतें भी जुड़ती हैं। ऐसे में परिवार की आय का बड़ा हिस्सा स्थायी खर्चों में चला जाता है। इसका सीधा असर जीवनशैली पर पड़ता है। परिवार बाहर खाना कम करता है, पर्यटन का बजट घटाता है, महंगे उपभोक्ता सामान की खरीद टालता है और कई बार बच्चों की अतिरिक्त गतिविधियों तक में कटौती करता है। आर्थिक विकास के आंकड़ों में यह बदलाव हमेशा दिखाई नहीं देता, लेकिन परिवार के घरेलू बजट में इसका असर साफ दिखाई देता है।

डिजिटल क्रांति और खर्च का नया तरीका- डिजिटल अर्थव्यवस्था ने भारतीय जीवन को आसान बनाया है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन खरीदारी, भोजन की होम डिलीवरी, ओटीटी मंच और ऑनलाइन सेवाओं ने समय तथा सुविधा दोनों की बचत की है। लेकिन इसी सुविधा ने खर्च करने की आदत भी बदल दी है। पहले खरीदारी के लिए बाजार जाना पड़ता था। अब मोबाइल स्क्रीन पर कुछ क्लिक के बाद सामान घर पहुंच जाता है। छोटी-छोटी ऑनलाइन खरीदारी, डिजिटल सदस्यताएं और मनोरंजन पर होने वाले खर्च महीने के अंत में बड़ी राशि में बदल सकते हैं। इसलिए डिजिटल सुविधा के साथ वित्तीय अनुशासन भी जरूरी है। आधुनिक तकनीक का लाभ उठाना अच्छी बात है, लेकिन सुविधा को अनावश्यक उपभोग में बदलने से रोकना भी परिवार की आर्थिक समझदारी का हिस्सा है।

महंगाई केवल आंकड़ा नहीं, अनुभव भी है- महंगाई को आमतौर पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर मापा जाता है। यह आर्थिक नीति और मुद्रास्फीति नियंत्रण के लिए आवश्यक है। लेकिन किसी परिवार का महंगाई का अनुभव केवल राष्ट्रीय औसत से तय नहीं होता। जिस परिवार के बजट में भोजन का हिस्सा अधिक है, उसे खाद्य कीमतों में बदलाव ज्यादा प्रभावित करेगा। जिस परिवार के बच्चों की निजी स्कूल में पढ़ाई होती है, उसके लिए शिक्षा खर्च महत्वपूर्ण होगा। किसी अन्य परिवार के लिए स्वास्थ्य, परिवहन या आवास का खर्च सबसे बड़ा दबाव हो सकता है। यही कारण है कि सरकारी आंकड़ों में मुद्रास्फीति नियंत्रित दिखाई देने के बावजूद किसी परिवार को अपनी मासिक खरीदारी पहले से महंगी महसूस हो सकती है। आंकड़े और व्यक्तिगत अनुभव एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं; दोनों अलग-अलग वास्तविकताओं को सामने रखते हैं।

बचत की संस्कृति में बदलाव- भारतीय मध्यवर्ग की पारंपरिक पहचान बचत से रही है। बैंक जमा, सोना और जमीन जैसे साधन लंबे समय तक परिवारों की प्राथमिकता रहे हैं। अब निवेश के विकल्प तेजी से बढ़े हैं। म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार, पेंशन योजनाएं और अन्य वित्तीय साधनों में मध्यवर्ग की रुचि बढ़ी है। यह बदलाव सकारात्मक है, क्योंकि वित्तीय निवेश परिवार की संपत्ति निर्माण में मदद कर सकता है। लेकिन अधिक रिटर्न की उम्मीद में बिना जोखिम समझे निवेश करना खतरनाक भी हो सकता है। वित्तीय साक्षरता इसलिए पहले से अधिक जरूरी हो गई है। मध्यवर्ग को केवल अधिक कमाने की नहीं, बल्कि सही तरीके से बचाने, निवेश करने और जोखिम का प्रबंधन करने की संस्कृति विकसित करनी होगी। आकस्मिक बीमारी, नौकरी जाने या अन्य आर्थिक संकट की स्थिति में आपातकालीन निधि भी परिवार की वित्तीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार है।

समाधान केवल वेतन बढ़ाने से नहीं- मध्यवर्गीय आर्थिक दबाव का समाधान केवल आय बढ़ाने तक सीमित नहीं हो सकता। यदि आय बढ़ती रहे लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और परिवहन की लागत भी उसी गति से बढ़ती रहे, तो वास्तविक आर्थिक राहत सीमित ही रहेगी। इसलिए सरकार को गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक सेवाओं पर विशेष ध्यान देना होगा। अच्छे सरकारी स्कूल और कॉलेज, मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था, सस्ती और विश्वसनीय सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था तथा प्रभावी सामाजिक सुरक्षा का विस्तार मध्यवर्गीय परिवारों के आर्थिक बोझ को काफी कम कर सकता है। रोजगार की गुणवत्ता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। केवल रोजगार के अवसरों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं है।

परीक्षा व्यवस्था में भरोसा लौटाना समय की जरूरत

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

भारत की शिक्षा व्यवस्था लंबे समय से बदलाव की मांग कर रही है। देश में स्कूलों और विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ी है, उच्च शिक्षा के अवसरों का विस्तार हुआ है और डिजिटल तकनीक ने पढ़ाई के तौर-तरीकों को बदल दिया है। इसके बावजूद परीक्षा प्रणाली को लेकर विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के मन में अनेक सवाल बने हुए हैं। पेपर लीक, नकल, परीक्षा परिणामों में देरी, तकनीकी गड़बड़ियां, अलग-अलग परीक्षाओं के अलग मानक और प्रतियोगी परीक्षाओं का बढ़ता दबाव जैसी चुनौतियों ने परीक्षा व्यवस्था में विश्वास को प्रभावित किया है। ऐसे समय में केंद्र सरकार की ओर से परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की पहल महत्वपूर्ण मानी जानी चाहिए। उद्यमी और तकनीक की दुनिया के जाने-माने विशेषज्ञ नंदन नीलेकनी के नेतृत्व में विशेषज्ञ टीम को भारतीय परीक्षा प्रणाली में सुधार और विश्वास बहाल करने के लिए सुझाव देने की जिम्मेदारी दिया जाना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल केवल परीक्षा के तौर-तरीकों में बदलाव तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसका लक्ष्य शिक्षा व्यवस्था में ऐसी समानता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता स्थापित करना होना चाहिए, जिसमें देश के हर विद्यार्थी को अपनी प्रतिभा साबित करने का समान अवसर मिले। नंदन नीलेकनी का नाम तकनीक, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और बड़े स्तर की प्रणालियों के निर्माण से जुड़ा रहा है। परीक्षा व्यवस्था भी अब केवल प्रश्नपत्र छापने और परीक्षा केंद्रों तक सीमित नहीं रह गई है। यह एक विशाल डिजिटल और प्रशासनिक प्रणाली बन चुकी है, जिसमें लाखों विद्यार्थियों का पंजीकरण, पहचान सत्यापन, परीक्षा केंद्रों का प्रबंधन, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, ऑनलाइन आवेदन, मूल्यांकन और परिणाम शामिल हैं। इसलिए परीक्षा सुधार में तकनीकी विशेषज्ञता की भूमिका बढ़ गई है। लेकिन तकनीक को समाधान का एक हिस्सा मानना होगा, पूरा समाधान नहीं। परीक्षा प्रणाली का संबंध विद्यार्थी की सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि, स्कूल की गुणवत्ता, शिक्षक की उपलब्धता, भाषा, इंटरनेट सुविधा और परिवार की आर्थिक क्षमता से भी है। इसलिए विशेषज्ञ समिति को तकनीक और शिक्षा, दोनों को साथ लेकर चलना होगा। परीक्षा सुधार की चर्चा अक्सर पेपर लीक या नकल रोकने तक सीमित हो जाती है। निश्चित रूप से प्रश्नपत्र की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन परीक्षा व्यवस्था की समस्याएं इससे कहीं बड़ी हैं। मान लीजिए किसी परीक्षा में पेपर लीक नहीं हुआ, लेकिन परीक्षा केंद्र दूर-दराज के क्षेत्र में है, किसी विद्यार्थी के पास गुणवत्तापूर्ण तैयारी के साधन नहीं हैं और किसी दूसरे विद्यार्थी ने महंगे कोचिंग संस्थान से तैयारी की है। दोनों को एक जैसा प्रश्नपत्र मिलने के बावजूद उनके अवसर समान नहीं कहे जा सकते। यही कारण है कि परीक्षा में समानता स्थापित करने का अर्थ केवल समान प्रश्नपत्र देना नहीं, बल्कि समान अवसर उपलब्ध कराना भी है। आज एक बड़ी समस्या यह है कि कई बार शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान अर्जित करने के बजाय परीक्षा पास करना बन जाता है। विद्यार्थी पाठ्यक्रम को समझने के बजाय संभावित प्रश्नों की तैयारी करने लगते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अलग कोचिंग व्यवस्था विकसित हो गई है। इससे दो समानांतर व्यवस्थाएं बनती दिखाई देती हैं- एक औपचारिक शिक्षा व्यवस्था और दूसरी परीक्षा-केंद्रित तैयारी व्यवस्था। इस अंतर को कम करना जरूरी है। यदि स्कूल और कॉलेज विद्यार्थियों को तार्किक सोच, समस्या समाधान, विश्लेषण, रचनात्मकता और विषय की वास्तविक समझ विकसित करने में सक्षम बनाएं, तो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का बोझ भी कम हो सकता है। देश में कोचिंग संस्थानों का विस्तार अपने आप में समस्या नहीं है। समस्या तब पैदा होती है जब विद्यार्थी को यह विश्वास होने लगे कि बिना महंगी कोचिंग के वह किसी बड़ी परीक्षा में सफल नहीं हो सकता है। यह धारणा सामाजिक असमानता को बढ़ा सकती है। शहरों में रहने वाले और आर्थिक रूप से सक्षम परिवारों के विद्यार्थियों को बेहतर कोचिंग, टेस्ट सीरीज, डिजिटल सामग्री और विशेषज्ञ शिक्षकों तक पहुंच मिल सकती है। दूसरी ओर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थी सीमित संसाधनों के साथ तैयारी करते हैं। इसलिए परीक्षा सुधार के साथ सार्वजनिक शिक्षा की गुणवत्ता मजबूत करना भी आवश्यक है। भारत विविधताओं का देश है। यहां अलग-अलग भाषाएं, सामाजिक परिस्थितियां, आर्थिक स्तर और शैक्षिक संसाधन हैं। ऐसी स्थिति में परीक्षा व्यवस्था को ऐसा बनाया जाना चाहिए कि विविधता प्रतिभा के रास्ते में बाधा न बने। भाषा के प्रश्न पर भी संवेदनशील दृष्टिकोण जरूरी है। विद्यार्थियों को अपनी सुविधा और परीक्षा की प्रकृति के अनुरूप पर्याप्त भाषाई विकल्प मिलने चाहिए। प्रश्नों का अनुवाद केवल शब्दों का अनुवाद न होकर अर्थ की समानता सुनिश्चित करने वाला होना चाहिए। इसी तरह दिव्यांग विद्यार्थियों, दूर-दराज के क्षेत्रों के विद्यार्थियों और डिजिटल संसाधनों से वंचित छात्रों की जरूरतों को भी सुधार प्रक्रिया में शामिल करना होगा। भविष्य की परीक्षा व्यवस्था में तकनीक की भूमिका निश्चित रूप से बढ़ेगी। ऑनलाइन आवेदन, डिजिटल पहचान, कंप्यूटर आधारित परीक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी और डिजिटल मूल्यांकन जैसी व्यवस्थाएं परीक्षा को अधिक तेज और पारदर्शी बना सकती हैं। लेकिन तकनीक के साथ नए जोखिम भी आते हैं। साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, सर्वर की विश्वसनीयता, तकनीकी खराबी और डिजिटल विभाजन जैसी चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इसलिए डिजिटल परीक्षा प्रणाली ऐसी होनी चाहिए जिसमें तकनीकी गड़बड़ी होने पर विद्यार्थी को नुकसान न उठाना पड़े। तकनीक का उद्देश्य परीक्षा को कठिन बनाना नहीं, निष्पक्ष बनाना होना चाहिए। विद्यार्थियों के लिए परीक्षा की तारीखों में अनिश्चितता भी बड़ी समस्या है। परीक्षा कब होगी, परिणाम कब आएगा, काउंसलिंग कब होगी और प्रवेश कब मिलेगा। इन सवालों के स्पष्ट उत्तर नहीं मिलने पर विद्यार्थी और अभिभावक मानसिक दबाव में रहते हैं। एक भरोसेमंद राष्ट्रीय परीक्षा कैलेंडर इस समस्या को काफी हद तक कम कर सकता है। यदि प्रमुख परीक्षाओं की तारीखें पहले से तय हों और उनमें अनावश्यक बदलाव न हो, तो विद्यार्थी बेहतर योजना बनाकर तैयारी कर सकेंगे। परीक्षा का परिणाम केवल अंक नहीं है। वह विद्यार्थी के भविष्य के कई दरवाजे खोलता या बंद करता है। इसलिए मूल्यांकन प्रणाली में विश्वसनीयता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मूल्यांकन में मानवीय त्रुटियों को कम करने, उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षित जांच, पुनर्मूल्यांकन की स्पष्ट व्यवस्था और शिकायत निवारण की पारदर्शी प्रणाली आवश्यक है। विद्यार्थी को यह विश्वास होना चाहिए कि यदि उसके साथ कोई गलती हुई है तो वह अपनी बात प्रभावी ढंग से रख सकता है और उसकी शिकायत पर निष्पक्ष कार्रवाई होगी। देश में परीक्षा केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता में भी काफी अंतर है। महानगरों में आधुनिक सुविधाओं वाले केंद्र उपलब्ध हैं, जबकि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं भी कई बार चुनौती बन जाती है। परीक्षा केंद्रों के लिए न्यूनतम राष्ट्रीय मानक तय किए जा सकते हैं। बिजली, इंटरनेट, सुरक्षा, बैठने की व्यवस्था, शौचालय, दिव्यांग अनुकूल सुविधाएं और आपातकालीन व्यवस्थाओं को अनिवार्य मानकों में शामिल किया जाना चाहिए।परीक्षा प्रणाली को बदलने के साथ शिक्षक व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाले कर्मचारी नहीं है, बल्कि विद्यार्थी की सीखने की प्रक्रिया के प्रमुख आधार हैं। यदि शिक्षक को आधुनिक शिक्षण तकनीकों, मूल्यांकन पद्धतियों और डिजिटल उपकरणों का प्रशिक्षण दिया जाए, तो शिक्षा का स्तर स्वाभाविक रूप से बेहतर होगा। शिक्षक प्रशिक्षण को भी परीक्षा सुधार की व्यापक योजना का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। भारतीय शिक्षा व्यवस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक रटने की प्रवृत्ति है। विद्यार्थी यदि किसी विषय को समझने के बजाय केवल याद करके परीक्षा में लिखता है, तो शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है। नई परीक्षा प्रणाली में ऐसे प्रश्नों को बढ़ावा देना चाहिए जो विद्यार्थी की समझ, विश्लेषण, तर्क और समस्या समाधान क्षमता की जांच करें। इससे परीक्षा में सफलता का अर्थ केवल याददाश्त नहीं, बल्कि वास्तविक ज्ञान और क्षमता बन सकेगा। भारत में कई विद्यार्थियों के लिए एक परीक्षा जीवन-मरण का प्रश्न बन जाती है। किसी एक परीक्षा में असफल होना उनके लिए पूरे भविष्य को अंधकारमय महसूस करा सकता है। इस मानसिक दबाव को कम करने के लिए परीक्षा प्रणाली में अधिक अवसर, पारदर्शी पुनर्परीक्षा और कौशल आधारित विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। विद्यार्थी का भविष्य किसी एक दिन, किसी एक प्रश्नपत्र या कुछ घंटों की परीक्षा से पूरी तरह निर्धारित नहीं होना चाहिए। भारत की शिक्षा व्यवस्था में केंद्र और राज्यों, दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षा सुधार करते समय राज्यों के अनुभवों और जरूरतों को भी शामिल करना होगा। राज्यों के शिक्षा विभाग, विश्वविद्यालय, परीक्षा संस्थाएं, शिक्षक संगठन, विद्यार्थी प्रतिनिधि और विशेषज्ञ, सभी की राय इस प्रक्रिया को अधिक व्यापक बना सकती है। सुधार ऊपर से नीचे थोपा हुआ मॉडल न होकर व्यापक परामर्श पर आधारित होना चाहिए। आधुनिक परीक्षा व्यवस्था में डेटा का उपयोग बेहतर निर्णय लेने के लिए किया जा सकता है। परीक्षा के परिणामों, प्रश्नों की कठिनाई, विषयवार प्रदर्शन, क्षेत्रीय असमानता और विद्यार्थियों की सफलता के पैटर्न का विश्लेषण कर शिक्षा व्यवस्था में कमजोरियों की पहचान की जा सकती है। लेकिन डेटा के उपयोग के साथ निजता और सुरक्षा का ध्यान रखना भी अनिवार्य होगा। विद्यार्थी का व्यक्तिगत डेटा केवल आवश्यक उद्देश्य के लिए और सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल होना चाहिए।

श्रावण में शिव की महिमा : आस्था, साधना और आत्मसंयम का सनातन संदेश

आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी
कटिहार, बिहार

भारतीय संस्कृति में श्रावण केवल वर्षा, हरियाली और ऋतु परिवर्तन का महीना नहीं है; यह भगवान शिव की आराधना, साधना, संयम और आत्मचिंतन का पवित्र काल है। वर्षा की बूंदों से जब धरती तृप्त होती है, खेतों में हरियाली उतरती है और प्रकृति नया जीवन धारण करती है, उसी समय भारतीय समाज के करोड़ों लोग भगवान शिव की आराधना में लीन हो जाते हैं। मंदिरों में घंटियाँ गूंजती हैं, शिवलिंग पर जलाभिषेक होता है, कांवड़ यात्राएँ निकलती हैं और "हर हर महादेव" का उद्घोष वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देता है। श्रावण का यह धार्मिक स्वरूप केवल कर्मकांड तक सीमित नहीं है; इसके भीतर जीवन को देखने, समझने और संयमित करने का गहरा दर्शन छिपा हुआ है। भगवान शिव सनातन परंपरा के ऐसे देवता हैं जिनका स्वरूप जितना सरल दिखाई देता है, उनका दर्शन उतना ही गहन है। वे राजसी वैभव के देवता नहीं, बल्कि वैराग्य और तपस्या के प्रतीक हैं। उनके शरीर पर भस्म है, गले में सर्प है, मस्तक पर चंद्रमा है, जटाओं में गंगा विराजमान हैं, हाथ में त्रिशूल है और वे कैलाश जैसे निर्जन स्थान को अपना धाम बनाते हैं। यह स्वरूप मनुष्य को बताता है कि वास्तविक शक्ति बाहरी प्रदर्शन में नहीं, बल्कि आत्मसंयम, धैर्य और अंतर्मन की स्थिरता में निहित है। श्रावण में शिव की पूजा इसलिए भी विशेष मानी जाती है कि इस काल में प्रकृति स्वयं शिव के तपस्वी स्वरूप के साथ एक अद्भुत सामंजस्य स्थापित करती प्रतीत होती है। वर्षा की धारा, हिमालय की स्मृति, नदियों का प्रवाह और धरती की हरियाली मनुष्य को जीवन के मूल स्रोतों से जोड़ती है। शिव जल, प्रकृति और जीवन के संरक्षण की चेतना से भी जुड़े हुए हैं। शिवलिंग पर जल चढ़ाने की परंपरा केवल धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि जल के प्रति भारतीय सभ्यता की श्रद्धा का भी प्रतीक मानी जा सकती है। शिव का सबसे बड़ा संदेश शायद यही है कि जीवन में विष भी आएगा और अमृत भी। समुद्र मंथन की कथा में जब हलाहल विष निकला और उससे संसार के विनाश का संकट उत्पन्न हुआ, तब भगवान शिव ने उस विष को अपने कंठ में धारण किया। इसी कारण वे नीलकंठ कहलाए। इस कथा का आध्यात्मिक अर्थ अत्यंत गहरा है। समाज में अनेक प्रकार की नकारात्मकता, कटुता, संघर्ष, ईर्ष्या और विषैले विचार उत्पन्न होते हैं। हर व्यक्ति यदि उस विष को आगे बढ़ाता रहे तो समाज विषाक्त हो जाएगा। शिव का आदर्श हमें सिखाता है कि नकारात्मकता को अपने भीतर रोकना चाहिए, उसे दूसरों तक फैलाना नहीं चाहिए। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि मनुष्य अन्याय को स्वीकार कर ले। शिव का त्रिशूल यह भी बताता है कि करुणा के साथ शक्ति आवश्यक है। शिव ध्यानमग्न भी हैं और रौद्र रूप धारण करने वाले भी। वे योगी भी हैं और नटराज भी। वे करुणा के प्रतीक भी हैं और अधर्म के विनाश की शक्ति भी। यही शिव की पूर्णता है—जहाँ आवश्यकता हो वहाँ धैर्य, जहाँ आवश्यकता हो वहाँ करुणा और जहाँ आवश्यकता हो वहाँ अन्याय के विरुद्ध दृढ़ प्रतिरोध। श्रावण की कांवड़ यात्रा इस सामूहिक आस्था का विशाल रूप है। लाखों श्रद्धालु कठिन यात्रा करते हैं, गंगाजल लाते हैं और शिवालयों में जलाभिषेक करते हैं। इस यात्रा में शारीरिक कठिनाई के साथ मानसिक अनुशासन भी जुड़ा होता है। अनेक कांवड़िए यात्रा के दौरान संयम, सात्त्विक भोजन, अनुशासन और धार्मिक आचरण का पालन करते हैं। आधुनिक समय में कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं रही; यह सामाजिक एकजुटता और सामूहिक आस्था की भी बड़ी अभिव्यक्ति बन गई है। लेकिन यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी है। क्या शिव की भक्ति केवल ऊँचे स्वर में "हर हर महादेव" कहने तक सीमित रहनी चाहिए? क्या मंदिर में जल चढ़ा देना ही शिवभक्ति की पूर्णता है? यदि शिव को प्रसन्न करना है तो उनके जीवन-दर्शन को भी समझना होगा। शिव की पूजा के साथ यदि मनुष्य क्रोध, अहंकार, छल, हिंसा, नशा, भ्रष्टाचार और दूसरों के प्रति घृणा को नहीं छोड़ता, तो उसकी पूजा अधूरी रह जाती है। शिव का तीसरा नेत्र ज्ञान और विवेक का प्रतीक माना जाता है। सामान्य दो आँखें बाहरी संसार को देखती हैं, लेकिन तीसरा नेत्र अंतर्दृष्टि का प्रतीक है। आज के समय में यह संदेश विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। सूचना के विस्फोट और सामाजिक माध्यमों के दौर में मनुष्य के पास जानकारी बहुत है, लेकिन विवेक उतना ही आवश्यक है। हर संदेश सत्य नहीं होता, हर वायरल वीडियो वास्तविक नहीं होता और हर उत्तेजक बात प्रतिक्रिया की पात्र नहीं होती। शिव का तीसरा नेत्र हमें विवेकपूर्ण दृष्टि विकसित करने का संदेश देता है। शिव के मस्तक पर स्थित चंद्रमा मन की शीतलता का प्रतीक माना जाता है। मनुष्य के जीवन में परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों, निर्णय लेते समय मन को संतुलित रखना आवश्यक है। आज समाज में क्रोध, असहिष्णुता और तत्काल प्रतिक्रिया की प्रवृत्ति बढ़ रही है। छोटी-सी बात पर विवाद, सामाजिक माध्यमों पर कटुता और वैचारिक मतभेद का व्यक्तिगत शत्रुता में बदल जाना चिंताजनक है। शिव का शांत मुख हमें बताता है कि शक्ति का अर्थ केवल आक्रामकता नहीं, बल्कि स्वयं पर नियंत्रण भी है। उनकी जटाओं में विराजमान गंगा भारतीय संस्कृति में पवित्रता और जीवनदायिनी शक्ति का प्रतीक है। गंगा को शिव ने अपनी जटाओं में धारण किया, ताकि उसकी प्रचंड धारा पृथ्वी को विनाशकारी आघात न दे। इस प्रतीक में प्रकृति के संतुलन का अद्भुत संदेश छिपा है। आज जब नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, जलस्रोत सूख रहे हैं और हिमालय पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब शिवभक्ति का वास्तविक अर्थ जल और प्रकृति की रक्षा से भी जुड़ना चाहिए। यदि हम गंगा को शिव की जटाओं से निकलने वाली पवित्र धारा मानते हैं, तो उसमें कूड़ा-कचरा डालना हमारी धार्मिक चेतना के विपरीत है। शिव के गले का सर्प भी प्रतीकात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जिस जीव से सामान्य मनुष्य भयभीत होता है, शिव उसे अपने गले में धारण करते हैं। इसका संदेश यह हो सकता है कि भय पर विजय प्राप्त करने के लिए मनुष्य को अपने भीतर साहस और संतुलन पैदा करना होगा। शिव हमें प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का भाव भी सिखाते हैं। उनके साथ नंदी, सर्प, गण और अनेक जीवों की कल्पना हमें मनुष्य और प्रकृति के बीच संबंध की याद दिलाती है। भगवान शिव का नंदी के साथ संबंध भी श्रद्धा और निष्ठा का प्रतीक है। मंदिरों में नंदी की दृष्टि शिवलिंग की ओर रहती है। यह एकाग्रता का संदेश देता है। आज मनुष्य का ध्यान अनेक दिशाओं में बिखरा हुआ है। मोबाइल, सामाजिक माध्यम, उपभोक्तावाद और निरंतर भागती जीवनशैली ने मन की शांति को प्रभावित किया है। श्रावण का महीना मनुष्य को कुछ समय स्वयं के भीतर लौटने का अवसर देता है। शिव की आराधना में सोमवार का विशेष महत्व माना जाता है। श्रावण के सोमवार को मंदिरों में विशेष भीड़ होती है। श्रद्धालु उपवास रखते हैं, जलाभिषेक करते हैं और शिव मंत्रों का जाप करते हैं। लेकिन उपवास का वास्तविक अर्थ केवल भोजन से विरत रहना नहीं, बल्कि इंद्रियों और विचारों पर संयम स्थापित करना भी है। यदि पेट खाली है लेकिन मन में ईर्ष्या, द्वेष और अहंकार भरा है तो उपवास की आध्यात्मिक सार्थकता अधूरी रह जाती है। श्रावण हमें परिवार और समाज के प्रति भी जिम्मेदारी का संदेश देता है। भगवान शिव का परिवार भारतीय धार्मिक परंपरा में अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। शिव, पार्वती, गणेश और कार्तिकेय का परिवार विविध स्वभावों और शक्तियों का प्रतीक है। इस परिवार में मतभेदों के बावजूद एकता है। आज जब संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, पीढ़ियों के बीच दूरी बढ़ रही है और वृद्ध माता-पिता की उपेक्षा की घटनाएँ सामने आती हैं, तब शिव-पार्वती परिवार का प्रतीक हमें पारिवारिक दायित्वों की याद दिलाता है। शिव की महिमा का एक महत्वपूर्ण पक्ष उनका सहज और सुलभ होना है। वे ऐसे देवता माने जाते हैं जिन्हें बड़े-बड़े राजसी भोग की आवश्यकता नहीं; जल, बेलपत्र और श्रद्धा से उनकी पूजा की जाती है। इसका सामाजिक संदेश भी महत्वपूर्ण है—ईश्वर की आराधना में आर्थिक असमानता बाधा नहीं होनी चाहिए। गरीब और अमीर, राजा और साधारण व्यक्ति, सभी समान भाव से शिव के सामने खड़े हो सकते हैं। यही सनातन परंपरा की समावेशी शक्ति है।आज श्रावण में धार्मिक पर्यटन और तीर्थयात्राओं का विस्तार भी हो रहा है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को रोजगार मिलता है, छोटे व्यापारियों, परिवहन क्षेत्र, होटल, प्रसाद और हस्तशिल्प से जुड़े लोगों को आर्थिक अवसर मिलते हैं। लेकिन इसके साथ स्वच्छता, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी भी बढ़ती है। धार्मिक आस्था और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को साथ लेकर चलना ही आधुनिक समय की आवश्यकता है। श्रावण की भक्ति को नशामुक्ति और सदाचार से जोड़ना भी अत्यंत उपयोगी होगा। शिव को योगी और तपस्वी के रूप में स्मरण करने वाला समाज यदि नशे, हिंसा और अपराध से दूर रहने का संकल्प ले तो धार्मिक आस्था सामाजिक परिवर्तन की शक्ति बन सकती है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी के लिए श्रावण केवल धार्मिक उत्सव न होकर आत्मअनुशासन का अवसर बन सकता है। शिव की आराधना हमें यह भी सिखाती है कि विनाश के बाद सृजन संभव है। शिव संहार के देवता कहे जाते हैं, लेकिन उनका संहार अराजकता का नहीं, अधर्म और जड़ता का है। जीवन में भी कई बार पुरानी बुराइयों को समाप्त करके नई शुरुआत करनी पड़ती है। बुरी आदतों का त्याग, नकारात्मक विचारों से मुक्ति, अहंकार का विनाश और अनुशासित जीवन की शुरुआत—यह भी शिव साधना का एक रूप हो सकता है। श्रावण इसलिए केवल कैलेंडर का एक महीना नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन का जीवंत अध्याय है।

हर खबर पर पैनी नज़र
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

मोटोरोला ने लॉन्च किया नया मोटो जी मैक्स, 27,999 रुपये में उपलब्ध

रांची। मोबाइल टेक्नोलॉजी में ग्लोबल लीडर और भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने ऑल-न्यू मोटो जी मैक्स लॉन्च किया। यह इस सेगमेंट का सबसे कम्प्लीट स्मार्टफोन है, जिसे उन उपभोक्ताओं के लिए डिज़ाइन किया गया है जो प्रीमियम डिजाइन, असाधारण टिकाऊपन, प्रो-ग्रेड फोटोग्राफी, दमदार परफॉर्मेंस और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी लाइफ चाहते हैं। मोटोरोला इंडिया के प्रबंध निदेशक टी एम नरसिम्हन ने कहा कि मोटोरोला में हमारा मानना है कि स्मार्टफोन अब सिर्फ एक फोन नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। नए मोटो जी मैक्स में हमने शानदार डिजाइन और सैटिन फिनिश के साथ बेहतरीन कैमरा, दमदार बैटरी, तेज़ परफ़ॉरमेंस और टिकाऊपन को एक साथ शामिल किया है। फोटो खींचने और जुड़े रहने से लेकर काम, गेमिंग और मनोरंजन तक, यह फोन उन लोगों के लिए बिल्कुल सही है जो अपने स्मार्टफोन से कुछ ज्यादा की उम्मीद रखते हैं। यह स्मार्टफोन पैंटोन स्टारगेज़र, पैंटोन अलास्कन ब्लू और पैंटोन मालागा रंगों में उपलब्ध होगा जिसकी 6 जीबी प्लस 128 जीबी की कीमत 27999 रुपये है।

सांसद खेल महोत्सव-2026 का हजारीबाग में खेल महाकुंभ का हुआ शंखनाद

हजारीबाग।हजारीबाग के एंजल्स हाई स्कूल परिसर में सांसद खेल महोत्सव-2026 के शंखनाद के उपलक्ष्य में 'सांसद-बीजेपी कार्यकर्ता संवाद' का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और सांसद मनीष जायसवाल सहित कई विधायक एवं 600 से अधिक कार्यकर्ता व खेलप्रेमी शामिल हुए। महोत्सव का मुख्य उद्देश्य हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव में खेल का वातावरण बनाना है। इस आयोजन में 22 प्रखंडों के 50,000 से अधिक खिलाड़ी 12 विभिन्न खेलों में भाग लेंगे। केवल नमो फुटबॉल टूर्नामेंट में ही 1,500 से अधिक टीमें हिस्सा लेंगी। मुख्य अतिथि बाबूलाल मरांडी ने सांसद मनीष जायसवाल के जनसेवा कार्यों और वार्षिक सेवा कैलेंडर की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' के संकल्प को धरातल पर उतारने का बड़ा प्रयास है। सांसद मनीष जायसवाल ने इसे केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवाओं को नशामुक्त, अनुशासित और स्वस्थ जीवन से जोड़ने का जनअभियान बताया। उन्होंने घोषणा की कि इस वर्ष 30 अगस्त 2026 को सदर विधानसभा के दारू प्रखंड से नमो फुटबॉल टूर्नामेंट के साथ प्रतियोगिताओं का आगाज होगा।

छोटा सा सहयोग भी बच्चियों के भविष्य को नई दिशा दे सकता है : राखी झुनझुनवाला

गिरिडीह। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन ने सराहनीय पहल की है। क्लब ने कार्मेल हिंदी मीडियम स्कूल की तीन जरूरतमंद छात्राओं की पूरे वर्ष की स्कूल फीस का भुगतान किया। PDC पूनम सहाय ने कहा कि एक लड़की को शिक्षित करने से पूरा परिवार और समाज सशक्त होता है। इस सहयोग में PDC पूनम सहाय, सुलोचना कुमारी और बरखा अग्रवाल ने आर्थिक योगदान दिया। क्लब अध्यक्ष राखी झुनझुनवाला ने कहा कि छोटा सा सहयोग भी बच्चियों के भविष्य को नई दिशा दे सकता है। वहीं, विद्यालय प्रबंधन ने क्लब के प्रयास की सराहना करते हुए आभार जताया। उल्लेखनीय है कि 18 अगस्त के 'PRERNA' कार्यक्रम में स्कूल की छात्राओं ने झारखंडी लोकनृत्य प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया था।

लातेहार में होमगार्ड बहाली प्रक्रिया जल्द शुरू करने को लेकर जिप उपाध्यक्ष अनिता देवी ने की पहल

लातेहार। जिले में लंबे समय से होमगार्ड (गृह रक्षा वाहिनी) बहाली का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला परिषद उपाध्यक्ष अनिता देवी से उनके आवास में मुलाकात करके एक ज्ञापन सौंपा। अभ्यर्थियों का नेतृत्व तोपा बारला , कुलदीप बैठा, निरंजन रजक समेत अन्य युवाओं ने किया। अभ्यर्थियों ने उपाध्यक्ष को अवगत कराया कि झारखंड के कई अन्य जिलों में होमगार्ड बहाली की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन लातेहार में अब तक ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया चालू नहीं की गई है। बहाली में हो रहे विलंब के कारण युवाओं का बहुमूल्य समय निकल रहा है और उनमें निराशा व्याप्त हो रही है। युवाओं ने जिला परिषद उपाध्यक्ष से इस मामले में हस्तक्षेप करते हुये आवेदन प्रक्रिया शुरू कराने का आग्रह किया। मामले की गंभीरता को देखते हुये उपाध्यक्ष अनिता देवी ने तुरंत लातेहार होमगार्ड के कमांडेंट से दूरभाष पर वार्ता की और बहाली प्रक्रिया की अद्यतन जानकारी ली। कमांडेंट के द्वारा बताया गया कि बहाली से संबंधित मामला प्रक्रियाधीन है। उपाध्यक्ष ने अनुरोध किया कि इस प्रक्रिया में तेजी लाया जाये ताकि स्थानीय युवाओं को शीघ्र ही रोजगार से जोड़ा जा सके। उपाध्यक्ष अनिता देवी ने बताया कि लातेहार जिले में होमगार्ड बहाली के लिये कुल 330 पद स्वीकृत हैं। युवाओं के हितों को ध्यान में रखते हुये वे इस संबंध में उपायुक्त (लातेहार) से पत्राचार करेगीं तथा व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करके आवेदन प्रक्रिया को अविलंब शुरू कराने का हर संभव प्रयास करेंगी। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से तोपा बारला, कुलदीप बैठा, मोहन उरांव सहित कई युवा उपस्थित थे।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर झारखंड के गुमला ने रचनात्मक और गर्व का अद्भुत प्रदर्शन किया

गुमला। देशभर में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर झारखंड के गुमला के बच्चों ने गुमला से लेकर वेल्लोर तक अपनी रचनात्मकता और गर्व का अद्भुत प्रदर्शन किया है। इसी क्रम में, 46 झारखंड बटालियन एनसीसी की पूर्व कैडेट और डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला की छात्रा ताशा झा—जो इसरो के प्रतिष्ठित कार्यक्रम 'युविका' और 'प्रेरणाः एक अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम' (बैच 40) की प्रतिभागी भी रह चुकी हैं—ने वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी में अंतरिक्ष अन्वेषण पर आधारित एक बेहद आकर्षक और प्रेरणादायक पोस्टर तैयार कर अपनी कला का लोहा मनवाया है। दूसरी ओर, गुमला में भी ट्रूप संख्या 18/46 झारखंड बटालियन एनसीसी डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला के कैडेट हर्ष कुमार साहू, आदित्य राज, उन्नत राज, अतुल कुमार गुप्ता ने पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ इस ऐतिहासिक दिन को मनाया। भारत के हर कोने से आ रही इन तस्वीरों और आयोजनों से यह साफ झलकता है कि देश के युवा अब अंतरिक्ष के क्षेत्र में नए मुकाम हासिल करने और आसमान छूने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो न केवल उनके विद्यालयों बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए गर्व का विषय है

नशीली दवाओं के दुरुपयोग को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : अरूप रतन साहा

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह।नशीली दवाओं के दुरुपयोग और दवा दुकानों में व्याप्त अनियमितताओं के खिलाफ गिरिडीह में औषधि विभाग की कार्रवाई लगातार दूसरे दिन भी जारी रही। औषधि निरीक्षक अरूप रतन साहा के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ शहर की कई दवा दुकानों में सघन छापेमारी और जांच अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान दवा दुकानों के संचालन, फार्मासिस्ट की उपलब्धता, क्रय-विक्रय अभिलेख तथा शेड्यूल एच-1 दवाओं से संबंधित रजिस्टर की गहनता से जांच की गई। छापेमारी के दौरान गांधी चौक स्थित गंगा मेडिकल, बस स्टैंड के समीप एमआर मेडिकल हॉल और किशन मेडिकल एजेंसी, टावर चौक स्थित हिंदुस्तान मेडिकल, नवजीवन नर्सिंग होम के समीप शिव किरण मेडिकल हॉल तथा अलका मेडिकल में जांच की गई।जांच के क्रम में एमआर मेडिकल हॉल में फार्मासिस्ट उपस्थित नहीं पाए गए। इसके अलावा दोनों दुकानों में विक्रय अभिलेख तथा एंटीबायोटिक दवाओं से संबंधित शेड्यूल एच-1 रजिस्टर भी उपलब्ध नहीं पाया गया। वहीं किशन मेडिकल एजेंसी में विक्रय अभिलेख नहीं मिला। औषधि निरीक्षक के अनुसार ये कमियां ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट एवं संबंधित नियमों के गंभीर उल्लंघन की श्रेणी में आती हैं। संबंधित दुकानदारों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।वहीं

जांच के दौरान अलका मेडिकल, गंगा मेडिकल और हिंदुस्तान मेडिकल की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई।औषधि निरीक्षक अरूप रतन साहा ने जिले के सभी दवा विक्रेताओं को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि सभी दुकानदार अपनी कार्यशैली में सुधार लाएं और दवाओं की बिक्री से जुड़े नियम-कानून का पूरी तरह पालन करें। उन्होंने कहा कि दवा बेचना जीवन की रक्षा से जुड़ा कार्य है और इस व्यवसाय में किसी भी तरह की लापरवाही से किसी व्यक्ति की जान खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने दवा विक्रेताओं से स्पष्ट रूप से कहा कि वे नशीली दवाओं के गैरकानूनी कारोबार से दूर रहें। नशीली दवाओं के व्यापार से जुड़े थोक एवं खुदरा विक्रेताओं को NDPS एक्ट के प्रावधानों और अन्य संबंधित नियम-कानूनों का सख्ती से पालन करना होगा। उन्होंने खुदरा दवा दुकानदारों को अपनी दुकानों में हर समय योग्य फार्मासिस्ट की उपलब्धता सुनिश्चित करने, दवाओं के क्रय-विक्रय से संबंधित अभिलेखों का सही तरीके से संधारण करने तथा नियमानुसार कारोबार करने

> » सिंघम स्टाइल में ड्रग इंस्पेक्टर अरूप रतन साहा की कार्रवाईः नशीली दवाओं के खिलाफ दूसरे दिन भी ताबड़तोड़ छापेमारी, कई मेडिकल दुकानों में मिलीं गंभीर अनियमितताएं

का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दवा कारोबार में पारदर्शिता और नियमों का पालन जरूरी है, ताकि आम जनता का भरोसा दवा दुकानदारों पर कायम रहे। औषधि निरीक्षक ने कहा कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। गिरिडीह शहर के साथ-साथ जिले के विभिन्न प्रखंडों और सुदूर ग्रामीण इलाकों में भी दवा दुकानों की जांच की जाएगी। शुक्रवार पहले दिन के छापेमारी के दौरान कई दवा दुकानों छापरिया मेडिकल, गोविंद मेडिकल और संदीप मेडिकल में गंभीर खामियां पाई गई थी, जिसके बारे में जानकारी देते हुए डी आई अरूप रतन साहा ने बताया था कि इन दुकानों में कफ सिरप के विक्रय से संबंधित विक्रय अभिलेख का संधारण नहीं किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले तथा नशीली दवाओं के दुरुपयोग को बढ़ावा देने वाले कारोबारियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड में कांग्रेस गठबंधन की सरकार, फिर यहां के छात्रों के लिए आपकी आवाज क्यों नहीं निकलती : बाबूलाल मरांडी

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड में आंदोलनरत छात्रों के साथ राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे अन्याय और लगातार ज्यादती को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुप्पी पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि सत्ता में भागीदारी और जिम्मेवारी से दूरी, आखिर यह साथ-साथ कैसे चलेगा? श्री मरांडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर राहुल गांधी को संबोधित करते हुए कहा कि वे देशभर में छात्रों के हक की बात करते हैं। यदि छात्रों के प्रति उनकी संवेदना वास्तविक है, तो झारखंड के छात्रों के साथ हो रहे कथित अत्याचार पर भी उन्हें आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड में कांग्रेस गठबंधन की सरकार है, फिर यहां के छात्रों के लिए राहुल गांधी की आवाज क्यों नहीं निकलती? उन्होंने कहा कि विधानसभा घेराव के दिन शांतिपूर्ण मार्च कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज हुआ। विभिन्न जिलों में पुतला दहन कार्यक्रमों के दौरान भी छात्रों के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार की घटनाएं सामने आईं। इसके बावजूद राहुल गांधी की चुप्पी समझ से परे है। झारखंड के युवा अपने भविष्य और रोजगार के लिए सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राहुल गांधी को राज्य सरकार से मांग करनी चाहिए कि छात्रों के साथ मारपीट करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही आंदोलनरत छात्रों पर दर्ज किए जा रहे कथित फर्जी मुकदमों को भी वापस लिया जाए। उन्होंने कहा कि जनता सब देख रही है और कथनी-करनी के अंतर को समझ रही है। लोकतंत्र में छात्रों की आवाज को दबाने के बजाय उनकी समस्याओं का समाधान संवाद के माध्यम से किया जाना चाहिए। श्री मरांडी ने कहा कि बीते दिनों राज्य के कई जिलों में पुतला दहन कार्यक्रमों के दौरान छात्रों के साथ लाठी-डंडे और हॉकी स्टिक से मारपीट तथा छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार के आरोप सामने आए हैं। ऐसे मामलों में दोषियों की पहचान कर मुकदमा दर्ज करते हुए कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों की आवाज दबाने के लिए डराने-धमकाने की नीयत से दर्ज किए जा रहे मामलों की समीक्षा कर उन्हें निरस्त किया जाना चाहिए। राहुल गांधी को भी इस मामले में अपनी गठबंधन सरकार से जवाब मांगना चाहिए।

छात्रों के कंधे पर बंदूक रखकर राजनीति करना छोड़े भाजपा नेता : विनोद पांडेय

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव विनोद पांडेय ने भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा नेताओं को छात्रों के मुद्दों की आड़ में राजनीतिक जमीन तलाशने की कोशिश बंद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने छात्रों की मांगों को मान लिया है और छात्र अपने घर लौट चुके हैं। 25 अगस्त को प्रस्तावित कैबिनेट बैठक में छात्र हित में कई और महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने की संभावना है। विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा की राजनीति इतनी कमजोर हो गई है कि उसे अपनी लड़ाई लड़ने के लिए छात्रों को आगे करना पड़ रहा है। छात्रों और युवाओं का अपने अधिकारों, पढ़ाई व रोजगार के लिए आंदोलन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उनके आंदोलनों को राजनीतिक स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करना उचित नहीं है। उन्होंने बाबूलाल मरांडी से सवाल किया कि यदि भाजपा को वास्तव में छात्रों की चिंता है तो वह उनके बीच जाकर सकारात्मक संवाद क्यों नहीं करती। हर प्रशासनिक कार्रवाई को राजनीतिक दमन बताकर माहौल गरमाना और थाने में प्रदर्शन करना समस्या का समाधान नहीं है। झामुमो महासचिव ने कहा कि कानून अपना काम करेगा और पुलिस को कानून के दायरे में कार्रवाई करनी चाहिए। बिना पूरी जानकारी के पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाना और हर मामले को राजनीतिक रंग देना जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि विरोध का अधिकार लोकतंत्र में है, लेकिन कानून हाथ में लेने या राजनीतिक उकसावे को उचित नहीं ठहराया जा सकता। विनोद पांडेय ने आरोप लगाया कि भाजपा कभी छात्रों, कभी युवाओं और कभी कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता समझ रही है कि कौन छात्रों के भविष्य की चिंता कर रहा है और कौन उनके मुद्दों को राजनीतिक हथियार बना रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रों के कंधे पर बंदूक रखकर झामुमो से राजनीतिक लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती। भाजपा नेताओं को छात्रों को आगे करने के बजाय खुद मैदान में उतरकर जनता के सवालों का सामना करना चाहिए।

छात्राओं का दुपट्टा खींचता देख किस लोकतंत्र की रक्षा कर रही है हेमंत सरकार? : राफिया नाज़

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज़ ने जेपीएससी-जेएससी-सीजीएल पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ियों और छात्रों से कथित वादाखिलाफी को लेकर हेमंत सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं के साथ पुलिस एवं सत्तारूढ़ दल से जुड़े लोगों द्वारा मारपीट और बदसलूकी की गई। राफिया नाज़ ने कहा कि छात्र आंदोलन के दौरान अमीषा प्रसाद, सबिता सहित कई छात्र-छात्राओं के साथ मारपीट की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि एक छात्रा का दुपट्टा खींचा गया और प्रदर्शनकारियों पर जम्म के झंडे लगे डंडों से हमला किया गया। उन्होंने सवाल किया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ ऐसा व्यवहार करने की अनुमति आखिर किसने दी और छात्रों पर हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हुई? उन्होंने कहा कि जिन हाथों में किताब और कलम होनी चाहिए, उन पर चोट के निशान हैं और जिन बेटियों को सुरक्षा मिलनी चाहिए, उनके साथ सड़क पर बदसलूकी की जा रही है। रोजगार, शिक्षा और निष्पक्ष परीक्षा की मांग करने वाले युवाओं को लाठी क्यों मिल रही है? राफिया नाज़ ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सवाल किया कि पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ी के खिलाफ आवाज उठाने पर छात्रों को क्यों दबाया जा रहा है? बेटियों की सुरक्षा के बजाय उनका दुपट्टा क्यों खींचा गया और छात्रों पर कथित रूप से जम्म के झंडे लगे डंडों से हमला क्यों किया गया? उन्होंने कहा कि यह केवल अमीषा प्रसाद और सबिता का मुद्दा नहीं, बल्कि झारखंड के हर छात्र और बेटी के सम्मान तथा भविष्य का सवाल है। सत्ता की ताकत से आवाज को दबाने की कोशिश की जा सकती है, लेकिन युवाओं के सवालों को खत्म नहीं किया जा सकता। राहुल की गूंज' पर भी साधा निशाना राहुल गांधी के 'गूंज' कार्यक्रम पर निशाना साधते हुए राफिया नाज़ ने कहा कि यह कार्यक्रम कांग्रेस और राहुल गांधी के आत्मप्रचार का मंच बनकर रह गया है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस वास्तव में युवाओं की आवाज सुनना चाहती है, तो उसे झारखंड के उन छात्रों के बीच खड़ा होना चाहिए, जो अपने अधिकारों और भविष्य के लिए सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि अगर 'गूंज' छात्रों की आवाज के लिए है, तो झारखंड के छात्रों की पीड़ा राहुल गांधी तक क्यों नहीं पहुंच रही है? संविधान और लोकतंत्र की बात मंच से करना आसान है, लेकिन लोकतंत्र की असली परीक्षा तब होती है, जब युवाओं के अधिकारों पर चोट होती है। राफिया नाज़ ने राहुल गांधी से सवाल किया कि झारखंड के छात्रों की आवाज उन्हें क्यों सुनाई नहीं देती? उन्होंने कहा कि यदि 'गूंज' वास्तव में छात्रहित के लिए है, तो उसमें राजनीतिक प्रचार से अधिक झारखंड के छात्रों के दर्द, संघर्ष और अधिकारों की आवाज सुनाई देनी चाहिए।

डॉ. रामदयाल मुंडा झारखंड की वैचारिक और सांस्कृतिक चेतना के महत्वपूर्ण स्तंभ थे : सुदेश महतो

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।झारखंड आंदोलनकारी, महान शिक्षाविद एवं पूर्व सांसद पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा की जयंती पर आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने मोरहाबादी स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सुदेश महतो ने कहा कि डॉ. रामदयाल मुंडा केवल महान शिक्षाविद और चिंतक ही नहीं, बल्कि झारखंड की अस्मिता, संस्कृति, भाषा और अधिकारों की लड़ाई के महत्वपूर्ण वैचारिक मार्गदर्शक थे। आजसू के आंदोलन को बौद्धिक दिशा देने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके विचारों में झारखंड के वर्तमान के साथ आने वाले दशकों के भविष्य की भी स्पष्ट दृष्टि दिखाई देती थी। उन्होंने कहा कि डॉ. मुंडा ने भाषा, संस्कृति और शिक्षा को झारखंड के विकास की बुनियाद माना। क्षेत्रीय भाषाओं को सम्मान दिलाने तथा उन्हें शिक्षा और पाठ्यक्रम से जोड़ने में उनका योगदान ऐतिहासिक रहा। उनकी जयंती केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि उनके सपनों का झारखंड बनाने के संकल्प का दिन है। सुदेश महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलन केवल सत्ता परिवर्तन का आंदोलन नहीं था, बल्कि जल, जंगल, जमीन, खनिज संपदा, सम्मान, पहचान और बेहतर भविष्य के अधिकार का आंदोलन था। झारखंड के संसाधनों का लाभ सबसे पहले यहां के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और राज्य के विकास में होना चाहिए। राजनीतिक सोच और दीर्घकालीन दृष्टि जरूरी उन्होंने कहा कि झारखंड की राजनीति में कई बार राजनीतिक लाभ-हानि का गणित राज्य के दीर्घकालीन हितों पर भारी पड़ता दिखाई देता है। केवल सत्ता में रहना पर्याप्त नहीं है। रोजगार, विस्थापन, पलायन, शिक्षा, भाषा-संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार जैसे मूल प्रश्नों को लेकर स्पष्ट राजनीतिक सोच और दीर्घकालीन दृष्टि जरूरी है। छात्र आंदोलन को दमन नहीं, संवाद चाहिए छात्र आंदोलन पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरने वाला छात्र हमारा दुश्मन नहीं, बल्कि समाज और राज्य का भविष्य है। रोजगार, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और भविष्य की मांग कर रहे युवाओं के साथ लाठी और दमन का रास्ता उचित नहीं है। सरकार को आंदोलन दबाने के बजाय उसके कारणों को समझकर युवाओं के साथ संवाद करना चाहिए। खनिज संपदा पर झारखंड के हितों की सुरक्षा जरूरी खनिज संसाधनों से जुड़े निर्णयों पर सुदेश महतो ने कहा कि झारखंड की प्राकृतिक संपदा का लाभ यहां के लोगों को मिलना चाहिए। केंद्र और राज्य के बीच संसाधनों से संबंधित किसी भी नई व्यवस्था में झारखंड के हितों और अधिकारों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। खनिज से मिलने वाले अतिरिक्त राजस्व का स्पष्ट और प्राथमिक उपयोग खनन प्रभावित क्षेत्रों, विस्थापित परिवारों तथा आदिवासी-मूलवासी समुदायों के विकास के लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉ. रामदयाल मुंडा का सपना ऐसा झारखंड था, जहां विकास के साथ पहचान सुरक्षित रहे, आधुनिकता के साथ संस्कृति जीवित रहे और प्राकृतिक संसाधनों पर झारखंड के लोगों का अधिकार सुनिश्चित हो। उनके सपनों का झारखंड बनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत, केंद्रीय प्रवक्ता ज्ञान सिन्हा, छात्र संघ के ओम वर्मा, केंद्रीय सचिव हरीश कुमार, रांची जिला सचिव दयाशंकर झा, अजीत कुमार सहित पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे और डॉ. रामदयाल मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

जिले के सभी 16 प्रखंडों में मेगा विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग।झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देशानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकार (DLSA) और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को जिले के सभी 16 प्रखंडों में मेगा विधिक सशक्तिकरण शिविर आयोजित किए गए। "न्याय सबके लिए" के उद्देश्य से आयोजित इस विशेष अभियान का मुख्य कार्यक्रम सदर प्रखंड में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ध्रुव चन्द्र मिश्रा, एडिशनल एसपी अमित कुमार, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पुरुषोत्तम गोस्वामी तथा DLSA सचिव कुमार विपुल सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की। स्थानीय स्कूली छात्राओं ने पारंपरिक लोकगीत व नृत्य प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। कानूनी जागरूकता और आर्थिक मुख्य अतिथि प्रधान जिला जज ध्रुव चन्द्र मिश्रा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कानूनी अधिकारों

की जानकारी के साथ-साथ आर्थिक रूप से सशक्त होना बेहद जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से नशे से दूर रहने, गैर-कानूनी वित्तीय लेन-देन से बचने और केवल बैंकों व मान्यता प्राप्त वित्तीय संस्थानों से ही व्यवहार करने की अपील की। शिविर के दौरान जिलेभर के कुल 3,85,613 लाभुकों के बीच 55 करोड़ 57 लाख 28 हजार 250 रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। वृद्धावस्था व विधवा पेंशन, धोती-साड़ी योजना, जॉब कार्ड का वितरण। वित्तीय एवं कृषि सहायता जेएसएलपीएस की सखी मंडल दीदियों को मुद्रा लोन तथा किसानों को केसीसी का लाभ,

> » 55.57 करोड़ की परिसंपत्तियां वितरित, 3.85 लाख लाभुक हुए लाभान्वित

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, विद्यार्थियों को किताबें, बैग व प्रमाण पत्र (जाति, आय, आवासीय व जन्म प्रमाण पत्र) दिव्यांगजनों को हियरिंग एड (श्रवण यंत्र) का वितरण। इस शिविर के माध्यम से जिला प्रशासन और विधिक सेवा प्राधिकार ने अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं और त्वरित कानूनी सहायता का लाभ पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रदूषण और विस्थापन झारखंड के लोग झेलें और फैसले केंद्र दे, यह स्वीकार्य नहीं : उज्जवल तिवारी

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।केंद्र की मोदी सरकार द्वारा संसद से पारित खान एवं खनिज विकास एवं विनियमन संशोधन विधेयक 2026 (एमएमडीआर) को लेकर कांग्रेस ने तीखा विरोध जताया है। कांग्रेस प्रवक्ता उज्जवल प्रकाश तिवारी ने कहा कि खनिजों पर सेस लगाने के राज्यों के अधिकार को समाप्त करने का फैसला केंद्र सरकार की तानाशाही मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि खनिज संपदा का दोहन झारखंड में हो, प्रदूषण और विस्थापन का दंश यहां के लोग झेलें और फैसले केंद्र सरकार करे, यह किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। झारखंड के आर्थिक हितों को नुकसान पहुंचाने का आरोप तिवारी ने कहा कि केंद्रीय कोल कंपनियों पर झारखंड का करीब 1.32 लाख करोड़ रुपये पहले से बकाया है, जो बढ़कर लगभग 1.60 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लगातार केंद्र से इस राशि के भुगतान की मांग करते रहे हैं, लेकिन अब तक इस दिशा में ठोस पहल नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि एमएमडीआर संशोधन विधेयक के जरिए केंद्र सरकार झारखंड जैसे खनिज संपन्न राज्य के आर्थिक हितों को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। इससे राज्य को मिलने वाले हजारों करोड़ रुपये के राजस्व पर असर पड़ेगा और विकास योजनाओं के लिए उपलब्ध वित्तीय संसाधन प्रभावित होंगे। प्रखंड स्तर तक चलेगा जन-जागरूकता अभियान उज्जवल तिवारी ने कहा कि कांग्रेस

इस विधेयक के खिलाफ पहले ही चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा कर चुकी है। अब पार्टी विधेयक के प्रावधानों और उससे झारखंड को होने वाले संभावित लाभ-हानि की जानकारी प्रखंड स्तर तक पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाते हुए कांग्रेस झारखंड के आर्थिक और प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े अधिकारों की लड़ाई को आगे बढ़ाएगी।

संक्षिप्त समाचार

कतरास क्लब सिजुआ में सावन महोत्सव का आयोजन, महिला संगठन ने दिखाया उत्साह

बाघमारा। पूर्व मंडल अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि पप्पू सिंह के नेतृत्व में कतरास क्लब, सिजुआ में सावन महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा महिला संगठन की नेत्रियों एवं महिला कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सावन महोत्सव के पावन अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की नेत्रियों के नेतृत्व में महिला संगठन ने अपनी एकता, अनुशासन और संगठन क्षमता का शानदार परिचय दिया। संगठन की सभी बहनों ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लेते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन किया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के बीच आपसी सौहार्द, उत्साह और नारी शक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सावन महोत्सव में रेखा देवी, सीमा देवी, सुमन देवी, कौशल्या देवी, शांति देवी, पूनम देवी, गुड़िया देवी, आशा पांडेय, किरण सिंह, सपना सिंह, जूली सिंह, सत्य देवी, पुनीता देवी, वंदना सिन्हा और रीता देवी सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

प्रतापपुर में भव्य हनुमान मंदिर निर्माण को लेकर सामाजिक बैठक आयोजित

» चतरा विधायक जनार्दन पासवान भी हुए शामिल

प्रतापपुर (चतरा)। प्रखण्ड अंतर्गत प्रतापपुर चौक स्थित मध्य विद्यालय के समीप भव्य हनुमान मंदिर निर्माण को लेकर स्थानीय समुदाय ने एक बैठक का आयोजन किया।बैठक में भव्य हनुमान मंदिर एवं हनुमान जी की प्रतिमा को दिव्य स्वरूप प्रदान करने को लेकर विचार-विमर्श किया गया।इस अवसर पर बैठक मे मुख्य रूप से स्थानीय विधायक जनार्दन पासवान भी उपस्थित हुए और इस अध्यात्मिक कार्य को पूर्ण करने को लेकर अपना विचार और मार्गदर्शन व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीण उपस्थित रहे, सभी ने मंदिर के भव्य निर्माण एवं सौंदर्यीकरण को लेकर अपने विचार एवं सुझाव साझा किए तथा मंदिर निर्माण को लेकर कमिटी गठित एवं विस्तार पर विस्तृत चर्चा हुई। हनुमान जी की कृपा से यह पवित्र संकल्प शीघ्र ही साकार हो और प्रतापपुर की आस्था का यह केंद्र और भी भव्य बने विधायक जी ने यह कामना की है।

ध्वजाधारी धाम पदयात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियों का लिया जायजा

» 24 अगस्त को झरना कुंड धाम से ध्वजाधारी धाम तक निकलेगी लगभग 15 किलोमीटर की पदयात्रा

कोडरमा। सोमवार को झुमरी तिलैया स्थित झरना कुंड धाम से ध्वजाधारी धाम, कोडरमा तक लगभग 15 किलोमीटर की पदयात्रा आयोजित की जाएगी। पदयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम यातायात, विधि-व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, पेयजल, स्वच्छता सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं। पदयात्रा के उपरांत श्रद्धालुओं द्वारा ध्वजाधारी धाम में जलाभिषेक किया जाएगा। इसी क्रम में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष द्वारा संयुक्त रूप से पदयात्रा को लेकर की गई तैयारियों का जायजा लिया गया। इस दौरान पदाधिकारियों द्वारा पदयात्रा मार्ग, यातायात व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने तथा पदयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई न हो, इसका विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। उन्होंने सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था के साथ-साथ यातायात प्रबंधन, पेयजल, स्वच्छता एवं चिकित्सा सुविधा की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। पुलिस अधीक्षक ने पदयात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात नियंत्रण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता संजय पीएम कुजूर, अनुमंडल पदाधिकारी निर्मल सोरेन, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रमोद कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी राम रतन वर्णवाल सहित विभिन्न विभागों के दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री सत्यानंद भोगता एक दिवसीय दौरे पर पहुँचे हंटरगंज, मृतक के परिजनों से की मुलाकात

हंटरगंज (चतरा)। हंटरगंज प्रखंड के कोबना पंचायत अन्तर्गत ग्राम कोबनी में समाजसेवी बाढ़ो भारती जी के घर पहुँचकर पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने उनके परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी एवं ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की। इस दौरान श्री भोगता जी ने परिजनों को निजी रूप से आर्थिक मदद की एवं सदैव हर सम्भव मदद का भरोसा दिलाया। ज्ञात हो की समाजसेवी स्व. बाढ़ो भारती जी का एक सप्ताह पहले हृदय गति रुकने से निधन हो गया था। मौके पर राष्ट्रीय जनता दल जिलाध्यक्ष नवलकिशोर यादव, मुखिया बब्लू कुमार, समाजसेवी सह मुखिया प्रतिनिधि समरेश सिंह, असर्फी सिंह समेत कई गणमान्य मौजूद रहे।

बिहार भाजपा का विनाश काले विपरीत बुद्धि!

नई सोच एक्सप्रेस

» मोदी जी के बताए रास्ते से विपरीत चल रहे बिहार के भाजपाई?

फतुहा। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉलक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री मोदी लाल किले से अपने संबोधन में कहा था कि "भ्रष्टाचार देश को खोखला कर रहा है" सबों को आगे आना होगा। प्रधानमंत्री की चेतावनी के बावजूद समुचे बिहार अपराध के नगरी और भ्रष्टाचार के साम्राज्य कायम है। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने बिहार की कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से देश को स्पष्ट संदेश दिया था कि भ्रष्टाचार देश को खोखला कर रहा है और इसके खिलाफ सभी को आगे आना होगा। लेकिन बिहार की धरती पर सत्ता में बैठे भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का आचरण क्या उसी संदेश के अनुरूप है—यह सवाल आज जनता के सामने खड़ा है। डॉ. पटेल ने कहा कि बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार को लेकर लगातार गंभीर शिकायतें और घटनाएं सामने आती रहती हैं। हिन्दूस्तान मे सबसे बड़ा घोटाला नरेगा में है। भाजपा चुप्पी साधे हुए है। अधिकांश बड़े बड़े पुल निर्माण काल में ध्वस्त हो रहा है। डस्टबिन घोटाला कितना शर्मनाक है बावजूद भाजपाई मौनी बाबा बना हुआ है। महिलाओं और बच्चियों के साथ अपराध की खबरें समाज की आत्मा को झकझोर देती हैं। ऐसे माहौल में केवल मंचों से "जीरो टॉलरेंस" का नारा लगाने से जनता का भरोसा कायम नहीं होगा। सरकार को यह दिखाना होगा कि अपराधी कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून उसके खिलाफ उसी कठोरता से कार्रवाई करेगा। जीरो टॉलरेंस नारा नहीं, जमीन पर दिखाई देने वाली नीति है उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि "जीरो टॉलरेंस" का वास्तविक अर्थ अपराध और भ्रष्टाचार के प्रति किसी भी प्रकार की सहनशीलता नहीं होना है। यदि भ्रष्टाचार पर शिकायतें हैं, तो निष्पक्ष जांच क्यों नहीं? यदि अपराध हो रहे हैं, तो दोषियों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं? जनता भाषण नहीं, नतीजा चाहती है। डॉ. पटेल ने भाजपा के भीतर की कथित राजनीतिक मजबूरी पर भी तंज कसते हुए कहा कि सत्ता में बैठे कुछ लोग शायद यह सोचते हैं कि "अपनी ही सरकार का विरोध कैसे करें?" लेकिन सवाल यह है कि यदि पार्टी कार्यकर्ता और नेता सरकार की गलतियों पर भी आवाज नहीं उठाएंगे, तो जनता की आवाज कौन उठाएगा? "आज सत्ता है, इसलिए सुधार नहीं; कल सत्ता नहीं होगी, तब क्या होगा?" उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि स्थिति कहीं "अंधेर नगरी, चौपट राजा" वाली न बन जाए। आज सत्ता हाथ में है तो व्यवस्था सुधारने से परहेज, और जब जनता सत्ता छीन लेगी तब यही कहा जाएगा कि "अब हम सत्ता में नहीं हैं, सुधार कैसे करें?" उन्होंने भाजपा नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि सत्ता स्थायी नहीं होती, लेकिन जनता की स्मृति लंबी होती है। जनता यह जरूर देखती है कि सत्ता में रहते हुए उसके नेताओं ने अपराध, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ कितनी मजबूती से आवाज उठाई। "मोदी जी की बात माननी है तो भ्रष्टाचार के खिलाफ पहले अपने घर से लड़ना होगा" डॉ. पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भ्रष्टाचार विरोधी संदेश को केवल भाषणों और पोस्टरों तक सीमित रखने के बजाय जमीन पर लागू करने की जरूरत है। भाजपा यदि वास्तव में भ्रष्टाचार के खिलाफ है तो उसे अपने ही शासन में उठने वाली हर शिकायत की निष्पक्ष जांच की मांग करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि "जनता सब देख रही है। अपराध पर चुप्पी, भ्रष्टाचार पर चुप्पी और गलत व्यवस्था पर राजनीतिक मजबूरी—इन तीनों का परिणाम लोकतंत्र में बहुत महंगा पड़ सकता है।" डॉ. पटेल ने अंत में कहा—"विनाश काले विपरीत बुद्धि वाली राजनीति से भाजपा को बचना होगा। सत्ता बचाने से ज्यादा जरूरी है जनता का विश्वास बचाना। मोदी जी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने का आह्वान किया है; बिहार के भाजपाइयों को तय करना होगा कि वे उस रास्ते पर चलेंगे या सत्ता की सुविधा के रास्ते पर।"भाजपा में भ्रष्टाचार का विरोध करते बिहार में सिर्फ एक ही व्यक्ति डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल को धरना, अनशन, आमरण अनशन करते देखा गया है। बिहार के भाजपाई श्री सिर्फ एक ही बाते करते मिल जाएगी कि अपने सरकार का विरोध करे?

भारतीय किसान संघ का बड़ा कदमः चतरा के किसानों को गया जी में मिला प्राकृतिक खेती और पशुपालन का तीन दिवसीय प्रशिक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

(चतरा)। बिहार के गयाजी मे आयोजित तीन दिवसीय कृषि व पशुपालन मे चतरा जिले के किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए भारतीय किसान संघ की ओर से एक विशेष पहल की गई है। संघ द्वारा बिहार के गया जी में तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक (जैविक) खेती और आधुनिक पशुपालन के गुर सिखाना था।सभी प्रखंडों के किसानों ने लिया हिस्साइस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में चतरा जिले के सभी प्रखंडों से आए किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान किसानों को पारंपरिक खेती के नुकसान और प्राकृतिक खेती के फायदों के बारे में जागरूक किया गया।प्राकृतिक खेती और विविध फसलों की मिली जानकारीझारखंड और बिहार से पहुंचे अनुभवी कृषि विशेषज्ञों और प्रशिक्षकों ने किसानों को विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण में मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया:बिना रसायनों के प्राकृतिक तरीके से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाना।एक साथ कई प्रकार की विभिन्न फसलों (मिश्रित खेती) को उगाने की तकनीक।जैविक खाद और कीटनाशकों को घर पर ही तैयार करने की विधि।पशुपालन से आय दोगुनी करने के गुरखेती के साथ-साथ पशुपालन को लाभ का जरिया बनाने पर भी विशेष सत्र आयोजित किए गए। प्रशिक्षकों ने किसानों को बताया कि कैसे वैज्ञानिक और प्राकृतिक तरीकों को अपनाकर पशुपालन से अधिकतम मुनाफा कमाया जा सकता है। इसमें पशुओं के सही रख-रखाव, उचित पोषण और बीमारियों से बचाव की जानकारियां शामिल थीं।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हथियार और चोरी की बाइक के साथ छह युवक गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

धनबाद। धनबाद के धनसार थाना क्षेत्र में पुलिस ने रात्रि गश्ती के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए छह युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा गोली बरामद की है। इसके साथ ही चोरी की एक मोटरसाइकिल समेत दो बाइक भी पुलिस ने जब्त की हैं। दरअसल, 22 अगस्त की रात करीब 3:30 बजे कला संगम मनईटांड़ के पास पुलिस गश्ती कर रही थी। इसी दौरान दो मोटरसाइकिल पर सवार छह लोग पुलिस वाहन को देखकर भागने लगे। संदेह होने पर पुलिस ने उनका पीछा किया और गांधी नगर शिव मंदिर के पास सीटी हाक्स के सहयोग से सभी को घेरकर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आजाद आलम के पास कमर में खोसा हुआ देशी कट्टा और मुकेश कुमार के पैंट की जेब से एक जिंदा गोली बरामद हुई। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि एक बाइक आरोपियों की है, जबकि दूसरी हीरो ग्लैमर बाइक मटकुरिया से चोरी की गई थी। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आजाद आलम ने बताया कि हथियार उसे जग्गु पासवान ने दिया था और सभी चोरी की नीयत से घूम रहे थे। आजाद की निशानदेही पर पुलिस ने जग्गु पासवान को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मामले में हथियार, गोली और दोनों मोटरसाइकिलों को जब्त कर लिया है और गिरफ्तार आरोपियों से आगे की पूछताछ की जा रही है।

स्वावलंबी ग्राम नेरो में वृहद स्तर पर किया गया पौधरोपण

» ग्रामीणों ने लिया प्रकृति संरक्षण का संकल्प

नई सोच एक्सप्रेस

धनबाद। "एक पौधा-एक संकल्प-एक बेहतर भविष्य" के ध्येय के साथ तोपचांची प्रखंड का स्वावलंबी ग्राम नेरो रविवार को वृहद पौधारोपण अभियान का गवाह बना। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने स्वयं पौधा लगाकर इस हरित अभियान की शुरुआत की और ग्रामीणों को पर्यावरण संतुलन, गांव को स्वच्छ-सुंदर बनाने का संकल्प दिलाया तथा उनको प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक किया।उपायुक्त ने कहा कि प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधरोपण अति आवश्यक है। झारखंड प्राकृतिक रूप से समृद्ध राज्य है। पर्याप्त वर्षा का लाभ उठाकर अधिक से अधिक पौधारोपण करना समय की आवश्यकता है। उपायुक्त ने कहा कि नई पीढ़ी ही पर्यावरण की वास्तविक संरक्षक है। प्रत्येक व्यक्ति को पेड़ों के महत्व को समझते हुए अपने जीवन में कम से कम 20 से 30 पौधे अवश्य लगाने चाहिए। उन्होंने 'वन रक्षाबंधन' एवं 'वन देवी' जैसी पारंपरिक अवधारणाओं की सराहना की उपायुक्त के नेरो पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका पारंपरिक रीति रिवाज से स्वागत किया। महिलाओं ने उपायुक्त की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर आगामी रक्षाबंधन त्यौहार की शुभकामनाएं दी। वहीं पौधारोपण करने के बाद उपायुक्त ने गांव की सबसे छोटी बच्ची को अपने साथ बैठाकर सभी को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया।मौके पर विधायक टुंडी के प्रतिनिधि, तोपचांची की अंचल अधिकारी, प्रखंड प्रमुख सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

जमीनी विवाद में मजदूर की पीटकर हत्या, गांव में तनाव

नई सोच एक्सप्रेस

सलखुआ (सहरसा)। सलखुआ प्रखंड के ऊटेसरा पंचायत अंतर्गत बहुआरवा वार्ड नंबर-07 में रविवार दोपहर जमीनी विवाद को लेकर 35 वर्षीय मजदूर अमित कुमार रजक की कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। परिजनों के अनुसार, जमीन को लेकर विवाद के दौरान 8 से 10 लोगों ने अमित कुमार रजक के साथ कथित रूप से मारपीट की। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सलखुआ, सिमरी बख्तियारपुर और बनमा ईटहरी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सहरसा भेज दिया है। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। बताया जाता है कि मृतक अमित कुमार रजक मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके परिवार में पत्नी के अलावा दो पुत्र और एक पुत्री हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इधर, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। घटना के कारणों, मारपीट में शामिल लोगों और हत्या की परिस्थितियों का पता लगाया जा रहा है। परिजनों ने मामले में शामिल आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रामकुमार पासवान ने सरकार पर साधा निशाना

नई सोच एक्सप्रेस

बनमा ईटहरी (सहरसा)। बढ़ती महंगाई को लेकर बनमा ईटहरी प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष रामकुमार पासवान ने सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने चीनी, पेट्रोल-डीजल समेत रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि महंगाई का सबसे अधिक असर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। रामकुमार पासवान ने कहा कि बाजार में आवश्यक सामानों की कीमत बढ़ने से आम लोगों के लिए घर का खर्च चलाना मुश्किल होता जा रहा है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर यातायात और माल ढुलाई पर पड़ता है, जिससे खाद्य सामग्री सहित अन्य सामानों की कीमतें भी प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि चीनी जैसी रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं की कीमत बढ़ने से भी आम परिवारों के बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। महंगाई के कारण लोगों को अपनी जरूरतों में कटौती करनी पड़ रही है। उन्होंने सरकार से मांग की कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि सरकार को आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि महंगाई केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि आम परिवारों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा विषय है। गरीब, मजदूर, किसान और मध्यम वर्ग के परिवार लगातार बढ़ते खर्च से परेशान हैं। उन्होंने सरकार से पेट्रोल-डीजल और आवश्यक खाद्य पदार्थों की कीमतों पर नियंत्रण रखने तथा आम लोगों को राहत देने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

पिपरा में संत रविदास जयंती पर निकली कलश यात्रा, सामाजिक समरसता का दिया संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

सुपौल। जिले के पिपरा प्रखंड कार्यालय परिसर में रविवार को श्री गुरु संत रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी अमरेंद्र पंडित एवं प्रखंड कल्याण पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से किया। कलश यात्रा प्रखंड मुख्यालय परिसर से शुरू होकर एनएच-106 के रास्ते गुजरते हुए पुनः प्रखंड परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान संत रविदास जी के विचारों, सामाजिक समानता, भाईचारे और समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। यात्रा में बीडीओ अमरेंद्र पंडित, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी, कर्मी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। इस अवसर पर बीडीओ ने कहा कि संत रविदास जी के विचार आज भी समाज को एकता, भाईचारे और समानता की राह दिखाते हैं। उनके संदेश को आत्मसात कर सामाजिक एकता को और मजबूत किया जा सकता है। प्रखंड कल्याण पदाधिकारी ने भी संत रविदास जी के बताए मार्ग पर चलने तथा समाज में समानता और सद्भाव की भावना को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। बताया गया कि संत रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कलश यात्रा के बाद आगामी 27 अगस्त से प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न टोलों में शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति परिवारों के पात्र लाभुकों को 23 योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। अधिकारियों ने लोगों से शिविरों में पहुंचकर योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

पूर्व विधायक अजीत शर्मा ने लगाया कांवरिया सेवा शिविर, फल और पेय जल का किया वितरण

नई सोच एक्सप्रेस

भागलपुर। सावन की अंतिम सोमवारी की पूर्व संध्या पर रविवार को स्थानीय कचहरी चौक पर कांवरियों की सेवा के लिए एक विशाल शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर भागलपुर के पूर्व विधायक अजीत शर्मा के सौजन्य से लगाया गया, जहां सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर देवघर जा रहे शिवभक्तों की जमकर सेवा की गई। शिविर में पूर्व विधायक अजीत शर्मा ने खुद मौजूद रहकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ कांवरियों के बीच सेब, केला, पेठा, पपीता, चॉकलेट और शुद्ध पेयजल का वितरण किया। इस दौरान पूरा माहौल 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयकारों से गुंजायमान रहा। कांवरियों का हौसला बढ़ाते हुए पूर्व विधायक अजीत शर्मा ने कहा कि भगवान भोलेनाथ सर्वहारों के देवता हैं। उनकी सच्ची आराधना से हर मनुष्य की मनोवांछित कामनाएं पूरी होती हैं। उन्होंने सभी देवतुल्य कांवरियों की सुरक्षित, सुगम और निर्बाध यात्रा की कामना की। श्री शर्मा ने अटूट विश्वास जताते हुए कहा कि बाबा भोलेनाथ सभी भक्तों की झोली भरेंगे और हमारे देश में खुशहाली, शांति, समृद्धि और आपसी सद्भाव का वरदान देंगे। इस सेवा शिविर को सफल बनाने में बिहार प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि डॉ. अभय आनंद, बिपिन बिहारी यादव, सोइन अंसारी, अभिषेक किशोर, शिव शंकर सिन्हा, सैफ बिन मल्लिक, आरती सिंह, ज्योति यादव, मिनाक्षी रॉयल, बबली किशोर, डॉ. जय शंकर ठाकुर, कक्कू और संतोष कुमार सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी तन्मयता से सेवा में जुटे रहे।

सिंह संक्रांति पर गंगा घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, महिलाओं ने लगाई आस्था की डुबकी

नई सोच एक्सप्रेस

भागलपुर। सिंह संक्रांति के पावन अवसर पर रविवार को जिले के विभिन्न गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही प्रमुख घाटों पर उत्सव जैसा माहौल देखा गया। जिले के सबसे प्रमुख बरारी सीढ़ी घाट, पुल घाट, सुल्तानगंज के उत्तरवाहिनी गंगा घाट और कहलगांव के विभिन्न घाटों पर सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। इसके अलावा शहरी और ग्रामीण इलाकों से जुड़े अन्य छोटे-बड़े गंगा घाटों पर भी महिलाओं की लंबी कतारें देखी गईं। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार, महिलाओं ने पवित्र गंगा नदी में स्नान कर अपने परिवार की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। स्नान के पश्चात बरारी सीढ़ी घाट और अन्य तटों पर बने मंदिरों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान महिलाओं ने भगवान भास्कर और मां गंगा को अर्घ्य दिया। पूजा संपन्न होने के बाद घाट पर ही एक-दूसरे को तिलक लगाया गया और विशेष रूप से तैयार किया गया प्रसाद ग्रहण किया गया। त्योहार को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पूजा समितियों की ओर से प्रमुख घाटों पर सुरक्षा और सफाई के विशेष इंतजाम किए गए थे। घाटों पर बैरिकेडिंग की गई थी और गोताखोरों की टीम भी मुस्तैद दिखी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

संक्षिप्त समाचार

नवाचार और समयानुकूल शिक्षा ही युवा वर्ग की आकांक्षा : प्रो. झा

खगौल। जगत नारायण लाल कॉलेज, खगौल में संकाय विकास कार्यक्रम के तहत अकादमिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 'संकाय विकास कार्यक्रम में निहित उच्च शिक्षा के उन्नयन के विविध आयाम' विषय पर शिक्षकों और शोधार्थियों ने विचार-विमर्श किया। मुख्य वक्ता डॉ. श्वेता कुमारी और शशिभूषण ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की रूपरेखा और उसके क्रियान्वयन की चुनौतियों पर प्रकाश डाला। प्रो. अनुप कुमार सिंह ने ऐसे कार्यक्रमों की उपयोगिता बताई। वहीं, समन्वयक प्रो. अविनाश कुमार झा ने कहा कि शिक्षा के उन्नयन के लिए शिक्षकों के बीच समसामयिक समस्याओं और बहुविषयक विषयों पर निरंतर विमर्श आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नवाचार और समयानुकूल शिक्षा ही युवा वर्ग की आकांक्षा है। प्रो. शंकर कुमार ने मूल्य एवं नैतिकता आधारित प्रभावी शिक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य प्रो. मधु प्रभा सिंह ने की। उन्होंने छात्र-शिक्षक के लिए ऐसे कार्यक्रमों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शुभांगी त्रिपाठी ने किया, जबकि प्रतिवेदन डॉ. पल्लवी ने प्रस्तुत किया। इस दौरान विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षक, शोधार्थी, प्राध्यापक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे। प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने अपनी जिज्ञासाएं रखीं।

मारवाड़ी हेल्थ सोसायटी में डॉ. दिवेश कुमार के नेतृत्व में कान, नाक, गला जांच के लिए अत्याधुनिक मशीन की शुरुआत

पटना। रोगियों को बेहतर और सटीक इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मारवाड़ी हेल्थ सोसायटी, राजेन्द्र नगर, पटना में कान, नाक एवं गला (ई.एन.टी) विभाग को अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित किया गया है। प्रख्यात ई.एन.टी विशेषज्ञ डॉ. दिवेश कुमार के नेतृत्व में विभाग में नई पीढ़ी की जाँच मशीनें स्थापित की गई हैं। इनमें वीडियो एंडोस्कोपी सिस्टम, ऑडियोमेट्री एवं टिम्पेनोमेट्री, नेजल एंडोस्कोप, लैरिंगोस्कोप और माइक्रोस्कोपिक ईयर जांच उपकरण शामिल हैं। डॉ. दिवेश कुमार ने बताया, "इन मशीनों के आने से कान के पर्दे में छेद, सुनने में कमी, साइनस, नाक की हड्डी टेढ़ी होना, टॉन्सिल और आवाज संबंधी विकारों का बहुत ही शुरुआती अवस्था में और बिना दर्द के पता लगाया जा सकेगा। अब मरीजों को बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, सभी जाँचें यहीं किफायती दर पर उपलब्ध होंगी।" मारवाड़ी हेल्थ सोसायटी के अध्यक्ष राधेश्याम बंसल ने बताया कि संस्था का उद्देश्य 2014 से ही आम लोगों को कम खर्च में उच्च स्तरीय डायग्नोस्टिक सुविधा देना रहा है। ई.एन.टी विभाग में आधुनिकीकरण इसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण कदम है। मौके पर पूर्व अध्यक्ष रमेश गुप्ता, प्रकाश अग्रवाल, बिनोद अग्रवाल, हरेकृष्ण अग्रवाल सहित अन्य थे।

आध्यात्मिक सत्संग समिति के तत्वावधान में पंडित संतोष पांडेय के नेतृत्व में भव्य रुद्राभिषेक संपन्न

पटना।आध्यात्मिक सत्संग समिति के तत्वावधान में आज भगवान भोलेनाथ का दिव्य रुद्राभिषेक एवं पूजन समारोह बड़े ही श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर सुप्रसिद्ध विद्वान पंडित संतोष पांडेय जी के नेतृत्व व मंत्रोच्चार में भगवान शिव का जल, दुग्ध, दही, घी, शहद एवं गंगाजल से रुद्राभिषेक किया गया। वैदिक मंत्रों की ध्वनि से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। पंडित संतोष पांडेय जी ने इस अवसर पर कहा कि रुद्राभिषेक करने से समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का वास होता है। सावन मास में रुद्राभिषेक का विशेष महत्व है। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को भगवान शिव की महिमा और आध्यात्मिक जीवन के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर आध्यात्मिक सत्संग समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र गुप्ता, महामंत्री संदीप सर्राफ ,उपाध्यक्ष विष्णु सुरेका, विनोद बंसल, अजय कुमार, महेश जलान ,राजेश गुप्ता, सोनल छाया, लक्ष्मणअग्रवाल, लाल प्रसाद बरनवाल , सुशील सुंदरका, योगेश तुलस्यान, सुरेंद्र प्रसाद, महावीर विदासरिया सहित समिति के सभी पदाधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में महा आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। समिति के अध्यक्ष ने पंडित संतोष पांडेय जी का आभार व्यक्त किया और सभी श्रद्धालुओं को धन्यवाद दिया।

छपरा जंक्शन पर आरपीएफ और सीआईबी की संयुक्त कार्रवाई में 1.30 लाख रुपये की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद

सारण। छपरा जंक्शन पर वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ वाराणसी के आदेश और सहायक सुरक्षा आयुक्त छपरा के कुशल निर्देशन में आरपीएफ और सीआईबी छपरा की संयुक्त टीम ने भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की है। सघन चेकिंग और निगरानी के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या तीन पर पहुंची गाड़ी संख्या 15232 के एसी कोच बी चार से लावारिस हालत में रखे पांच प्लास्टिक बोरे, एक पिठ्ठु बैग और एक झोला बरामद किया गया। तलाशी लेने पर इनमें विभिन्न ब्रांड्स की कुल 151.45 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब पाई गई, जिसकी अनुमानित कीमत 1,30,310 रुपए है। इस कार्रवाई में उप-निरीक्षक विशाल, कांस्टेबल संजय यादव और कांस्टेबल दिलीप कुमार शामिल रहे। जब्त शराब को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए राजकीय रेल पुलिस छपरा को जमा कर दिया गया है।

मालदा मंडल द्वारा "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत वृक्षारोपण

नई सोच एक्सप्रेस

मालदा।पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के तहत, पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा आज (23.08.2026) लक्ष्मण सेन स्टेडियम एवं विद्रोही ग्राउंड, मालदा में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मालदा मंडल के पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन (EnHM) विभाग द्वारा आयोजित किया गया तथा इसका नेतृत्व श्री मनीष कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, मालदा ने श्रीमती मनीषा गुप्ता, अध्यक्ष, पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन (ERWWO) के साथ किया। डॉ.अनूपा घोष, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मंडल रेलवे अस्पताल, मालदा, वरिष्ठ शाखा अधिकारियों, ERWWO सदस्यों, रेल कर्मचारियों एवं बच्चों ने भी वृक्षारोपण अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। दोनों स्थानों पर लगभग 500 पौधे लगाए गए, जिससे क्षेत्र में हरित आवरण को बढ़ाने में योगदान मिला। अधिकारियों, ERWWO सदस्यों, रेल कर्मचारियों एवं बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों के महत्व को रेखांकित किया। इस अभियान के माध्यम से प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा पर्यावरण-अनुकूल आदतों को अपनाने के प्रति जागरूकता को भी प्रोत्साहित किया गया। "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान प्रकृति और मातृत्व के भावनात्मक संबंध का प्रतीक है। यह लोगों को अपनी माताओं के सम्मान में पेड़ लगाने एवं उनका संरक्षण करने के लिए प्रेरित करता है तथा एक स्वस्थ और सतत ग्रह के निर्माण में योगदान देने का संदेश देता है। इस प्रकार की पहलों के माध्यम से मालदा मंडल पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने तथा स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ भविष्य के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

जन्मदिन पर अनोखी पहल, केक नहीं पौधे लगाकर मनाया जन्मदिन

नई सोच एक्सप्रेस

» पेड़ पक्षियो और जानवरों को भी आश्रय प्रदान करते हैं : रिजवान अली
» पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जबलपुर।समाजसेवी एवं शहर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रिजवान अली कोटी के जन्मदिवस पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं एवं मॉर्निंग वॉकर्स क्लब द्वारा सिविक सेंटर स्थित प्रियदर्शनी उद्यान में पौधारोपण किया एवं मिष्ठान वितरण कर जन्मदिवस मनाया। इस अवसर पर रिजवान अली कोटी ने कहा कि पेड़ पर्यावरण का मुख्य अंग हैं साथ ही पेड़ पक्षियों और जानवरों को भी आश्रय प्रदान करते हैं सभी लोगों को अपने जन्मदिवस पर कम से कम एक पौधा रोपकर उसकी देखभाल करना चाहिए उन्होंने कहा कि पर्यावरण के लिए सिर्फ पौधारोपण नहीं बल्कि, इनका संरक्षण भी आवश्यक है इस दौरान सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा,एस के मुद्दीन,शफी खान,ब्रजेश यादव,आसिफ एंथोनी,संजय शुक्ला, राजेश विश्वकर्मा,एजाज अंसारी,पप्पू विश्वकर्मा, ज़फ़र खान,दसई दादा सहित बड़ी संख्या कार्यकर्ता मौजूद थे।

गंगाजल-बेलपत्र लेकर निकली वरुणा व्यापार मंडल की कलश यात्रा,बाबा विश्वनाथ का किया जलाभिषेक

नई सोच एक्सप्रेस

» हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा काशी

वाराणसी।वरुणापुल यूपी मोटर पेट्रोल पंप से वरुणा क्षेत्र व्यापार मंडल के तत्वावधान में 23 अगस्त रविवार को बाबा श्री काशी विश्वनाथ के जलाभिषेक हेतु निकाली गयी भव्य कलश यात्रा | कलश यात्रा का नेतृत्व संस्था के महामंत्री सोमनाथ विश्वकर्मा ने किया कलश यात्रा में बड़ी संख्या में व्यापारी,महिलाएं एवं पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए | महिलाओं ने सिर पर गंगाजल एवं बेलपत्र से सुसज्जित कलश धारण किए वहीं श्रद्धालु हाथों में केसरिया ध्वज लेकर बाबा की भक्ति में लीन होकर आगे बढ़े पूरे यात्रा मार्ग में "हर-हर महादेव" और "बम-बम भोले" के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो गया | यात्रा के दौरान बाबा श्री काशी विश्वनाथ के दिव्य स्वरूप की भव्य झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही श्रद्धालुओं ने बाबा के स्वरूप का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया | महामंत्री सोमनाथ विश्वकर्मा ने कहा कि बाबा विश्वनाथ धाम पहुंचने पर व्यापारियों एवं श्रद्धालुओं ने विधि-विधान एवं श्रद्धाभाव के साथ बाबा विश्वनाथ का गंगाजल से जलाभिषेक किया तथा बेलपत्र अर्पित कर सुख-शांति,समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना की | इस दौरान पूरा धाम "हर-हर महादेव" के जयघोष से गूंज उठा | उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ काशी ही नहीं,बल्कि समस्त सनातन समाज की आस्था के केंद्र हैं | हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबा के प्रति श्रद्धा एवं भक्ति के साथ यह कलश यात्रा निकाली गई है | बाबा विश्वनाथ की कृपा से काशी सहित पूरे देश में सुख, शांति,समृद्धि और आपसी भाईचारा बना रहे यही हम सभी की प्रार्थना है | कलश यात्रा में प्रमुख रूप से विनय गुप्ता मोनू, प्रतीक शर्मा, राजू शर्मा, अमरनाथ, जय,राधा देवी, मीनू विश्वकर्मा, आशा, शैलेंद्र श्रीवास्तव मुन्ना, वैष्णवी, बृजेश, प्रदीप, अभिषेक, संतोष विश्वकर्मा, अजय, प्रकाश, शुभम, दीपक, सचिन, सुमित, खुशी, सुजल, किशन, विक्की, आर्यन सहित इत्यादि लोग थे ||

प्रतापगढ़ में आजाद समाज पार्टी के जिला कार्यालय का उद्घाटन

नई सोच एक्सप्रेस

प्रतापगढ़।सुखपाल नगर में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के जिला कार्यालय का भव्य उद्घाटन प्रदेश महासचिव/जोन प्रभारी विनय सागर ने किया। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और जनसरोकार के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने पर चर्चा हुई। विनय सागर ने कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि मजबूत संगठन के बल पर आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी भाईचारा बनाए रखते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के बाद आगामी 2 सितंबर को भीम आर्मी प्रमुख एवं आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर विश्वनाथगंज विधानसभा क्षेत्र के मैदान का निरीक्षण किया गया और तैयारियों पर चर्चा हुई। मौके पर जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार सरोज सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

घर घर ब्राह्मण जोड़ो अभियान तेज, प्रदेश भर में अब तक पंद्रह लाख फार्म भरे लक्ष्य पचास लाख

नई सोच एक्सप्रेस

» राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू किया जाए तथा यूजीसी बिल तत्काल वापस लिया जाए तथा सवर्ण आयोग बनाया जाए

कानपुर।सर्व ब्राह्मण विकास परिषद के केंद्रीय कार्यालय दर्शन पुरवा में घर घर ब्राह्मण जोड़ो अभियान को लेकर बैठक हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष पं कमल किशोर अवस्थी ने बताया कि संगठन ने प्रदेश भर में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। परिषद द्वारा प्रदेश भर में अब तक पंद्रह लाख तीन सौ चौसठ फार्म भरे जा चुके हैं तथा संगठन ने पचास लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। संगठन तीस सितंबर तक इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए दिन-रात जुटा हुआ है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित कमल किशोर अवस्थी ने कहा कि पंद्रह लाख से अधिक फॉर्म भरना हमारे कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। लेकिन अभी हमें रुकना नहीं है, हमें पचास लाख का लक्ष्य पूरा करना है। पौराणिक काल से ही ब्राह्मण समाज को दिशा देता आ रहा है। आज ब्राह्मणों की अनदेखी हो रही है। हमारी मांग है सवर्ण आयोग का गठन किया जाए। तथा भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए। संस्कृत आचार्यों की नियुक्तिया की जाए एवं मंदिरों में पूजा पाठ कर रहे पण्डितों को हर महीने एक हजार रुपये सम्मान राशि दी जाए तथा राजनीति एवं टिकट बंटवारे में भी ब्राह्मणों को जनसंख्या के आधार पर 27 प्रतिशत टिकट दिया जाए। वही प्रदेश अध्यक्ष कौशल किशोर अवस्थी ने कहा कि प्रदेश के हर जिले में हमारी टीम गठित है। पंद्रह लाख से ज्यादा फार्म भर चुके हैं और पचास लाख का लक्ष्य हम तीस सितंबर से पहले ही पा लेंगे। ब्राह्मण जब एकजुट होगा तभी उसकी बात सरकार एवं राजनैतिक दल सुनेगे। वक्ता महेश त्रिवेदी ने कहा कि संगठन ही ताकत है। वक्ता एस पी शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण युवाओं को आगे आना होगा। वक्ता आचार्य राम शेखर द्विवेदी ने कहा कि धर्म और समाज की रक्षा के लिए एकता जरूरी है। वक्ता श्रीमती अर्चना शुक्ला ने कहा कि महिला शक्ति की भागीदारी से संगठन और मजबूत होगा।

श्री नीलकंठ महादेव मंदिर में शिव विवाह प्रसंग सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

नई सोच एक्सप्रेस

बागपत, उत्तर प्रदेश। रविवार को बड़ौत स्थित श्री नीलकंठ महादेव मंदिर में चल रही पावन श्री शिव महापुराण कथा के दौरान भगवान शिव के विवाह संस्कार का अत्यंत प्रेरणादायक एवं भावपूर्ण प्रसंग सुनाया गया। कथा व्यास आचार्य अनुज दीक्षित ने भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह प्रसंग के माध्यम से श्रद्धालुओं को पारिवारिक जीवन, पति-पत्नी के कर्तव्यों तथा संस्कारों का महत्व समझाया। कथा आरंभ होने से पूर्व पूजन कार्य दण्डी स्वामी जी महाराज, पंडित सचिन शर्मा, पंडित सुमित पाराशर एवं आचार्य संदीप गौतम सहित अन्य विद्वानों द्वारा विधि-विधान के साथ संपन्न कराया गया। कथा व्यास आचार्य अनुज दीक्षित ने कहा कि बेटी को विदा कर ससुराल भेजने से पूर्व उसे अच्छे संस्कारों और पारिवारिक जीवन से संबंधित उचित शिक्षा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पत्नी के पति के प्रति दायित्वों तथा पति के पत्नी के प्रति कर्तव्यों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि दांपत्य जीवन आपसी प्रेम, सम्मान, विश्वास और समर्पण से ही सुखमय बनता है। आचार्य अनुज दीक्षित ने भगवान शिव की करुणा और विशाल हृदय का वर्णन करते हुए कहा कि समस्त संसार जिनको अपनाने से कतराता है, भगवान शिव उन्हें भी अपने चरणों में स्थान देते हैं। भूत, प्रेत और अन्य उपेक्षित जीवों को भी शिव अपना लेते हैं, जो उनके सर्वसमावेशी और कल्याणकारी स्वरूप को दर्शाता है। उन्होंने पतिव्रता स्त्री के गुणों का भी विस्तार से वर्णन किया तथा अनेक प्रेरणादायक प्रसंगों के माध्यम से श्रद्धालुओं को जीवन में सदाचार, धर्म और पारिवारिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। कथा के दौरान श्रद्धालु भगवान शिव के भक्ति रस में सराबोर दिखाई दिए। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी की वरिष्ठ नेता रेनू तोमर, आशुतोष तोमर, आचार्य पंडित पवन शास्त्री, पंडित दीपांशु कौशिक, पूर्व सभासद प्रताप चौहान, विकास शर्मा उर्फ गुड्डू पंडित, करण दहिया, अनुज मित्तल उर्फ सोनू, विपुल जैन बागपत, दीपांशु वर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब वाराणसी वृंदा के रोटरी बाजार में सजे 63 स्टॉल,महिलाओं की प्रतिभा और स्वावलंबन को मिला मंच

नई सोच एक्सप्रेस

» रोटरी बाजार में दिखी भारतीय हस्तशिल्प की विविधता,जनकल्याण के साथ महिला आत्मनिर्भरता का संदेश

वाराणसी।रोटरी क्लब वाराणसी वृंदा द्वारा रोटरी बाजार का आयोजन होटल सूर्या कैंटोनमेन्ट में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ | इस अवसर पर लखनऊ, प्रयागराज,कोलकाता,मिर्जापुर ,इंदौर, भदोही,गाजीपुर एवं वाराणसी सहित विभिन्न स्थानों से लगभग 63 स्टॉल लगाए गए | इन स्टॉलों में लखनऊ की प्रसिद्ध चिकनकारी, बनारस की मीनाकारी,जरदोजी वर्क,सिल्क की साड़ियां,भदोही की कारपेट,होम डेकोर के सामान,भगवान के वस्त्र,राखी, आर्टिफिशियल ज्वैलरी एवं सिल्वर ज्वैलरी प्रमुख आकर्षण रहे | इसके साथ ही गाजीपुर की ऑर्गेनिक खाद्य सामग्री एक्सपोर्ट क्वालिटी की फर्निशिंग,विभिन्न राज्यों की आकर्षक ड्रेसेज,फुटवियर एवं बैग के स्टॉल भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे यह कार्यक्रम विशेष रूप से महिलाओं को मंच प्रदान करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया | साथ ही इस आयोजन से प्राप्त सहयोग के माध्यम से निर्धन लोगों के निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन, असहाय लड़कियों के विवाह तथा गरीब बच्चों की शिक्षा में सहायता करने का उद्देश्य रखा गया है |कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रोटरी मंडल 3120 की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन पूनम गुलाटी थीं कार्यक्रम की अध्यक्षता रोटेरियन राधा अग्रवाल ने की | कार्यक्रम का संयोजन रोटेरियन अलका पोद्दार, रोटेरियन पूनम अग्रवाल,रोटेरियन रचना जैन एवं रोटेरियन मीना सिंह द्वारा किया गया | इस अवसर पर प्रमुख रूप से रोटेरियन श्वेता खरे,रोटेरियन पूर्णिमा सिंह,रोटेरियन संगीता अग्रवाल,रोटेरियन मीना सिंह, रोटेरियन ललिता मोदी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे | कार्यक्रम में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न स्टॉलों पर खरीदारी कर इस सामाजिक एवं जनकल्याणकारी पहल को अपना सहयोग प्रदान किया ||

किशोर पंजवानी बने कैट के प्रदेश उपाध्यक्ष व कोरबा जिला प्रभारी

नई सोच एक्सप्रेस

बिलासपुर,छत्तीसगढ़। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया व राष्ट्रीय महामंत्री व चांदनी चौक दिल्ली के सांसद प्रवीण खंडेलवाल की सहमति व कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी के समर्थन बिलासपुर प्रभारी राकेश ओचवाँनी की अनुशंसा से किशोर पंजवानी को कैट का प्रदेश उपाध्यक्ष व कोरबा जिले का प्रभारी बनाया गया है , दोहरे पद पर मिली नियुक्ति पर किशोर पंजवानी ने कहा कि जो भरोसा मुझ पर शीर्ष नेतृत्व कर दोहरा पद पर नियुक्ति की है में उन्हें पूरा विश्वास दिलाता हूं कि में पूरी लगन के साथ पूरे जोश के साथ काम करूंगा व मेरे आगे बढ़ते हर कदम पर प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व का सहयोग व आशीर्वाद प्राप्त होगा । किशोर पंजवानी ने आगे कहा की वे बिलासपुर के प्रथम व्यक्ति है जिन्हें किसी जिले का प्रभारी बनाया गया है ,तथा उनकी प्रथम प्राथमिकता है कि जल्द कोरबा कैट इकाई का गठन किया जाएगा। नियुक्ति होने पर उन्होंने राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी, प्रदेश चेयरमेन जितेंद्र दोषी, विक्रम सिंहदेव सुरेंद्र सिंह प्रदेश अध्यक्ष परमानन्द जैन बिलासपुर प्रभारी श्री राकेश ओछ्वानी महामंत्री अवनीत सिंह कोषाध्यक्ष विजय पटेल का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि यहाँ तक पहुँचने में राष्ट्रीय सचिव श राजू सलूजा व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र गांधी का भी हमेशा आशीर्वाद प्राप्त रहा है उनके प्रति भी उन्होंने आभार व्यक्त किया।

सब्जियों में फसल चक्र अपनाएं

बेल वाली सब्जियों को मुख्यत:'क्युकर बिटेसी' यानी खीरा जाति की सब्जियों में रखा जाता है। इस वर्ग की सब्जियों में बीज कड़े होते हैं और उनके अंकुरण में काफी समय लगता है। इसीलिए बेल वाली सब्जियों की अगेती फसल लेने के लिये सब्जी उत्पादक प्लास्टिक की थैलियों में खाद युक्त मिट्टी भरकर उसमें बीज बोते हैं और जब पौधा 20 से 25 दिन का हो जाता है तो उसे खेत में लगा देते हैं।

उपयुक्त फसल चक्र

उत्तरी भारत में मौसम की अनुकूलता के अनुसार ग्रीष्मकाल में एक वर्षीय फसल चक्रों में बेलवाली सब्जियों को सफलता पूर्वक शामिल किया जा सकता है। ये निम्न प्रकार है-

(क) मूली (जुलाई-अगस्त) - मटर (अक्टूबर-मार्च) करेला (मार्च-जून).
(ख) अदरक (जून-अक्टूबर)- पालक/ मैथी/ धनिया/ सौआ/ सौंफ (अक्टूबर से जनवरी) खीरा जाति की सब्जियाँ (फरवरी-जून.
(ग) बैंगन (अगस्त-मार्च),- टिन्डा (मार्च-अगस्त)
(च) लोबिया (जुलाई-नवम्बर)- करेला (जनवरी-जून)
(छ) खीरा (जुलाई-सितम्बर) फूलगोभी (अक्टूबर-जनवरी)-कद्दू या काशी फल (फरवरी-जुलाई).
(झ) भिंडी (जुलाई-अक्टूबर)-फरासबीन (अक्टूबर-फरवरी)-टिन्डा (मार्च-जून)
(य) देसी गाजर (अगस्त-दिसम्बर)-लौकी (जनवरी-जुलाई)
(र) शलजम (सितम्बर-जनवरी) - पालक (फरवरी-अप्रैल)- खीरा (अप्रैल-जुलाई)
(ल) टिन्डा (जून-अगस्त)- गांठ गोभी (अक्टूबर-फरवरी) पालक (फरवरी-अप्रैल)- तोरई (अप्रैल-जून)

टिन्डा

इसके लिये अनुकूल तापक्रम 24 डिग्री सेल्सियस से 26.5 डिग्री सेल्सियस है। फसल न्यूनतम 18.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापक्रम 35 डिग्री सेल्सियस पर होती है। मौसम में नमी अगर अधिक हो तो पत्तियों में रोग की संभावना रहती है और फल उच्चकोटि के नहीं मिल पाते। बीज अंकुरण के लिये 21 डिग्री सेल्सियस से 29.5 डिग्री सेल्सियस का अनुकूल तापक्रम माना गया है। टिंडे को गर्म मौसम की आवश्यकता होती है।

खीरा और लौकी

अनुकूल तापक्रम 18.5 डिग्री सेल्सियस से 24 डिग्री सेल्सियस है। न्यूनतम 15.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 29.5 डिग्री सेल्सियस तापक्रम पर इसकी फसल अच्छी पाई गई है। पकने की अवस्था पर न्यून तापक्रम का अच्छा प्रभाव पड़ता है और अधिक नम मौसम में पत्तियों के रोग की संभावना अधिक होती है। अधिक तापक्रम और लंबे दिन में नर फूल ज्यादा आते हैं और मादा फूलों की संख्या कम होने के कारण उपज कम मिलती है। यदि भूमि का तापक्रम 10 डिग्री सेल्सियस हो तो बीज का अंकुरण नहीं होता। लौकी के लिये नम और गर्म जलवायु उत्तम रहती है। मध्यम जलवायु में इस फसल को वर्ष भर उगाया जा सकता है। भारी वर्षा और बदली वाला मौसम व्याधि और कीड़ों के प्रकोप को बढ़ा देते हैं। लम्बे मौसम की फसल होने के कारण फरवरी में बोई गई फसल बरसात के मौसम तक चलती रहती है। अधिक गर्मी से इस फसल पर प्रतिकूल असर पड़ता है।

करेला, घिया व आरा तोरी

इन फसलों के लिये जलवायु लौकी के समान रहती हैं। ये फसलें शीतकालीन मौसम कुछ अधिक बरदाश्त कर लेती हैं किंतु अधिक गर्मी में फसल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

काशीफल 80 से 120 दिन की फसल है। फूल 60 से 80 दिन में आते हैं और फल पकने में 60 दिन लग जाते हैं। कद्दू या पीला कोहडा के लिये 18.5 डिग्री से 24 डिग्री सेल्सियस तापक्रम उपयुक्त है। और इस तापक्रम में फल अच्छे लगते हैं। इन सब्जियों के लिये न्यूनतम तापक्रम 15.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 29.5 डिग्री सेल्सियस सर्वोत्तम माना गया है।

कद्दूवर्गीय सब्जियों के लिये संतुलित उर्वरीकरण के प्रमुख पोषक तत्वों की मात्रा

(इकाई-कि.ग्राम./हेक्टेयर)

फसल	यूरिया	एसएसपी	पोटाश
लौकी	65	375	25
कद्दू	217	500	67
करेला	130	188	50
तोरई	130	188	50
टिन्डा	130	188	50
पेठा	130	188	50
ककड़ी	87	188	50
खीरा	87	188	50

यूरिया की आधी मात्रा, सिंगल सुपर फास्फेट और म्यूरेट ऑफ पोटाश की पूरी मात्रा के साथ बीज लगाने के 2 से 3 दिन पूर्व थालों में अच्छी तरह मिला दें। नाइट्रोजन की शेष आधी मात्रा एक महीने की खड़ी फसल में 20 से 30 से.मी. की दूरी पर थालों में देने की सिफारिश की जाती है। इसके बाद मिट्टी चढ़ावें और गुड़ाई भी करें और सिंचाई करें (यूरिया प्रयोग करने के 2-3 दिन बाद).

ककड़ी

इसके लिये गर्म मौसम की जरूरत पड़ती है। तापक्रम 21 डिग्री सेल्सियस से 26.5 डिग्री सेल्सियस पर्याप्त है, पर 32 डिग्री सेल्सियस तापक्रम में भी फसल उगाई जा सकती है। अन्य बेल वाली सब्जियों में परबल के लिये अधिक गर्म व नमी तथा वर्षा वाले क्षेत्र सर्वोत्तम होते हैं। इसीलिए परबल की बेलों को पान के बरेजों में सफलतापूर्वक बढ़ने का मौका मिलता है। चिचिड़ा भी गर्म मौसम की बेल वाली सब्जी है। इसे कम तापमान पर पहाड़ों पर भी उगाया जा सकता है। बिहार और बंगाल के इलाकों में जहां पाले से क्षति होने की संभावना कम होती है। चिचिड़ा को अक्टूबर से नवम्बर तक भी लगाया जा सकता है।

आलू की देखभाल

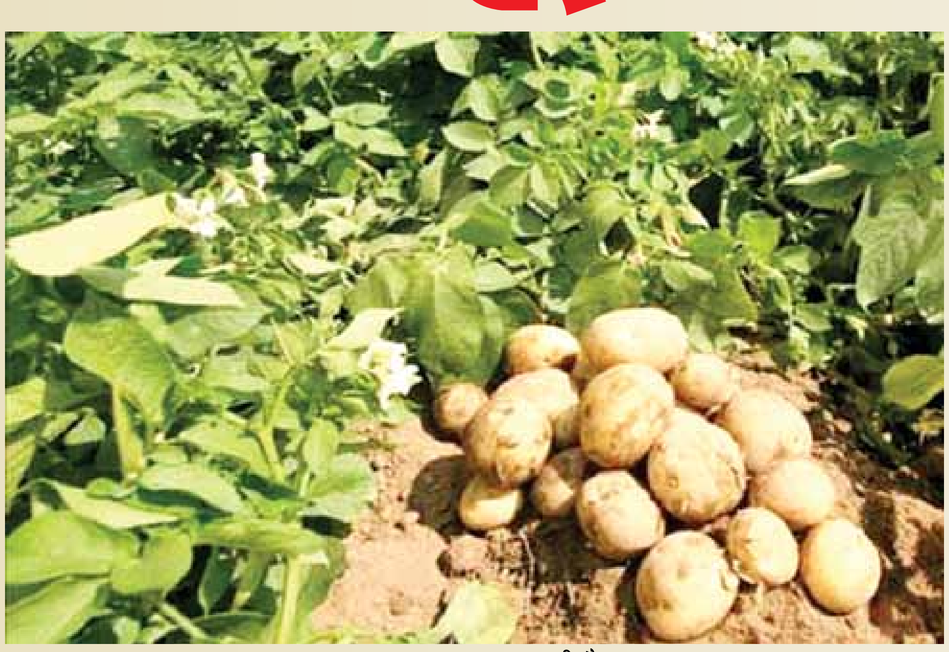

खुदाई के समय रखी जाने वाली मुख्य सावधानियाँ

- खुदाई के समय अधिक नमी न हो. क्योंकि अधिक नमी होने पर कन्द पर मिट्टी चिपकेगी.
- तुरंत खोदे गए आलू को ज्यादा ऊंचाई से ढेर पर न फेंकें.
- खोदे गए आलू को दो घंटे तक इकट्ठा न करें जिससे आलू का छिलका मजबूत हो जाये और मिट्टी कम चिपके.
- आलू को खुदाई पूर्व अंगूठे से रगड़कर देख लें कि छिलका उतर तो नहीं गया. और यदि छिलका कच्चा हो तो कुछ दिन बाद खोदें.
- मैदानी क्षेत्र में बीज के लिए खुदाई फरवरी माह में खुले मौसम में करें क्योंकि अधिक तापमान काला गलन रोग की संभावना बढ़ जाती है.
- आलू की खुदाई आधुनिक मशीन से करने कंद सुरक्षित निकलते हैं जबकि खुरपी व फावड़े से कंद छिल जाते हैं.
- बीज वाली फसल को ऊपर से पौधे को काट देते हैं तथा कटाई के एक सप्ताह पूर्व सिंचाई बंद कर देना चाहिए. जिससे कंद का छिलका नरम न रहे और आलू खराब न हो.
- बीज के लिए बोई गई फसल को मध्य जनवरी तक पत्तियों की कटाई कर दें.
- पिछेती झुलसा की संभावना वाले आलू को अलग कर देना आवश्यक है जिससे अगली वर्ष बुवाई न हो.

आलू का ढेर बनाते समय सावधानियाँ

- ढेर बनाते समय ऊपर से सीधा न फेंकें.
- आलू की खुदाई के बाद 10-15 दिन छिलका मजबूत होने तक ढेर में सड़न पैदा न हो.
- आलू का ढेर छाया में बनायें जिसे पुआल या चटाई से अच्छी तरह ढंक दें.
- आलू के ढेर की ऊंचाई डेढ़ मीटर से अधिक न रखें तथा उसकी चौड़ाई 4-5 मीटर रखें लम्बाई कितनी भी रख सकते हैं.

छटाई (ग्रेडिंग) करते समय सावधानियाँ

- आलू को अच्छी तरह देखकर उसके वजन व आकार के अनुरूप श्रेणियों में बांटने को ही ग्रेडिंग कहते हैं. ऐसा करने से आलू के अच्छे दाम मिलते हैं जिसके लिए वजन निम्नानुसार रखना अच्छा माना जाता है.
  (अ) बड़े आलू- जिनका वजन 125 ग्राम से ज्यादा हो.
  (ब) मध्यम आलू- जिनका वजन 80 से 125 ग्राम हो.
  (स) बीच के आलू- जिनका वजन 40 से 80 ग्राम हो.
  (द) छोटे आलू- जिनका वजन 25 से 40 ग्राम हो इनके अलावा जिन कंदों का वजन 25 ग्राम से कम हो बुवाई के लिए उपयोग में लेना चाहिए.

आलू कंदों का उपचार करते समय सावधानियां

- बीज के लिए रखे जाने वाले आलू को साफ पानी से धोना आवश्यक है जिससे मिट्टी न लगी रहे इसके बाद एमिसान रसायन के 0.25ज घोल में 20 मिनिट तक डुबोयें.
- उपचारित बीज को सुखाकर बोरियों में भरें परंतु ध्यान रखें कि तेज धूप में सुखायें क्योंकि बीज की आंखें प्रभावित हो सकती हैं.
- उपचारित करने वाले आदमी को हाथों में दस्ताने पहनना चाहिए तथा घाव वाले व्यक्ति उपचार का कार्य न करें.
- शीत ग्रह में भंडारण के पूर्व बीज को उपचारित कर ही रखें.
- उपचारित बीज की पैकिंग के बाद धूप में न रखें.
-

उपचार दवाई को बच्चों व पशुओं की पहुंच से दूर रखें.
- बीज उपचार रसायन के डिब्बों को खाने वाली वस्तुओं में उपयोग न करें.
- बीजों उपचार में लगे व्यक्ति को बाद में साबुन से हाथ धोना चाहिए.

खुदाई के बाद भंडारण तक पहुंचने और पैकिंग में रखी जाने वाली सावधानियाँ

- आलू के कंद को अच्छी तरह देख लें कि कम से कम खरोंच हो.
- आलू भंडारण में भेजे जाने वाले बोरों को ऊंचाई से न फेंकें. आलू कट-फट सकते हैं.
- पैकिंग पूर्व आलू को अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए.
- पैकिंग किये जाने वाला स्थान हवादार हो.

भण्डारण में रखी जाने वाली सावधानियां

- अपनी फसल के उत्पादन को देखते हुए पहले शीतग्रह में आरक्षण ले लें जिससे समय पर सुविधानुसार भंडारित हो सकें.
- आलू को शीतग्रह में पहुंचने से पूर्व कटे-फटे आलू अलग होना आवश्यक है.
- आलू बोरी की कसकर सिलाई होना चाहिए अन्यथा ढीली बोरियों में आलू का छिलका उतरने का खतरा रहता है.
- भण्डारण में उपयोग किये गये बोरे नये होने चाहिए.
- आलू की बोरी पर लिखें कि उपचारित की गई है और किस्म का नाम भी अंकित करें.

उपचारित बीज को कभी भी खाने में उपयोग न करें.
प्रयास करें कि मार्च के मध्य तक आलू की ग्रेडिंग कर शीत ग्रह में भंडारित कर दें.

'आवारापन 2 ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल, 8 दिन में 119 करोड़ रुपये कमाए

'बंटवारा 1947 की कमाई धीमी

इमरान हाशमी की रोमांटिक एक्शन ड्रामा फिल्म 'आवारापन 2 बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। नितिन कक्कड़ के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने रिलीज के महज आठ दिनों में 119 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई कर ली है। फिल्म की रफ्तार को देखते हुए इसके आगे भी मजबूत प्रदर्शन करने की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं, सनी देओल की 'बंटवारा 1947 दर्शकों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई है। 14 अगस्त को रिलीज हुई इस फिल्म की कमाई पहले सप्ताह में ही धीमी पड़ गई और दूसरे सप्ताह की शुरुआत भी निराशाजनक रही। इमरान हाशमी अभिनीत 'आवारापन 2 ने 14 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन इसके बावजूद यह बॉक्स ऑफिस पर मजबूत प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने पहले दिन 22 करोड़ रुपये की शानदार कमाई के साथ शुरुआत की थी। पहले सप्ताह में इसका कुल कारोबार 113.50 करोड़ रुपये रहा। सैकनिल्क के शुरुआती रुझानों के अनुसार, 'आवारापन 2 ने रिलीज के आठवें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को करीब 5.50 करोड़ रुपये कमाए। इसके साथ ही भारत में फिल्म की आठ दिनों की कुल शुद्ध कमाई 119 करोड़ रुपये हो गई है। 119 करोड़ रुपये की कमाई के साथ 'आवारापन 2 अब अक्षय कुमार की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल के 137.93 करोड़ रुपये के जीवनकाल कारोबार को पीछे छोडऩे की ओर बढ़ रही है। इस आंकड़े को पार करने के लिए फिल्म को करीब 18.93 करोड़ रुपये और कमाने होंगे। फिल्म की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए दूसरे शनिवार और रविवार को कमाई में बढ़ोतरी की उम्मीद है। यदि फिल्म इसी तरह प्रदर्शन करती रही तो यह आने वाले दिनों में वर्ष की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो सकती है। दूसरे सप्ताहांत में 'आवारापन 2 के कारोबार में अच्छी बढ़ोतरी होने की संभावना जताई जा रही है। इस दौरान कोई बड़ी फिल्म रिलीज नहीं होने से फिल्म को सिनेमाघरों में अपेक्षाकृत कम प्रतिस्पर्धा मिलेगी। यश की फिल्म 'टॉक्सिक 26 अगस्त को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने वाली है। ऐसे में उससे पहले 'आवारापन 2 के पास अपनी कमाई बढ़ाने का अच्छा अवसर है। फिल्म की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए इसके 200 करोड़ रुपये के आंकड़े के करीब पहुंचने या उसे पार करने की उम्मीद लगाई जा रही है। दूसरी ओर, सनी देओल की फिल्म 'बंटवारा 1947 बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करती नजर आ रही है। फिल्म 14 अगस्त को 'आवारापन 2 के साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म से उम्मीद थी कि सनी देओल की लोकप्रियता के चलते यह दर्शकों को बड़ी संख्या में सिनेमाघरों तक खींचने में सफल होगी। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। फिल्म 'आवारापन 2 की मजबूत लोकप्रियता के सामने कमजोर पड़ गई। 'बंटवारा 1947 ने रिलीज के पहले दिन 5.75 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके बाद कारोबार में लगातार गिरावट देखने को मिली। फिल्म का पहले सप्ताह का कुल कारोबार 33.60 करोड़ रुपये रहा। सैकनिल्क के शुरुआती रुझानों के अनुसार, फिल्म ने रिलीज के आठवें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को महज 75 लाख रुपये कमाए। इसके साथ ही आठ दिनों में इसकी कुल भारत शुद्ध कमाई 34.35 करोड़ रुपये हो गई है। एक ही दिन रिलीज हुई 'आवारापन 2 और 'बंटवारा 1947 के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिल रहा है। जहां इमरान हाशमी की फिल्म आठ दिनों में 119 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है, वहीं सनी देओल की फिल्म अभी 35 करोड़ रुपये के आंकड़े से भी नीचे है। आने वाला सप्ताहांत दोनों फिल्मों के लिए महत्वपूर्ण होगा। 'आवारापन 2 जहां 200 करोड़ रुपये के क्लब की ओर बढऩे की कोशिश करेगी, वहीं 'बंटवारा 1947 के सामने अपनी कमाई को संभालने और सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या बढ़ाने की चुनौती होगी।

स्क्रीन पर कैरेक्टर को जस्टिफाई करना एक एक्टर की जिम्मेदारी : समीक्षा भटनागर

टेलीविजन अभिनेत्री समीक्षा भटनागर इन दिनों टीवी सीरियल अनुपमा में श्रुति आहूजा के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि वे खुशकिस्मत हैं कि उन्हें श्रुति का दिलचस्प किरदार करने और डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस में काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री ने कहा, टीवी सीरियल अनुपमा पहले से बहुत लोकप्रिय शो है, जब मुझे डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस की तरफ से मुझे श्रुति आहूजा का किरदार निभाने को मिला, तो मैंने सबसे पहले उसे समझा। मुझे लगा कि इसमें दम है और यह मुझ पर सूट करता है। इसी बात ने मुझे जल्दी से रोल करने के लिए मना लिया और अब लोगों को भी यह किरदार पसंद आ रहा है। अभिनेत्री ने आगे श्रुति आहूजा के किरदार के बारे में बताया, हर रोल एक नया चैलेंज लेकर आता है और श्रुति आहूजा का किरदार भी कुछ ऐसा ही था। वह एक मां है, जिन्हें अपनी बेटी के लिए खुद को जस्टिफाई करना पड़ता है। वह अपनी बेटी से प्यार करती हैं, लेकिन वह एक नेगेटिव कैरेक्टर नहीं हैं और मैं नहीं चाहती थी कि लोग उन्हें उस तरह से देखें ।उन्होंने आगे कहा, मेरा मानना है कि स्क्रीन पर उस कैरेक्टर को जस्टिफाई करना एक एक्टर की जिम्मेदारी है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि जब भी उन्हें कोई रोल ऑफर होता है, तो वह पहले अपने किरदार के बारे में सोचती हैं कि उसमें क्या नयापन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा, जब भी मुझे कोई रोल ऑफर होता है, तो मेरे लिए यह समझना बहुत जरूरी होता है कि मैं उस किरदार में क्या ला सकती हूं। एक एक्टर के तौर पर, मैं उसमें क्या योगदान दे सकती हूं? उसके बाद, कैरेक्टर के बारे में मेरी समझ बहुत जरूरी हो जाती है। मेरे लिए स्क्रीन पर रोल के साथ जस्टिस करना और यह पक्का करना भी उतना ही जरूरी है कि लोग उससे कनेक्ट करें।

'अनुपमा' में समीक्षा भटनागर की एंट्री से आया नया मोड़, श्रुति के किरदार में दिखेंगी कई शेड्स

पॉपुलर टीवी शो 'अनुपमा' अपनी लगातार बदलती और ट्विस्ट से भरी कहानी के कारण TRP चाट्र्स में हमेशा शीर्ष पर बना रहता है। शो में नए ट्विस्ट और हाई-वोल्टेज ड्रामा को जोड़ने के लिए मेकर्स समय-समय पर नए किरदारों की एंट्री कराते रहते हैं। हाल ही में सामने आए नए ट्रैक में अभिनेत्री समीक्षा भटनागर ने 'श्रुति आहूजा' का किरदार निभाना शुरू किया है, जिसके बाद से ही शो की टीआरपी और दर्शकों की उत्सुकता में बड़ा उछाल देखा जा रहा है। समीक्षा भटनागर के इस किरदार से पहले दर्शकों ने श्रुति को अलग रूप में देखा था, लेकिन अब इस किरदार में गहराई और भावनाओं का एक नया संतुलन नजर आ रहा है। कहानी के नए मोड़ में श्रुति अपने हक और अपनी बेटी आध्या (राही) की भलाई के लिए लड़ती हुई दिखाई देगी। हालांकि, किरदार में आने वाले उतार-चढ़ाव इसे थोड़ा तीखा जरूर बनाते हैं, पर समीक्षा का मानना है कि इसे नकारात्मक दृष्टिकोण से देखने के बजाय एक मां के संघर्ष के रूप में समझा जाना चाहिए। शो के सेट से आ रही रिपोर्ट्स की मानें तो आने वाले एपिसोड्स में अनुपमा और श्रुति के बीच का आमना-सामना और गहराने वाला है। समीक्षा का यह नया अवतार न केवल कहानी को नई गति दे रहा है, बल्कि टीवी प्रेमियों के बीच चर्चा का प्रमुख विषय भी बना हुआ है।

एक्शन सीन करते हुए घायल हुए अभिनेता

कार्तिक आर्यन, घुटने की सर्जरी की तैयारी; शूटिंग पर लगा ब्रेक

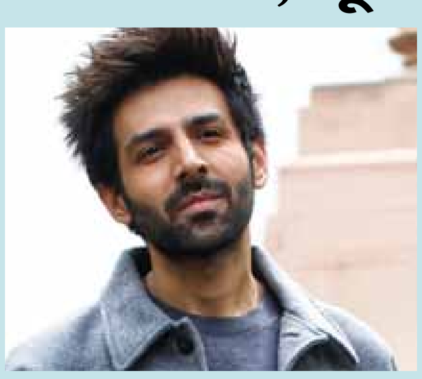

अभिनेता कार्तिक आर्यन अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। वह इन दिनों निर्देशक कबीर खान के साथ अपने अगले प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे। इसी दौरान एक कठिन एक्शन सीन की शूटिंग करते वक्त उनके घुटने में चोट लग गई। चोट लगने के बाद उन्हें तत्काल चिकित्सकीय सहायता दी गई और शूटिंग रोकनी पड़ी। रिपोर्टों के मुताबिक, कार्तिक फिलहाल फोर्टिस रहेजा अस्पताल में भर्ती हैं। डॉक्टर उनकी स्थिति की जांच कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर उनके घुटने की सर्जरी की जा सकती है। हालांकि, अभिनेता की टीम की ओर से अभी तक उनकी चोट या स्वास्थ्य को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि कार्तिक शूटिंग के आखिरी दो दिनों में घायल हुए। एक्शन दृश्यों को फिल्माने से पहले वह एक्शन कोच के साथ लगातार ट्रेनिंग कर रहे थे, क्योंकि फिल्म में उन्हें कई चुनौतीपूर्ण और शारीरिक रूप से कठिन दृश्य करने थे। शूटिंग के दौरान अचानक लगी चोट के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले से बताया गया है कि डॉक्टर जल्द ही उनके घुटने की सर्जरी करने का फैसला ले सकते हैं। यदि सर्जरी होती है तो कार्तिक को कुछ दिनों तक पूरी तरह आराम करना होगा। इसके बाद उनकी रिकवरी और चिकित्सकीय सलाह के आधार पर ही वह दोबारा शूटिंग शुरू कर पाएंगे। कार्तिक की चोट ऐसे समय में सामने आई है, जब उनका करियर बेहद व्यस्त दौर से गुजर रहा है। हाल ही में उन्हें फिल्म 'चंदू चैंपियन' में शानदार अभिनय के लिए 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान मिला है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी उन्हें 15 अगस्त को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'एट होम रिसेप्शन' के लिए आमंत्रित किया था। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियां शामिल हुई थीं। काम के मोर्चे पर कार्तिक आर्यन कबीर खान के साथ बन रही फिल्म में अभिनय के साथ निर्माता की भूमिका भी निभा रहे हैं। इसके बाद वह मृगदीप सिंह लांबा के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'नागजिला' में नजर आएंगे। उनके खाते में 'कैप्टन इंडिया' भी है। चोट के कारण फिलहाल उनके व्यस्त कार्यक्रम में बदलाव होना तय माना जा रहा है। अब प्रशंसकों की नजर उनकी स्वास्थ्य स्थिति और अस्पताल से आने वाले आधिकारिक अपडेट पर है।

'धमाल 4 की कमाई जारी, 43वें दिन भी जोड़े एक लाख रुपये

167.67 करोड़ रुपये पहुंची कुल कमाई

सिनेमाघरों में इन दिनों कई नई फिल्मों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। 'आवारापन 2, 'बंटवारा 1947, दक्षिण भारतीय फिल्म 'इरुमुडी और 'विश्वनाथ एंड सन्स जैसी फिल्मों के प्रदर्शन के बावजूद अजय देवगन की फिल्म 'धमाल 4 सातवें सप्ताह में भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए हुए है। फिल्म की दैनिक कमाई अब भले ही लाखों रुपये तक सीमित हो गई है, लेकिन इसके बावजूद यह लगातार कमाई कर रही है।

इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी 'धमाल 4 ने सिनेमाघरों में छह सप्ताह पूरे कर लिए हैं और सातवें सप्ताह में प्रवेश कर चुकी है। फिल्म ने रिलीज के 43वें दिन भी कमाई जारी रखी। सैकनिल्क के आंकड़ों के अनुसार, 'धमाल 4 ने रिलीज के 43वें दिन यानी सातवें शुक्रवार को करीब एक लाख रुपये की कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का भारत में कुल शुद्ध कारोबार बढ़कर 167.67 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म का भारत में सकल कारोबार करीब 199.09 करोड़ रुपये बताया गया है, जबकि दुनिया भर में इसका सकल कारोबार 229.94 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। 'धमाल 4 का निर्माण करीब 150 करोड़ रुपये के बजट में किया गया है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने अब तक अपने बजट से करीब 16.67 करोड़ रुपये अधिक की कमाई की है। भारत में फिल्म को मुनाफे वाली फिल्म का दर्जा मिला है और इसका मुनाफा प्रतिशत करीब 11.11 प्रतिशत बताया जा रहा है। फिल्म 'धमाल श्रृंखला की अब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म भी बन गई है। सातवें सप्ताह में पहुंच चुकी 'धमाल 4 को बॉक्स ऑफिस पर कई फिल्मों से कड़ी चुनौती मिल रही है। इमरान हाशमी की 'आवारापन 2 के अलावा 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे और 'बंटवारा 1947 भी बड़ी संख्या में सिनेमाघरों में दर्शकों को आकर्षित कर रही हैं। दक्षिण भारतीय फिल्मों की मौजूदगी के बावजूद 'धमाल 4 की कमाई पूरी तरह थमी नहीं है। 'धमाल 4 के डिजिटल अधिकार नेटफ्लिक्स के पास होने की बात सामने आई है। फिल्म के 4 सितंबर को ओटीटी मंच पर प्रदर्शित होने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से इसकी डिजिटल रिलीज की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है। फिल्म 10 जुलाई को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई थी और अब सातवें सप्ताह में भी दर्शकों के बीच अपनी मौजूदगी बनाए हुए है। 'धमाल 4 का निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है। फिल्म में अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और संजय मिश्रा समेत कई कलाकारों ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। यह 'धमाल फिल्म श्रृंखला की चौथी कड़ी है और बॉक्स ऑफिस पर श्रृंखला की सबसे सफल फिल्म बनकर सामने आई है।

सांस लेने का तरीका प्रभावित कर सकती है दिनभर की ऊर्जा

सांस लेना एक स्वाभाविक क्रिया है, जो हमारे जीवन की गुणवत्ता पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। सही ढंग से सांस लेना न केवल हमारे शरीर के लिए फायदेमंद है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन भी बनाए रखता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे हमारी सांस लेने की आदतें हमारी दिनभर की ऊर्जा और मूड को प्रभावित कर सकती हैं और हम इसे किस तरह से सुधार सकते हैं।

गहरी सांस लेने के लाभः गहरी सांस लेना हमारे शरीर को अधिक ऑक्सीजन देता है, जिससे ऊर्जा स्तर बढ़ता है। जब हम गहरी सांस लेते हैं तो हमारा दिमाग भी अधिक तरोताजा महसूस करता है और तनाव कम होता है। यह तरीका न केवल शरीर की ऊर्जा बढ़ाता है, बल्कि दिमाग को साफ करता है। गहरी सांस लेने से हमारा मूड बेहतर होता है और हम दिनभर अधिक सक्रिय और उत्साहित महसूस कर पाते हैं।

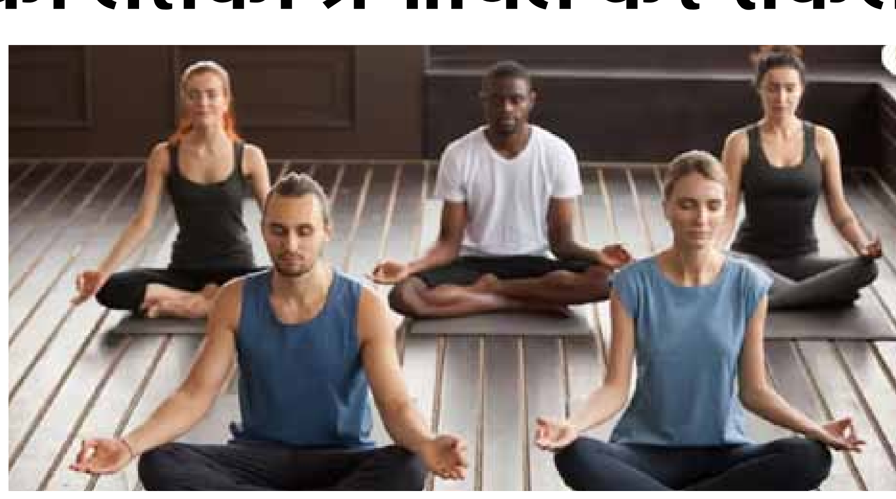

धीमी सांस लेने का महत्वः धीरे-धीरे सांस लेना हमारे शरीर को आराम देता है और तनाव को कम करता है। जब हम धीरे-धीरे सांस लेते हैं तो हमारा दिल भी धीमा चलता है, जिससे खून का बहाव बेहतर होता है।

यह तरीका हमें शांति और संतुलन महसूस कराता है, जिससे हम दिनभर सकारात्मक ऊर्जा महसूस करते हैं। धीरे सांस लेने से हमारा मूड स्थिर रहता है और हम अधिक संतुलित और खुश महसूस करते हैं।

नाक से सांस लेने के फायदेः नाक से सांस लेना हमारे शरीर के लिए सबसे प्राकृतिक तरीका है। यह हमारे फेफड़ों को अधिकतम उपयोग करने में मदद करता है और शरीर की सुरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है। नाक से सांस लेने पर नाक के अंदर मौजूद छोटे बाल और म्यूकस बैक्टीरिया को रोकते हैं, जिससे हमारी सेहत बेहतर रहती है। इसके अलावा नाक से सांस लेने पर हमारा मूड स्थिर रहता है और हम अधिक संतुलित और खुश महसूस करते हैं।

पेट से सांस लेने का तरीका

पेट से सांस लेना हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है। यह तरीके पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और खाने को पचाने की प्रक्रिया को बेहतर करता है। पेट से सांस लेने पर हमारा शरीर अधिक आराम महसूस करता है और हम दिनभर ऊर्जावान महसूस करते हैं। इसके अलावा पेट से सांस लेने से हमारा मूड स्थिर रहता है और हम अधिक संतुलित और खुश महसूस करते हैं।

शुभमन गिल ने टेस्ट क्रिकेट में पूरे किए 3000 रन, यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे सबसे युवा भारतीय बने

एजेंसी, कोलंबो (श्रीलंका)

भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 3000 रन पूरे कर लिए हैं। इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम उम्र में 3000 रन पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। गिल ने यह उपलब्धि रविवार को श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन हासिल की। गिल को इस मुकाम तक पहुंचने के लिए मुकाबले से पहले सिर्फ सात रन की जरूरत थी। पारी के 23वें ओवर में केशरा नुवान्था की गेंद पर चौका जड़ते हुए गिल ने अपने 3000 टेस्ट रन पूरे किए। गिल ने यह उपलब्धि 26 साल 349 दिन की उम्र में हासिल की और इस मामले में पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव को पीछे छोड़ दिया। कपिल देव ने 26 साल 356 दिन की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में 3000 रन पूरे किए थे।

भारत के लिए सबसे कम उम्र में 3000 टेस्ट रन पूरे करने का रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम है। तेंदुलकर ने महज 23 साल 228 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 26 साल 157 दिन की उम्र में 3000 टेस्ट रन पूरे किए थे। दिलीप वेंगसरकर ने 26 साल 263 दिन की उम्र में यह आंकड़ा छुआ था। गिल ने 43वें टेस्ट में 3000 रन का आंकड़ा पार किया। इस मैच से पहले उनके नाम 42 टेस्ट में 11 शतक और आठ अर्धशतक दर्ज हैं।

भारत के लेग स्पिनर कर्ण शर्मा ने क्रिकेट को कहा अलविदा, आखिरी मैच 25 अगस्त को लखनऊ में खेलेंगे

एजेंसी, लखनऊ

भारत के लेग स्पिनर कर्ण शर्मा ने क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। कानपुर सुपरस्टार्स की ओर से यूपीटी-20 लीग का मैच खेलने के बाद कर्ण ने शनिवार रात यह ऐलान किया। वह अपना आखिरी मैच 25 अगस्त को लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में मेरठ मावेरिक्स के खिलाफ खेलेंगे।

ईएसपीएन क्रिकइंफो के अनुसार 38 साल के कर्ण शर्मा ने घोषणा की कि अब मैं संन्यास लेना चाहता हूं। उन्होंने अपने परिवार, बीसीसीआई, रेलवे, उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए), आंध्र प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन, विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन और इस पूरे सफर में मेरा साथ देने वाले सभी लोगों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि संन्यास के बाद मैं कोचिंग और क्रिकेट से संबंधित अन्य जिम्मेदारियों के लिए उपलब्ध रहूंगा। उत्तर प्रदेश के मेरठ निवासी कर्ण ने 2014 में सभी प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने भारतीय टीम के लिए कुल 4 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिनमें 1 टेस्ट, 2 वनडे और 1 टी20 मुकाबला शामिल है। टेस्ट में 4 और टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक विकेट सहित कुल 5 विकेट अपने नाम किए। घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन बहुत शानदार रहा। उन्होंने फर्स्ट क्लास, लिस्ट ए और टी-20 क्रिकेट मिलाकर कुल 411 मैच खेले। इसमें उन्होंने कुल 551 विकेट अपने नाम किए। कर्ण ने 97 फर्स्ट क्लास मैचों में 270 विकेट लिए। इसके अलावा उन्होंने 123 लिस्ट ए मैचों में 153 विकेट और 191 टी-20 मुकाबलों में 168 विकेट हासिल किए। कर्ण ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद, मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेला है।

ब्राजील के खिलाफ मैच पर बाइचुंग भूटिया ने उठाए सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील के बीच 3 अक्टूबर को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में होने वाले हाई-प्रोफाइल फ्रेंडली मैच को लेकर फुटबॉल प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। ब्राजील जैसी दिग्गज टीम के खिलाड़ियों को भारत में खेलते देखने का मौका निश्चित रूप से देश के युवा फुटबॉल प्रेमियों के लिए खास होगा। हालांकि, भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया ने इस मुकाबले के आयोजन पर गंभीर सवाल उठाते हुए प्रशंसकों

से मैच के बहिष्कार की अपील की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्राजील के भारत दौरे और मुकाबले के आयोजन पर करीब 60 से 70 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। भूटिया का कहना है कि भारतीय फुटबॉल को इस समय बड़े प्रदर्शनात्मक मुकाबले की बजाय जमीनी स्तर और क्लब फुटबॉल में निवेश की जरूरत है। उनके अनुसार 90 मिनट के मैच पर इतनी बड़ी राशि खर्च करना संसाधनों का सही इस्तेमाल नहीं है। उन्होंने प्रशंसकों से मुकाबले का बहिष्कार कर आयोजकों और फुटबॉल महासंघ को संदेश देने की अपील की। भूटिया ने कहा कि अगर प्रशंसक मैच का बहिष्कार करते हैं तो यह बड़ा संदेश होगा और भविष्य में आयोजकों तथा महासंघों को ऐसे फैसले लेने से पहले दो बार सोचना पड़ेगा। ब्राजील के मैच को प्राथमिकता देने के लिए भारत के पहले प्रस्तावित फीफा आसियान कप से हटने के फैसले पर भी भूटिया पहले आलोचना कर चुके हैं।

माइकल वॉन ने मौजूदा पाकिस्तान टीम को बताया डरपोक

एजेंसी, लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान क्रिकेट टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा है। मेजबान इंग्लैंड ने पाकिस्तान को पारी और 103 रन से हराकर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। पाकिस्तान का प्रदर्शन बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण तीनों विभागों में निराशाजनक रहा, और टीम महज तीन दिन के भीतर दोनों पारियों में ऑलआउट हो गई। इस शर्मनाक हार के बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने पाकिस्तानी टीम के प्रदर्शन की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने क्रिकेट करियर में कभी इतनी डरपोक टीम नहीं देखी। पाकिस्तान की टीम पहली पारी में केवल 170 रन पर सिमट गई थी। इसके बाद इंग्लैंड ने मजबूत बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 409 रन बनाए और 238 रन की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। पाकिस्तान के सामने दूसरी पारी में मुकाबले में वापसी करने की बड़ी चुनौती थी, लेकिन उनकी बल्लेबाजी एक बार फिर पूरी तरह विफल रही। पूरी टीम 37.3 ओवर में सिर्फ 135 रन बनाकर ढेर हो गई और इंग्लैंड ने मुकाबला आसानी से अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान की ओर से पहले टेस्ट में अब्दुल्ला शफीक ने 61 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली, लेकिन उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज टीम को मजबूत स्थिति में नहीं पहुंचा सका।

द्रविड़ को बड़ी उम्मीद वैभव की टेस्ट टीम में हो सकती है एंट्री

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी को लेकर पूर्व दिग्गज बल्लेबाज और कोच राहुल द्रविड़ ने बड़ी उम्मीद जताई है। द्रविड़ का मानना है कि 15 वर्षीय वैभव में भविष्य में भारतीय टेस्ट टीम तक पहुंचने की क्षमता है, लेकिन इसके लिए उनके करियर में व्हाइट-बॉल और रेड-बॉल क्रिकेट के बीच सही संतुलन बनाना बेहद जरूरी होगा। आईपीएल और टी20 क्रिकेट में अपनी प्रतिभा से प्रभावित करने वाले वैभव अब दलीप ट्रॉफी के जरिए रेड-बॉल क्रिकेट में खुद

को साबित करने की चुनौती का सामना करेंगे। राहुल द्रविड़ ने कहा कि वैभव को व्हाइट-बॉल क्रिकेट में अनुभव हासिल करने के पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए, लेकिन साथ ही उनके रेड-बॉल करियर को भी लगातार आगे बढ़ाना जरूरी है। द्रविड़ आईपीएल 2025 के दौरान राजस्थान रॉयल्स के साथ काम करते हुए वैभव को करीब से देख चुके हैं और उनका मानना है कि इस युवा बल्लेबाज को लगातार रेड-बॉल मैच खेलने का मौका मिलने से काफी फायदा होगा।

द्रविड़ के अनुसार, वैभव ने अभी तक टेस्ट प्रारूप जैसी परिस्थितियों में पर्याप्त क्रिकेट नहीं खेली है। ऐसे में दलीप ट्रॉफी उनके विकास के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित हो सकती है। यदि ईस्ट जोन की टीम टूर्नामेंट में आगे बढ़ती है और फाइनल तक पहुंचती है तो वैभव को लगातार कई रेड-बॉल मुकाबले खेलने का अवसर मिल सकता है।

बिजनेस

निर्गम राशि के इस्तेमाल की निगरानी और जानकारी देने से जुड़े नियमों की समीक्षा कर रहा सेबीः तुहिन कांत

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को कहा कि पूंजी बाजार नियामक निर्गम से जुटाई गई राशि के इस्तेमाल की निगरानी और जानकारी देने से जुड़े नियमों की समीक्षा कर रहा है।

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने यहां इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स के वार्षिक निदेशक सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य समय पर जानकारी उपलब्ध कराना और अनुपालन प्रक्रिया को सुगम बनाना है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि पारदर्शिता का

मतलब केवल किसी कंपनी द्वारा दी गई जानकारी की मात्रा से नहीं है, बल्कि ये भी महत्वपूर्ण है कि वह जानकारी निवेशकों को जरूरी बातों को समझने में कितनी मदद करती है।

उन्होंने कहा कि सेबी ने महत्वपूर्ण घटनाओं और सूचनाओं के खुलासे से जुड़े नियमों को लगातार मजबूत किया है। सेबी ने संबंधित पक्षों के बीच लेन-देन से जुड़े नियमों को भी और स्पष्ट करने का प्रस्ताव रखा है। इससे कंपनियों के लिए नियम स्पष्ट और व्यावहारिक होंगे तथा निवेशकों के लिए जरूरी सुरक्षा उपाय भी बने रहेंगे। पांडेय ने कहा कि सेबी ऐसा फ्रेमवर्क लाने का प्रस्ताव कर रहा है, जिससे एक ही मामले में एक से ज्यादा स्टॉमक एक्सचेंज पर लिस्टेड कंपनियों पर कई स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा जुर्माना लगाने की दोहरी कार्रवाई से बचा जा सके। सेबी प्रमुख ने कहा, "इसका मकसद रेगुलेशन को ज़्यादा असरदार बनाना है, साथ ही इसके मूल उद्देश्य को भी बनाए रखना है।" नियामकीय अनुपालन के बारे में उन्होंने कहा कि सुशासन के लिए नियमों का अनुपातिक होना और अनावश्यक दोहराव से बचना भी जरूरी है।

ईपीएफओ ने प्रतिष्ठानों से कर्मचारी नामांकन अभियान का लाभ उठाने का किया आग्रह

एजेंसी, नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने प्रतिष्ठानों से आग्रह किया है कि वे ईपीएफ कवरेज से बाहर कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु कर्मचारी नामांकन अभियान, 2026 का लाभ उठाएं। इस अभियान का उद्देश्य नियोक्ताओं के स्वैच्छिक अनुपालन को सुगम बनाना और पात्र श्रमिकों को भविष्य निधि, पेंशन और बीमा लाभ प्रदान करना है। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने प्रतिष्ठानों से आग्रह किया है कि वे 29 जून, 2026 से प्रभावी कर्मचारी नामांकन अभियान, 2026 (ईईसी 2026) का उपयोग करें। यह उन पात्र कर्मचारियों को नामांकित करने का विशेष अवसर प्रदान करता है, जो 1 अप्रैल, 2009 से 31 मार्च, 2026 की अवधि के दौरान कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) कवरेज से बाहर रहे। मंत्रालय ने बताया कि यह अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा और इसका उद्देश्य नियोक्ताओं द्वारा स्वैच्छिक अनुपालन को सुविधाजनक बनाना और पात्र श्रमिकों को भविष्य निधि, पेंशन और बीमा के लाभ देना है। इसके तहत पात्र नियोक्ता उन कर्मचारियों की घोषणा और नामांकन कर सकते हैं, जो निर्धारित अवधि के दौरान ईपीएफ कवरेज से बाहर रह गए थे और घोषणा की तिथि पर जीवित हैं तथा प्रतिष्ठान में कार्यरत हैं।

कर्नाटक में 'एनालॉग' पनीर का उत्पादन और बिक्री एक साल तक प्रतिबंधित

एजेंसी, नई दिल्ली/बेंगलुरु

कर्नाटक सरकार ने त्योहारी सीजन के पहले महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जन स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के मद्देनजर 'एनालॉग' पनीर (गैर डेयरी) की बिक्री, उत्पादन, भंडारण और आपूर्ति पर एक साल लिए प्रतिबंध लगा दिया है।

कर्नाटक खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने शनिवार को जारी बयान में यह जानकारी दी। विभाग के आयुक्त श्रीनिवास के. ने बताया, ''विभाग ने 17 अगस्त को अधिसूचना जारी कर राज्य में एनालॉग/गैर-डेयरी पनीर के निर्माण, प्रसंस्करण, पैकिंग, भंडारण, आपूर्ति, थोक और खुदरा बिक्री पर एक साल के लिए प्रतिबंध लगाया है।'' अधिकारियों के मुताबिक, 'एनालॉग' पनीर दूध से तैयार किए जाने वाले सामान्य पनीर का विकल्प है, जिसे दूध के बजाए वनस्पति तेल, वनस्पति वसा या अन्य गैर-डेयरी सामग्री का इस्तेमाल कर बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे उत्पादों को उपभोक्ताओं के सामने 'पनीर' के रूप में लेबल

नहीं किया जा सकता है, न ही उनका विपणन या बिक्री इस नाम से की जा सकती है। विभाग ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक (खाद्य उत्पाद मानक एवं खाद्य योजक) नियम, 2011 के तहत पनीर एक मानकीकृत खाद्य उत्पाद है, जिसे दूध से तैयार किया जाता है। इस पनीर में दूध की वसा एक प्रमुख घटक होती है और उसकी जगह वनस्पति तेल, वनस्पति वसा या अन्य गैर-डेयरी सामग्री का इस्तेमाल मान्य नहीं है। विभाग ने कहा कि कर्नाटक में पनीर के कई नमूनों की जांच की गई और उनमें मिलावट नहीं पाई गई। हालांकि, जन स्वास्थ्य के हित में एनालॉग पनीर की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया गया है। यह आदेश फ्रोजन मिठाई, प्रोसेस्ड चीज और मिश्रित वसा स्प्रेड जैसे मानकीकृत खाद्य उत्पादों पर लागू नहीं होगा क्योंकि इनके लिए अलग-अलग मानक पहले से तय हैं। विभाग ने खाद्य कारोबारियों को चेतावनी दी है कि वे किसी भी खाद्य उत्पाद या व्यंजन में एनालॉग /गैर-डेयरी पनीर का इस्तेमाल, उसका भंडारण, आपूर्ति या बिक्री नहीं करें।

त्योहारी सीजन में चीनी का कड़वा वार, कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर

एजेंसी, नई दिन्ल्ली

त्योहारों से ठीक पहले चीनी के दामों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले एक महीने में चीनी की कीमतें 20 फीसदी बढ़कर 65 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई हैं, जो अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। इसका मुख्य कारण इथेनॉल उत्पादन में गन्ने का अधिक इस्तेमाल बताया जा रहा है, जिसने आम आदमी का बजट बिगाड़ दिया है। भारत में चीनी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं, जिसने त्योहारों के मौसम में आम

उपभोक्ता को मुश्किल में डाल दिया है। एक महीने पहले 48.18 रुपए प्रति किलो मिलने वाली चीनी अब खुदरा बाजारों में 65 रुपए प्रति किलो तक बिक रही है। यह उछाल ऐसे समय में आया है जब देश में गन्ने की पर्याप्त पैदावार है और सरकार ने घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए चीनी के निर्यात पर भी रोक लगा रखी है। बावजूद इसके दामों का बढ़ना बाजार के एक अजीब संकट की ओर इशारा करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस संकट की मुख्य वजह इथेनॉल बनाने के लिए गन्ने का बढ़ता उपयोग है। इथेनॉल कार्यक्रम देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन यह चीनी की उपलब्धता को प्रभावित कर रहा है। पंजाब में चीनी 65 रुपये प्रति किलो बिक रही है, जबकि मुंबई और भोपाल जैसे शहरों में भी कीमतें 58-63 रुपये प्रति किलो के बीच हैं।

आरबीआई ने श्रीराम फाइनेंस और प्रॉगफिन पर लगाया लाखों का जुर्माना

एजेंसी, मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कुछ नियमों और निर्देशों का पालन न करने के कारण श्रीराम फाइनेंस कॉर्पोरेशन और प्रॉगफिन पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। आरबीआई के अनुसार श्रीराम फाइनेंस पर 8.10 लाख रुपये और प्रॉगफिन पर 2.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जो वित्तीय नियमों के अनुपालन में गंभीरता को दर्शाता है। आरबीआई ने श्रीराम फाइनेंस पर निदेशक की नियुक्ति करते समय केंद्रीय बैंक से पूर्व लिखित अनुमति न लेने के लिए जुर्माना लगाया, जिसके कारण प्रबंधन में बदलाव हुआ। इसके अतिरिक्त, कंपनी ग्राहकों को कम, मध्यम और उच्च जोखिम वाली श्रेणियों में वर्गीकृत करने की प्रणाली बनाने में विफल रही और कुछ ग्राहकों के केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) रिकॉर्ड को निर्धारित समय-सीमा के भीतर केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री में अपलोड नहीं कर पाई। वहीं प्रॉगफिन पर खातों के जोखिम वर्गीकरण की समय-समय पर समीक्षा करने की व्यवस्था (जो नियमों के अनुसार हर छह महीने में एक बार अनिवार्य है) लागू करने में विफल रहने के कारण जुर्माना लगाया गया है।

शाओमी के दो नए स्मार्ट एयर प्यूरीफायर लांच होंगे 25 को

एजेंसी, नई दिल्ली

चीनी कंपनी शाओमी भारत में अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करने जा रही है। शाओमी ने घोषणा की है कि उसके नए मीजिया एयर प्यूरीफायर 6 और शाओमी स्मार्ट एयर प्यूरीफायर 4 कॉम्पैक्ट 25 अगस्त को लॉन्च होंगे। शाओमी ने अभी इनकी भारतीय कीमत और बिक्री की तारीख का खुलासा नहीं किया है, लेकिन ग्लोबल मार्केट में उपलब्ध होने के कारण इनके प्रमुख फीचर्स का अनुमान लगाया जा

सकता है। मीजिया एयर प्यूरीफायर 6 एक अधिक पावरफुल मॉडल है, जिसमें 420 वर्ग मीटर प्रति घंटे की पार्टिकल सीएडीआर दक्षता और 150 वर्ग मीटर प्रति घंटे की फॉर्मेल्डिहाइड सीएडीआर मिलती है। यह लगभग 29 से 50 वर्ग मीटर तक की जगह के लिए उपयुक्त है और इसमें पीएम2.5 व पीएम1 स्तर का डिस्प्ले, यूवी स्टरलाइजेशन और नेगेटिव आयन जैसे फीचर्स दिए गए हैं। यह हवा में मौजूद कणों के साथ तापमान और नमी की जानकारी भी दिखा सकता है। वहीं, शाओमी स्मार्ट एयर प्यूरीफायर 4 कॉम्पैक्ट छोटे कमरों और सीमित जगहों के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इसमें 230 घन मीटर प्रति घंटे का पार्टिकल सीएडीआर और 16 से 27 वर्ग मीटर की प्रभावी कवरेज है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।